हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 दिसम्बर, 1992

खण्ड 3 अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 21 दिसम्बर, 1992

पृष्ठ संख्या

शोक प्रस्ताव	(1)1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(1)19
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(1)43
घोषणाएं–	
(क)अध्यक्ष द्वारा–	(1)54
(1)एक सदस्य का त्याग पत्र	(1)54
(2)पैनल आफ चेयरमैन	(1)54
(3)कमेटी आन पैटीशन्ज	(1)55
(ख)सचिव द्वारा–	
राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी	(1)55
सरकारी संकल्प–	
अयोध्या में बाबरी मस्जिद को गिराने सम्बन्धी	(1)55

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–.	
सिंचाई एवं बिजली राज्य मन्त्री (श्री मोहम्मद इलियास)द्वारा	(1)69
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(1)72
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	
प्रो० सम्पत सिंह द्वारा	(1)78
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(1)79
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	
(1)वक्फ राज्य मन्त्री (चीधरी शकरुल्ला खां)द्वारा	(1)84
(2)प्रो० राम विलास शर्मा द्वारा	(1)87
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(1)87
बैठक का समय बढ़ाना	(1)93
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(1)94
बैठक का समय बढ़ाना	(1)100
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(1)100
गेमिंग आफ मैम्बर्ज	(1)102

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(1)106
बैठक का समय बढ़ाना	(1)109
सरकारो सउत (पुनरारम्भ)	(1)110
बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना	(1)113
स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	
सरकार की किसान विरोधी नीति के कारण हरियाणा में कृषि अर्थ–व्यवस्था में गिरावट होने सम्बन्धी	(1)115
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज–पत्र	(1)116
वर्ष 1986–87 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करना	(1)120

हरियाणा विधान सभा

सोमवार 21 दिसम्बर, 1992

हरियाणा विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह)ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः आनरेबल मेम्बर्ज, अब औबिचुअरी रैफरैन्सिज होंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन और इस सैशन के अर्से के बीच कुछ महानुभाव स्वर्ग सिधार गए हैं। मैं उनके लिए औबिचुअरी रैजोल्यूशन पेश करता हूं।

श्री मोहम्मद हिदायतुल्ला, भारत के भूतपूर्व उपराष्ट्रपति तथा मुख्य न्यायाधीश

यह सदन भारत के भूतपूर्व उपराष्ट्रपति तथा मुख्य न्यायाधीश श्री मोहम्मद हिदायतुल्ला के 18 सितम्बर, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता श्री हिदायतुल्ला का जन्म 17 दिसम्बर, 19०5 को हुआ। उन्हें 1942 में सबसे कम आयु के सरकारी वकील और 1943 में सबसे कम आयु के एडवोकेट जनरल और 1954 में उच्च न्यायालय के सबसे कम आयु के मुख्य

न्यायाधीश तथा 1958 में उच्चतम न्यायालय के सबसे कम आयु के जज बनने का श्रेय प्राप्त हुआ।

इसके बाद उन्होंने 1968 से 1970 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा 1979 से 1984 तक भारत के उपराष्ट्रपति के पद को सुशोभित किया। वह 1969 और 1982 में कार्यकारी राष्ट्रपति भी रहे। उन्होंने अनेक पुस्तकों की रचना भी की।

उनके निधन से देश एक महान् विधिवेत्ता, योग्य प्रशासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री पुरुष भान, हरियाणा विधान सभा के सदस्य

अध्यक्ष महोदय, यह सदन हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री पुरुष भान के 7 दिसम्बर, 1992 को हुए दुखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री पुरुष भान का जन्म 6 मई, 1955 को हूआ। वह व्यवसाय से एक कृषक– थे। छोटी उम्र मे ही उनकी रुचि समाज–सेवा और समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण की ओर हो गई। इससे उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई। वह वर्ष 1991 में कालका निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गहा। उन्होंने गत डेढ़ वर्म के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य सम्पन्न करवाए।

उनके निधन से हरियाणा एक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता तथा विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। हह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

चौधरी सरदार खां, हरियाणा के भूतपूर्व उप–मन्त्री

अध्यक्ष महोदय, यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री चौधरी सरदार खां के 19 दिसम्बर, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। उनका जन्म प्रथम मई, 1935 को हुआ। शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने कई सामाजिक तथा राजनैतिक कार्यों में भारी दिलचम्पी लेना शुरू कर दिया। उन्होंने इसी लोकप्रियता के बल पर वर्ष 1970 का चुनाव नुंह निर्वाचन क्षेत्र से भारी बहुमत से जीती। वे वर्ष 1979 में मेरी कैबिनेट में ग्हे उपमंत्री भी रहे। उनके निधन से हरियाणा राज्य एक समाज सुधारक तथा अनुभवी नेता एवं विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कल्याण सिंह कालवी, भूतपूर्व केन्द्रीय मन्त्री

अध्यक्ष महोदय, यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मन्त्री श्री कल्याण सिंह कालवी के 27 जुलाई, 1992 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री कल्याण सिंह कालवी का जन्म 3 दिसम्बर, 1933 को हआ। वह 1978 सै 1980 तक तथा 1985 से 1989 तक राजस्थान विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1978 से 1980 तक राजस्थान में मन्त्री रहे। वह 1990–91 के दौरान केन्द्रीय०र्जा मन्त्री रहे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक, किसानों के मिल तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यौं के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री जेड० आर० अंसारी भूतपूर्व केन्द्रीय मन्त्री

अध्यक्ष महोदय, यह सदन भुतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री जेड० आर० अंसारी के 6 अक्तूबर, 1992 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री जेड० आर० अंसारी का जन्म 9 मार्च, 1925 को हुआ। वह व्यवसाय से एक वकील थे। वह 1962 से 1967 तक तथा 1967 से 1969 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य तथा 1971 से 1977 तक, 1980 से 1984 तक और 1984 से 1989 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1973 से 1977 तक केन्द्रीय उप मंत्री तथा 1980 से 1988 तक केन्द्रीय राज्य मन्त्री रहे और स्टेट मिनिस्टर की हैसियत से उन्होंने मेरे साथ भी काम किया। उन्हें देश–विदेश की अनेक यात्राओं के अवसर मिले।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गयी है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी महाराज सिंह, हरियाणा योजना बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष

अध्यक्ष महोदय, यह सदन हरियाणा योजना बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष चौधरी महाराज सिंह के 13 अक्तूबर 1992 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता चौधरी महाराज सिंह का जन्म 13 फरवरी, 1925 को हुआ। वह व्यवसाय से वकील थे। वह संयुक्त पंजाब में अम्बाला जिला परिषद् के अध्यक्ष रहे। वह सहकारी अपैक्स बैक तथा हरकोफैड के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 1989 में वह हरियाणा योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष थे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य प्रशासक तथा प्रसिद्ध वकील की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डा० बलदेव प्रकाश, संसद सदस्य

अध्यक्ष महोदय, यह सदन ससद सदस्य डा० बलदेव प्रकाश के 17 नवम्बर, 1992 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

डा० बलदेव प्रकाश का जन्म 24 अक्तूबर, 1923 को हुआ। वह व्यवसाय से एक डाक्टर थे। वह वर्ष 1957, 1962, 1967 तथा 1971 में पंजाब विधान सभा सदस्य के लिए चुने गए। वह 1967 से 1968 तक पंजाव में मंत्री रहे। वह 1977 में लोक सभा के सदस्य चुने गए। यह वर्ष 1980 मैं भारतीय जनता पार्टी की पंजाब शाखा के अध्यक्ष बनाए गए। वह निधन के समय राज्य सभा के सदस्य तथा भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष थे। वह सारा जीवन देश की एकता एवं अखण्डता के लिए संघर्ष करते रहे।

उनके निधन से देश एक निःस्वार्थ देशभक्त तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार गुरचरण सिंह निहाल सिंह वाला, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

अध्यक्ष महोदय, यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सरदार गुरचरण सिंह निहालसिहवाला के प्रथम दिसम्बर, 1992 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

सरदार गुरचरण सिंह निहालसिहवाला का जन्म 11 नवम्बर, 1924 को हुआ। वह व्यवसाय से कृषक थे। वह 1954 व 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य तथा 1967 व 1972

में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए! वह सरदार गुरनाम सिंह के तथा फिर ज्ञानी जैल सिंह के मत्रिमण्डल में मुख्य संसदीय सचिव रहे। वह वर्ष 1969 में बाई इलैक्शन से लोक सभा के सदस्य चुने गए तथा 1980 में फिर लोकसभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से देश कृषकों के हितों के लिए लड़ने वाले योद्धा, योग्य प्रशासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री प्रताप सिंह बख्शी, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व उपमन्त्री

अध्यक्ष महोदय, यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व उप मंती श्री प्रताप सिंह बख्शी के 4 नवम्बर, 1992 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री प्रताप सिंह बख्शी का जन्म 20 अक्सर, 1912 को हुआ। उन्होंने स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया तथा आजाद हिन्द फौज में कैप्टन रहे। वह 1952 से 1957 तक, 1957 से 1962 तक तथा 1982 से 1967 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1957 से 1962 तक उप मन्की रहे। राज्यों के पुनर्गठन के बाद वह हिमाचल प्रदेश में मंत्री रहे। उन्होने 1972 से 1977 तक हिमाचल लघु बचत सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

उनके निधन से देश एक प्रमुख स्वतन्त्रता सैनानी, योग्य प्रशासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया णै। यह सदन दिवंगत नेता कें शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

ज्ञानी किरपाल सिंह ''शान्त'' संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

अध्यक्ष महोदय, यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य ज्ञानी किरपाल सिंह ''शान्त'' के 18 अगस्त, 1992 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

ज्ञानी किरपाल सिंह ''शान्त'' का जन्म 10 फरवरी, 1929 को हुआ। वह दो बार पैप्सू विधान सभा के सदस्य चुने गत। वह वर्ष 1957 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए पूरी निष्ठा से सेवा की।

उनके निधन से देश एक अनुभवी विधायके की सेवाओ से वंचित हो' गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी सत्यदेव, संयुक्त पंजाब विधान समा के भूतपूर्व सदस्य तथा पंजाब के भूतपूर्व मन्त्री

अध्यक्ष महोदय, यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य तथा पंजाब के भूतपूर्व मंत्री चौधरी सत्यदेव के 7 अक्तूबर, 1992 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

चौधरी सत्यदेव का जन्म 8 जुलाई, 1929 का हुआ। वह 1962 से 1967 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा 1967 से 1972 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1970 में पंजाब में मंत्री पद पर रहे। उन्होंने 1947 में शरणार्थियों की सेवा की तथा 1962 के भारत चीन संघर्ष के दौरान अपनी सेवाए देश की रक्षा के लिए अर्पित की।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक अनुभवी विधायक तथा समाज सुधारक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

भगत पूर्ण सिंह प्रसिद्ध समाज सेवी

अध्यक्ष महोदय, यह सदन प्रख्यात समाज सेवी भगत पूर्ण सिंह के 5 अगस्त, 1992 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करतों है।

भगत पूर्ण सिंह का जन्म वर्ष 1904 में एक हिन्दू परिवार में लुधियाना जिले के राजेवाल गांव में हुआ। समाज की

निष्काम सेवा की लगन उनमें बचपन से ही रही। इसलिए वह आजीवन अविवाहित रहे।

अमृतसर का पिंगलवाड़ा, जहां आज' भी उनके नाम को बड़ी श्रद्धा से याद किया जाता है, उनके कार्यक्षेत्र का केन्द्रीय स्थल रहा। उनकी पेरणा पाकर कुष्ट रोगियों की सेवा के लिए लाखों ही लोग आगे आ चुके हैं। भगत जी को उनकी सेवाओं के लिए भारत सरकार नारा पद्मश्री से अलंकृत भी किया गया। उन्होने 87 वर्ष की दीर्घ आयु पाई।

उनके निधन से राष्ट्र एक प्रमुख समाजसेवी की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत की आत्मा की शान्ति के लिए परमात्मा से प्रार्थना करता है।

श्री श्याम सुन्दर चावला ''हिन्दू'' के विशेष संवाददाता

अध्यक्ष महोदय, यह सदन ''हिन्दू'' के विशेष' संवाददाता श्री श्याम सुन्दर चावला के 2 दिसम्बर, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री श्याम मुन्दर चावला का जन्म 8 सितम्बर, 1924 को हुआ। एम० ए० तक शिक्षा प्राप्त कर लेने के बाद उन्होंने वर्ष 1946 में ''ट्रिब्यून'' के उप–सम्पादक के रूप में कार्य आरम्भ किया तथा वह 1984 में ''ट्रिब्यून'' के विशेष संवाददाता के पद से सेवा निवृत्त हुए। इसके बाद वह ''हिन्दू'' के विशेष संवाददाता रहे। इस

सारी अवधि के दौरान उन्होने हरियाणा राज्य की निष्पक्ष तस्वीर पेश की।

उनके निधन से देश एक वयोवृद्ध एवं समर्पित पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत पत्रकार के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अयोध्या की घटना से संबंधित अन्य व्यक्ति

अध्यक्ष महोदय, यह सदन गत 6 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या नगर में श्री राम जन्म–भूमि तथा बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर छिड़े नरसंहार की निन्दा करता है। जिसके कारण हजारों निर्दोष– लोगों की जानें चली गईं। यह सदन इस साम्प्रदायिक हिंसा को एक राष्ट्रीय त्रासदी मानता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

प्रो० सम्पत सिंह (भट्टू कलां): स्पीकर सर, विधि का विधान है कि जो इस दुनिया में आयी है, उसको जाना ही पड़ता है लेकिन कुछ महान विभूतियां एमी होती हैं जिनका देश के लिये. , प्रदेश के लिये और समाज के लिये इतना योगदान होता है कि उनके जाने पर देश और प्रदेश के लोगों को बडा दु:ख होता है। इनमें से कुछ विभूतियों का जिक्र हमारे मुख्य मैली जी ने किया है। मैं भी अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन सब

के दु:खद निधन पर संवेदना प्रकट करता हूं 1 सबसे पहले इस प्रस्ताव में श्री मोहम्मद हिदायतुल्ला का जिक्र आया है। वे भारत के उपराष्ट्रपति रहे और मुख्य न्यायाधीश भी रहे। यही नही, सबसे कम आयु के वह सरकारी वकील भी रहे। स्पीकर सर, यही कारण था कि वह सबसे कम आयु के एडवोकेट जनरल, हाई कोर्ट के जज, मुख्य न्यायाधीश तथा सुप्रीम कोर्ट के जय भी रहे। इसी तरह से उन्होंने उपराष्ट्रपति के पद को भी सुशोभित किया और एक्टिंग प्रैजीडैट भी रहे। उनके निधन से भी हमें बड़ा दु:ख है। इसी तरह से सरदार खां का नाम भी हमार मुख्य मंत्री जी ने लिया है। वे हमारे हरियाणा प्रदेश में मंत्री भी रहे हैं। उनके निधन से भी हमें बड़ा दु:ख है। वे बड़े ही मजाकिया पसन्द आदमी थे। कभी किसी बात को सीरियसली नहीं लेते थे। चाहे कितना ही कोई टीका टिप्पणी करता रहे लेकिन वे हमेशा खुश रहते थे। एक बार की बात है, खाने का टाईम था और हमारे किसी एक सदस्य ने उनके गामने सिगरेट की डिब्बी रख दी। यह सिगरेट की डिब्बी मजाक में रखी थी। जब उन्होंने उसको खोला तो उसमे सिगरेट थीं। उन्होंने इस डिब्बी को रखने का कारण पुछा तो उनको कहा कि आप तो खाने को बजाए सिगरेट से ही पेट भर सकते हैं आपको खाने की क्या जरूरत है क्योंकि वे सिगरेट काफी पीते था। स्पीकर साहब, वे बहुत ही बढ़िया किस्म के आदमी थे और उनके चले जाने का हमें बहुत ही दु:ख है।

श्री कल्याण सिह कालवी सैन्टर में मिनिस्टर थे। स्पीकर साहब, मेरा उनसे निजी वास्ता रहा है। वे बहुत ही सीधे सादे आदमी थे, हमेशा ही कुर्ता धोती पहनते थे और सिर पर पाएकी पहनते थे। कोई देखकर उनको यी नही कह सकता था कि यी साधारण किस्म का आदमी एम० ए०, एल० एल० बी० हो सकता है। स्पीकर साहब, उन्होंने 1978 में बनेडा (राजस्थान)से बाई इलैक्शन लड़ा था और उस समय मुझे उन्हें बहुत ही नजदीक से देखने का मौका मिला था। वे बहुत ही स्पष्ट और स्टेटफार्वर्ड किस्म के आदमी थे। वे राजस्थान में भी और सैन्टर में भी मिनिस्टर रहे। उनके निधन का हमें बहुत ही दुख है।

इसी तरह से श्री जेड० आर० अंसारी का भी निधन हो गया है। वे केन्द्र में उप–मत्री रहे। वे तीन बार एम० पी० रहे और दो बार उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। वे एक अच्छे वकील थे, देश उनकी सेवाओं से वंचित हो गया है। हमें उनके चले जाने का बहुत ही अफसोस है।

स्पीकर साहब, श्री पुरुष भान हमारे एक बहुत ही अच्छे साथी थे। वे पहली बार विधान सभा के लिए चुने गए थे। वे वहुत ही छोटी आयु के सदस्य थे। स्पीकर साहब, सैतीस साल की आयु क्या होती है। वे बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे। इसी हाउस में वे बैठते थे और स्वभाव के बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे। वे बहुत ही कम बोलते थे। मैंने उनको हाउस में कभी बोलते हुए नहीं देखा। वे बहुत दूर के रहने वाले थे और उन्होंने कालका मे चुनाव लड़ा

था। कालका के लोगों को उनसे बहुत ही उम्मीदें थीं लेकिन उनको क्या पता था कि इतनी जल्दी वे संसार से चले जाएगे। उनके चले जाने का हम सब को बहुत ही अफसोस है।

स्पीकर साहब, चौधरी महाराज सिंह भी हमें छोड़कर चले गए हैं। स्पीकर साहब, वे बहुत बढ़िया वकील थे। वे अम्बाला जिला परिषद् के अध्यक्ष रहे। वे सहकारी अपैक्स बैंक तथा हरकोफैड के अध्यक्ष भी रहे। स्पीकर साहब, वे हरियाणा योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भी रहे थे। स्पीकर साहब, जब राजीव लौंगोवाल समझौता हुआ तो उस समय मै हमारी संघर्ष समिति में थे। वे बहुत ही सूझ–बूझ वाले व्यक्ति थे। हमें उनके चले जाने का बहुत ही दुख है।

स्पीकर साहब, डा० बलदेव प्रकाश जो पंजाब से सम्बन्धित थे और राष्ट्रीय नेता थे, उनका भी निधन हो गया है। वे व्यवसाय से डाक्टर थे। वे सारा जीवन देश की एकता एवं अखण्डता के लिए संघर्ष करते रहे। स्पीकर साहब, वे एम० एल० ए० भी रहे और लोक सभा के सदस्य भी रहे। स्पीकर साहब, वे हाल में राज्य सभा के सदस्य थे। स्पीकर साहब, जब देश बहुत ही नाजुक स्थिति से गुजर रहा है ऐसे समय में उनकी देश को बहुत ही आवश्यकता थी लेकिन वे ऐसे समय में हमें छोड्कर चले गए हैं, इसका हमें बहुत ही दुख है।

स्पीकर साहब, सरदार गुरचरण सिह निहालसिहवाला पंजाब विधान सभा और लोक सभा के सदस्य रहे। वे बहुत ही अनुभवी व्यक्ति थे। हमारे देश को उनकी बहुत ही आवश्यकता थी। उनके चले जाने का हमें बहुत ही अफसोस है।

स्पीकर साहब, श्री प्रताप सिंह बख्शी संयुक्त पंजाब में तीन बार एम० एल० ए० रहे और उसके बाद वे हिमाचल में मन्त्री रहे तथा उसके बाद उन्होंने हिमाचल लघु बचत सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उनके निधन. से देश तृक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी, योग्य प्रशासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

स्पीकर साहब, इसी तरह से ज्ञानी किरपाल सिंह 'शान्त' का भी निधन हो गया हे। वे दो बार पैप्सू विधान सभा के सदस्य चुने गत। उन्होने सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए पूरी निष्ठा से सेवा की। वे सदैव सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए लड़ते रहे। उनके चले जाने का भी हमें बहुत अफसोस है।

स्पीकर साहब, चौधरी सत्यदेव, पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे तथा पंजाब में मन्त्री भी रहे। उन्होंने 1947 में शरणार्थियों की सेवा की तथा 1962 में भारत चीन संघर्ष के दौरान अपनी सेवाएं देश की रक्षा के लिए अर्पित की। उनके चले जाने का हमें बहुत ही अफसोस है।

स्पीकर साहब, भगत पूर्ण सिंह एक सामाजिक कार्यकर्ता थे और वे निष्पक्ष भाव से लोगों की सेवा करते थे। आज तो हालत यह है कि लोग अपने स्वार्थ के लिए काम करते हैं लेकिन भगत पूर्ण सिह ने सारे जीवन में निस्वार्थ सेवा की, समाज की भलाई के लिए उन्होंने बहुत ही अच्छे काम किये। उनकी आयु 87 वर्ष हो चुकी थी लेकिन फिर भी वे समाज की सेवा करते रहे। स्पीकर साहब, आज देश को उन जैसे व्यक्ति की बहुत ही आवश्यकता है। उनके निधन का हमें बहुत ही दुःख है।

स्पीकर साहब, श्री श्याम सुन्दर चावला बहुत लम्बे समय तक ट्रिब्यून अखबार के साथ जुड़े रहे और इस अखबार के साथ जुड़े रहने के कारण वे हरियाणा के साथ भी जुडे रहे। वे एक बहुत ही निष्पक्ष पत्रकार थे। 1984 में ट्रिब्यून अखबार के विशेष संवाददाता के पद से सेवा–निवृत्त हुए और इसके बाद वह 'हिन्दू' अखबार में चले गए। उनके निधन से हमें बहुत ही आघात पहुंचा है।

स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने, राम–जन्म–भूमि तथा बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर जो विवाद छिड़ा और जिसमें सरकारी आकड़ों के मुताबिक हजार ग्यारह सौ लोग मारे गए, का जिक्र किया है। स्पीकर सर, 1947 में हमारा देश आजाद हुआ। हमारी स्टेट सैकुलर स्टेट है। यहां पर डैमोक्रेसी है लेकिन आज हमें यह देख कर बड़ा ही दुख हुआ कि 45 सालों के बाद भी किस बेरहमी के साथ भाई ने भाई को मारा है। स्पीकर सर,

हमारी पैदाइश 1947 के बाद की है लेकिन आप जैसे अनुभवी महानुभावों से सुना है कि 1947 का वक्त भी बड़ा ही पीड़ाजनक वक्त था। लोग बड़े मिल जुल कर रहते थे लेकिन धर्म के नाम पर एक ऐसा उन्माद छिड़ा था कि भाई ने भाई को मार डाला था। वही स्थिति आज फिर यहां पर दोहराई गई। यह कितनी शर्म की बात है। 1000– 1100 लोग मारे गये धर्म के नाम पर, यह कितनी निन्दा की बात है कि सियासी लोग धर्म के नाम पर अपना तवा गर्म करके राजनीतिक रोटियां सेंकते हैं, यह कहां तक न्यायोचित बात है? यह यहीं तक ही सीमित नहीं है, इस बात को स्पीकर सर, हमें रोकना पड़ेगा, दबाना पड़ेगा। अगर आज इस हाल में इन बातों को न रोका गया तो देश इस का बहुत बडा खमियाजा भुगतेगा और आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। हमें आज देश को अखण्ड रखना है, देश में प्रजातन्त्र को बचाए रखना है, देश को मजबूत रखना है। इस ओर सरकार को, हम सब को मिलकर कुछ करना है ताकि आगे से इस देश के अन्दर, इस प्रदेश के अन्दर ऐसी कोई घटनाएं न घटने पाएं।

स्पीकर सर, इसी तरह की घटनाए 1984 में भी घटी थीं, और भी कई हादशे देश के अन्दर होते रहे। उसी वर्ष हमारे देश की प्रधानमन्त्री का किस तरह से कत्ल हुआ, वह कितनी दुःखद बात थी। हम अभी उन घटनाओं को मुला भी नहीं पाए थे कि ये और बुरी घटनाएं यहां पर घटने लगीं। कोई भी धर्म इस तरह की घटनाओं को इजाजत नहीं देता जिस तरह की इस देश

के अन्दर घटी है। फिर उसी धर्म के नाम पर भाई ने भाई को मारना, काटना शुरु कर दिया। स्पीकर साहब अकेली दिल्ली में ही 4 हजार के लगभग लोग मारे गये। दूसरे सूबों में भी इसी तरह से लोगों का मरना मारना चालू रहा। पहले हिन्दू–सिख की बात छिड़ी, फिर हिन्दू मुसलमान की बात छिड़ गई जिसके घातक परिणाम निकल। स्पीकर साहब, हम इसी तरह से श्रद्धांजलियां अर्पित करते रहेंगे, दु:ख भी प्रकट करते रहेगे लेकिन जब तक इस बुराई को पूरी ताकत से दबाया नही जाएगा तब तक इसका अन्त नही हलो, यह काम कभी भी फिर शुरू हो सकता है। अगर राजनीतिक रोटियां काम के नाम पर, रोजगार के नाम पर सेके तो ठीक है लेकिन अगर धर्म के नाम पर राजनीतिक रोटियां सरकार सेकने का प्रयत्न करेगी तो इसके गम्भीर परिणाम निकलेगे। अगर इस तरह की नालायकी कोई प्रशासन करेगा तो इससे बुरा हाल और देश का क्या हो सकता है? स्पीकर सर, यह जो जघन्य अपराध इस देश में हुए हैं, यह देश के०पर एक तरह का कलंक है कि किस तरह से भाई ने भाई को मारा है। इस चीज को रोका जाना चाहिये था, आखिर किसी चीज की कोई हद होती है। अन्त में मैं इस प्रस्ताव का, जोकि सरकार ने प्रस्तुत किया है, समर्थन करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने इस सदन के अन्दर आज जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं अपनी पार्टी की ओर से उसका समर्थन करने

के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, परमेश्वर की करनी को कोई टाल नहीं सकता। परमेश्वर और मौत को अगर इन्सान याद रखे तो उसको संतोष रहता है। आज यह सदन पूरे छः महीने के बाद मिला है और इस अर्से के दरिम्यान हमारे बीच में से कई महान् विभूतियां, महान पोलीटीशियनज और बड़े पालियामैडेरियन चले गये हैं जिनकी आज के इस संकट की घड़ी में हमें बड़ी आवश्यकता थी। उनकी आज हमारे देश को मदद की जरूरत था। उनकी सेवाओं से इस देश को काफी लाभ हो सकता था। ऐमीनैन्ट जूरिस्ट, भारत के भूतपूर्व उपराष्ट्रपति तथा मुख्य न्यायाधीश श्री मोहम्मद हिदायतुल्ला जी के निधन से इस देश को बड़ा भारी नुकसान हुआ है। आज इस संकट की घड़ी में ऐसे ऐमीनैन्ट जूरिस्ट, पार्लियामैन्टेररियन, एडमिनिस्ट्रेटर की हमें निहायत ही आवश्यकता थी। आज इस देश ने इस तरहं के बेहतरीन एडमिनिस्ट्रेटर, सीजन्ड पार्लियामैन्टेरियन को खो दिया है जिनकी पूर्ति किसी तरह भी नहीं हो सकती। मैं अपनी पार्टी की ओर से परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको अपने चरणों में स्थान दे और उनके परिवार को यह बोझ उटाने की हिम्मत दे।

श्री कल्याण सिंह काल्वी, राजस्थान असैबली के मैंबर भी रहे और मिनिस्टर भी रहे। वे पार्लियामैंट के मैंबर भी रहे। देहात में जो सब से बड़ी डौमिनैट क्लास फार्मर है, उनके साथ इनका बडा भारी प्रेम था। उनके निधन से देश को बहुत नुकसान हुआ है। श्री जैड० आर० अंसारी यूनियन मिनिस्टर रहे हैं और यू०

पी० की असैम्बली में मैंबर तथा मिनिस्टर भी रहे। इनके निधन से भी देश और प्रदेश को बहुत नुकसान हुआ है। स्पीकर साहब, हमारे ही प्रान्त के हमारे साथी चौधरी पुरुष भान 1991 में इस असैबली में चुन कर आए थे। वे गरीबों के हमदर्द और समर्थक थे और हमेशा सोशल सर्विस का काम करते थे। इसी सेवा की बिना पर वे विधान सभा के मैम्बर चुने गए थे। लेकिन मौत का मुकाबिला कोई नही कर सकता। वे जवानी में केवल 37 वर्ष की आयु मे हमारे बीच से चले गए। इनके निधन से प्रान्त को और विशेष कर कालका कांस्टीच्यूएसी को बहुत नुकसान पहुचा है। श्री सरदार खा इस सभा के सदस्य भी रहे और यहां पर मिनिस्टर भी रहे। वे समय को चूकने नही देते थे। वे चाहे कही भी होते थे, अपने समय पर खुदा का नाम जरूर लेते थे। वे बहुत बेहतरीन किस्म के इन्सान थे और सोशल सर्विस करते थे। वे मेवात के इलाके के नेता थे। इनके निधन से भी प्रदेश को बहुत नुकसान हुआ है। चौधरी महाराज सिंह बहुत शानदार किस्म के वकील थे। वे ज्वायट पंजाब में अम्बाला में जिला परिषद के चेयरमैन रहे और वे हमारे प्लानिंग बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन भी रहे। वे अपने इलाके के लोगों का बहुत अच्छी तरह से समर्थन करते थे। वे बहुत अच्छे वकील थे, इनके निधन से भी प्रदेश का बहुत नुकसान हुआ है।

डा० बलदेव प्रकाश, चौधरी सत्य देव और सरदार गुरचरण सिह, ये पहले पंजाब में एम० एल० ए० बने और बाद में एम० पी० बने। ये लोग मिनिस्टर भी रहे और इनके साथ मुझे

काम करने का मौका मिला है। इनके साथ ज्वांयट पंजाब मे मैं भी एम० एल० ए० था। इनकी परफारमैंस बहुत अच्छी थी। डा० बलदेव प्रकाश जी की परफारमैंस असैम्बली और पार्लियामैंट में बहुत ही अच्छी थी। वे भारतीय जनता पार्टी की पंजाब शाखा के प्रधान थे और भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष भी थे। देश की एकता के लिए वे अपनी जान पर खेल जाया करते थे। मैं समझता हूं कि देश को आज उनकी सेवाओं की निहायत जरूरत थी लेकिन परमेश्वर को जो मंजूर होता है, वही होता है। उनके निधन से पंजाब और देश को बहुत नुकसान हुआ है। सरदार गुरचरण सिंह निहालसिंहवाला, श्री प्रताप सिंह बख्शी और श्री सत्य देव जी संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे, मिनिस्टर भी रहे तथा पार्लियामैंट में भी रहे। इन्होंने अपने क्षेत्र पंजाब में बहुत जबरदस्त काम किया है। ये गरीबों के बहुत समर्थक थे। इनके निधन से भी देश को बहुत भारी नुकसान हुआ है। ज्ञानी किरपाल सिह शांत पार्लियामैंट के मैंबर रहे और ज्वांयट पंजाब में 1957 से 1982 तक एम० एल० ए० रहे। ये भी समाजसेवी थे और सीजंड लैजिस्लेटर थे। इनके निधन से देश को बहुत भारी नुक्सान हुआ है। इसी तरह से भगत पूरण सिंह भी हमारे बीच से चले गए। जिन कुष्ठ–रोगियों से लोग नफरत करते हैं, वे उनकी सेवा में लगे रहते थे। भगत पूरण सिंह कुष्ठ रोगियों की सेवा करना अपना धर्म समझते थे। उन्होंने अपना सारा जीवन कुष्ठ रोगियों की सेवा करने में लगाया। इसी तरह से स्पीकर साहब, श्री श्याम सुन्दर चावला भी हमारे बीच से चले गए। श्री चावला बहुत लम्बे समय से

ज्वायंट पंजाब के वक्त से ले कर हरियाणा और पंजाब प्रदेशों की निष्पक्ष खबरें लोगों तक पहुंचाने में लगे हुए थे। वे बहुत ही बेहतरीन एडीटर थे। उनके निधन से हमारे प्रदेश को बहुत भारी नुक्सान हुआ है। इसी तरह से स्पीकर साहब, 6 दिसम्बर, 1992 को जो काण्ड हुआ उसमें हजारों बेगुनाह लोग मारे गए। वहां पर लाखों लोग गए और सुप्रीम कोर्ट में ऐफिडेविट भी दिया गया कि हम उस मस्जिद को नहीं तोड़ेंगे। इसके बावजूद भी लाखों लोग चले गए, लोगों ने एकत्रित हो कर उस मस्जिद पर हथोड़ा मारा जिसके कारण सारा देश, पाकिस्तान, बंगला देश और सारे भूमण्डल में, जहां पर भी कोई गडबड होने की बात थी, वह साम्प्रदायिकता के नाते से हुई। स्पीकर साहब, यह एक बहुत ही आपत्तिजनक बात है। लोग 1947 की घटनाओं को भूल चुके थे लेकिन 6 दिसम्बर, 1992 के काण्ड ने उसको रिपीट कर दिया। हजारों की संख्या में लोग अपने कारोबार में लगे हुए थे लेकिन वहां पर जो आग भड्की, उसमें बेगुनाह लोग जला दिए गए। यह बड़े दु:ख की बात है। स्पीकर साहब, 1947 की ऐसी घटना थी जिसने एक परिवार को दो परिवारों में बांट दिया था, लेकिन उस समय लोगों ने एक परिवार से दो परिवारों में बंटने में कोई बहुत ज्यादा आपत्ति नहीं की थी लेकिन जो 6 दिसम्बर को घटना घटी, उसका लोगों के दिलों में बहुत भारी दु:ख है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से चीफ मिनिस्टर साहब, मिनिस्टर्ज साहेबान और एम० एल० एज० साहेबान से निवेदन करता हूं कि आप लोग अपनी कुर्सी के चक्कर में लोगों की जानों से न खेलें। कोई ऐसा

वादविवाद न खड़ा करें जिससे बहुत ज्यादा नुकसान हो। आज के अखबारों में भी पता नहीं क्या क्या नारे दिए जा रहे है। उन नारों से कोई लाभ नहीं हो सकता, उनसे नुक्सान अवश्य हो सकता है। स्पीकर साहब, 6 दिसम्बर 1992 को जो आग लगाई गई, उसमें बेगुनाह लोग जल गए। आग किसी ने लगाई भुगते कोई,। इन शब्दों के साथ मैं जो भाई बहिन हमारे बीच से चले गए, भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को शांति दे और परमेश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। उनके परिवारों पर अचानक जो पहाड टूट पड़ा है, परमात्मा उनको उनके कंधों पर यह बोझ उठाने की शक्ति दे।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): स्पीकर साहब, मदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, उसका मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से समर्थन करती हूं। श्री मोहम्मद हिदायतुल्ला हमारे बीच से चले गए। श्री हिदायतुल्ला एक बहुत अच्छे मुख्य न्यायाधीश ही नही थे बल्कि एक बहुत अच्छे इन्सान भी थे। उनके चले जाने से सारे भारतवर्ष के लोगों को उनकी कमी महशूस हुई है। इसी तरह से श्री कल्याण सिंह कालवी जी भी हमारे बीच से चले गए। वे बहुत ही अच्छे इन्सान थे। वे हमेशा किसानों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए तत्पर रहते थे। उनके निधन से हमें बहुत दुःख है। इसी तरह से श्री जेड० आर० अंसारी हमारी पार्लियामैंट के सदस्य रहे और उत्तर प्रदेश विधान सभा के भी सदस्य रहे। उनकी अकाल मृत्यु हो गई, जिसका सबको बड़ा भारी दुःख हुआ

है। जो दीया अभी अमी जला था वह अचानक बुझ गया। इस दीये के बुझने से सारे हाउस को बहुत अफसोस हुआ है और बडा भारी दुःख सारेरू सदन को पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी महाराज सिंह जी की मृत्यु का भी मुझे अफसोस है, उनके प्रति भी मैं अपनी श्रद्धांजलि भेंट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय इसी प्रकार से डा० बलदेव प्रकाश, सरदार गुरचरण सिंह निहाल सिंहवाला, प्रताप सिंह बख्शी, ज्ञानी प्रकाश सिंह और चौधरी सत्य देव की मृत्यु का भी मुझे दुःख है। हम सभी संयुक्त पंजाब में विधायक थे। इन सबके चले जाने के कारण मुझे विशेष क्षति हुई है क्योंकि हम सभी इकट्ठे उठते–बैठते थे। मैं इन सभी परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति भेजती हूं। सरदार गुरचरण सिह निहालसिहवाला एक अच्छे किसान थे। वे हमेशा किसानवाद का पक्ष रखते थे। उनकी मृत्यु का भी मुझे बहुत दुःख हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, सबसे ज्यादा दुःख. तो मुझे भगत पूर्ण सिह जी के चले जाने का हुआ है। भगत पूर्ण सिंह जी ने उन लोगों की सेवा की जिन लोगों को कोई अपने पास रखने को तैयार नहीं था, चाहे वे बीमार रहते थे या नही रहते थे। उन्होंने सभी का आश्रय दिया। मैं चाहती हूं कि उनकी यादगार के लिए सरकार की तरफ से बच्चों को हर साल उनके जन्म दिन के अवसर पर वजीफे आदि देने चाहिए ताकि उनकी याद बराबर बनो रहे और साथ ही साथ एक ट्रस्ट भी बनाया जाये। जब राजनीतिक

पार्टी के लोगों के ट्रस्ट बन सकते हैं, ऐसे व्यक्ति का, जिसने पूर मानव समाज के हित के लिए अपनी पूरी जिन्दगी लगा दी हो, ट्रस्ट अवश्य बनाया जॉना चाहिए। (विघ्न) इस बारे में भी आप कुछ लोगों को आपत्ति है तो मुझे बहुत दुःख है। इसलिए मेरी पुनः प्रार्थना है कि ऐसे महान व्यक्ति की यादगार के लिए सरकार द्वारा गरीब बच्चों को उनके नाम पर कोई काम शुरू करना चाहिए ताकि उनकी यादगार बराबर बनी रहे।

अध्यक्ष महोदय, श्री एस० एस० चावला जी जो 'हिन्दू' के एक जाने माने पत्रकार थे, के निधन से मुझे बहुत दुःख पहुंचा है।

अध्यक्ष महोदय, 6 दिसम्बर को जो देश में अचानक घटना घटी और वह भी इस गांधीवादी देश के अन्दर उसका हम सबको बहुत दुःख है। यह जो उस दिन पिछली घटना (1947)की पुनरावृत्ति हुई, कोई अच्छी बात नहीं थी। जैसा कि भाई सम्पत सिंह जी ने भी कहा है कि श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की मृत्यु पर भी ऐसी ही घटना घटी थी और देश उसकी सजा आज तक भुगत रहा है। कसूर कोई करता है और मारे निरपराध जाते हैं। इस बारे में मेरी भगवान से प्रार्थना है कि वह उन लोगों को सद्बुद्धि दे, जिनके हाथ में सत्ता की बागडोर है। जिन लोगों के हाथ में आज सत्ता है, वही लोगों की सुरक्षा के प्रति जवाबदेह हैं।

स्पीकर साहब, अन्त में मैं ये सभी महान आत्माएं, जो इस संसार से चली. गई हैं, सबके प्रति अपनी श्रद्धांजलि भेंट करते हुए अपना स्थान लेती हूं।

प्रो० राम विलास शर्मा (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव सदन के अन्दर रखा है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। श्री मोहम्मद हिदायतुल्लाह भारत के उपराष्ट्रपति रहे हैं और उन्होंन अपनी जिम्मेदारी को पहुत अच्छी तरह से निभाया है। उन्होने बडी कुशलता के साथ राष्ट्रभक्ति का पालन किया। उनके निधन से देश ने एक समाजवादी और राष्ट्रभक्त आदमी खो दिया है। उनके निधन से मैं उनके परिवार के सदस्यों को अपनी हार्दिक सम्वेदना भेजता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से श्री कल्याण सिंह कालवी की मृत्यु का भी मुझे बहुत दुःख पहुंचा है। वे राजस्थान संस्कृति की जीती जागती मिसाल थे और हमेशा देहाती पहनावा पहनते थे। उन्होंने हिन्दुस्तान में ग्रामीण संस्कृति को पूरी प्रतिष्ठा दिलाई। श्री जैड० आर० अन्सारी भारत सरकार के मन्त्री रहे और बहुत दिनों तक संसद तथा अन्य बड़े पदों पर विराजमान रहे। उनके निधन से देश ने एक अनुभवी राजनेता खो दिया है इसके लिए मैं दुख प्रकट करता हूं। हमारे इस महान सदन के सदस्य श्री पुरुष भान का बहुत छोटी उम्र में ही अचानक हृदय गति रुक जाने से देहान्त हुआ है। उनकी मृत्यु के बारे में सुनकर बहुत दुख और

कष्ट हुआ। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट करता हू और उन्हें अपना शोक सन्देश देता हूं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी महाराज सिंह, हरियाणा योजना बोर्ड के भूतपूर्व उपाध्यक्ष रहै। जब वे बाबू जगजीवन राम जी की पार्टी में हरियाणा के सर्वेसर्वा थे, तब उनके साथ हमारा बड़ी मुलाकातें हुई थीं। एक अनुभवी व्यक्ति के निधन से हरियाणा प्रदेश को बड़ी क्षति हुई है। उन के निधन के बारे में जानकर मुझे बड़ा दु:ख हुआ। अध्यक्ष महोदय, डा० बलदेव प्रकाश उत्तर भारत के एक नेता और महान् शख्सियत के मालिक थे। वे संयुक्त सदन के सदस्य रहे, मन्त्री रहे, लोकसभा सदस्य रहे और अब वे राज्य सभा के सदस्य थे। ऑल इण्डिया वर्कर्ज कमेटी की मीटिंग में बोलते समय उन्होंने आतन्कवाद के खिलाफ बहुत कुछ कहा। अध्यक्ष महोदय, पिछले 10– 12 वर्ष से पंजाब में जो कुछ हो रहा है, डा० बलदेव प्रकाश उसका डट कर विरोध करते रहे है। डा० बलदेव प्रकाश उत्तर भारत के एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें प्रधान मन्त्री जी ने लिख कर दिया था कि आप अमृतसर में रहना छोड़ दें, दिल्ली में आ जाए या चण्डीगढ में आ जारा हम आपको पूरी सुरक्षा प्रदान करेंगे। अध्यक्ष महोदय, उन पर 8 बार होता हुआ। अभी अभी उनके निधन से 2 महीने पहले उन पर कातिलाना हमला हुआ था जिसमें उनके साथ बैठे उनके गनमैन और उनका ड्राईवर शहीद हो गए थे। उन्होंने एक ही बात कहीं थी कि जब आतंकवाद से इतने लोग शहीद हो रहे हैं तो वे भी अमृतसर नही छोड़ेंगे और अपने लोगों के साथ ही शहीद होंगे। पंजाब के बहुत से लोग

अपनी राजनीति दिल्ली में बैठकर करते है, लेकिन डा० बलदेव प्रकाश एक ऐसी शख्सियत थे जो देश की एकता और अखण्डता के लिए अमृतसर में ही रहे। वे मेरी पार्टी के ऑल इण्डिया के उपाध्यक्ष थे। उनके जाने से उत्तर भारत से एक महान शख्सियत रखने वाले नेता का स्थान खालो हुए गयी है। मैं उनके निधन पर अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। सरदार गुरचरण सिंह निहालसिंहवाला, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व सदस्य रहे। श्री प्रताप सिंह बख्शी, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व सदस रहे। ज्ञानी किरपाल सिंह ''शान्त'' संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। इन सब के निधन से जो दुःख हुआ है उसके लिए मैं शोक प्रकट करता हूं। चौधरी. सत्यदेव संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य तथा मन्त्री रहे हैं। वे चूडियावाला गांव के रहने वाले थे। अध्यक्ष महोदय, बैकवर्ड कलाम के होते हुए भी समाज सेवा की दृष्टि से उन्होंन जो काम किया, वह अनुकरणीय है। उनके निधन से मुझे बड़ा गहरा दुःख हुआ है। अध्यक्ष महोदय, भगत पूर्ण सिंह जी का भी निधन हो गया है। मानव शरीर के रूप में वे एक महान आत्मा थी जिन्होंने उन लोगों को गले लगाया जिनसे डॉक्टर लोग भी डरी बरतते हे। कुष्ठ रोगियों की सेवा को उन्होंने अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। उन्होंने पिंगलवाड़ा संस्थान बना कर उन कुष्ठ रोगियों को गले लगाया जिन्हें समाज में काई छून को तैयार नहीं होता और डाक्टर भी उनमें दूरी बरतते हैं। भगत पूर्ण सिंह जी ने कुष्ठ रोगियों के लिए एक नया संसार बनाया, एक नया जीवन दिया और उनमे एक नई आकांक्षा जगाकर गले से लगाया। पूरे

हिन्दुस्तान में कुष्ठ रोगियों की उस्मानों को उनके निधन से बड़ा आधात लगा है। एक महान समाज सेवी इस दुनियां से चला गया है। मैं उनके निधन पर गहरा दुःख प्रकट करता हूं। अष्यक्ष महोदय, सब जानते हं कि श्याम सुन्दर चावला जी पहले 'ट्रिब्यून' में थे और बाद में वे ''हिन्दू'' में चले गए। उन्होंने इसके साथ–साथ फ्री–लासिंग भी की। वे एक ऐसे आदमी थे जिन्होंने पत्रकारिता की मर्यादा को बनाए रखा।

अध्यक्ष महोदय, मेरी सदन के नेता से एक निवेदन है कि चौधरी देवी लाल जी की धर्म पत्नी का भी देहात हुआ है और चौधरी देवी लाल जी हरियाणा के मुख्य मंत्री रहे है इसलिए उनकी पत्नी का नाम भी इस शोक प्रस्ताव में शामिल होना चाहिए। दूसरे अध्यक्ष महोदय, अयोध्या में हुई घटना के बारे में जो निन्दा का प्रस्ताव है, यह प्रस्ताव इस समय नहीं आना चाहिए।

चौधरी भजन लालः निन्दा का प्रस्ताव तो अलग से आ रहा है। यह जो वहां पर लोग नारे गए हें, उनके प्रति श्रद्धांजलि है।

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव में साफ लिखा है कि हम निन्दा करते है। अगर अलग से प्रस्ताव लायेंगे तो It will be a repetition

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आप शोक प्रस्ताव पर ही बोलें।

Prof. Ram Bilas Sharma : Thgis is my submission that in these obituary references, the incidents of Mewat should also be added.

श्री अध्यक्षः राम विलास जी, आप सब्जैक्ट पर ही रहें।

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मेवात की हिंसक घटनाओ को भी इसमें जोड़ना चाहिए। इसके साथ ही मैं इस शोक प्रस्ताव का समर्थन करता हू।

श्री सतबीर सिंह कादयान (नौलथा): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता जी ने जो प्रस्ताव रखा है, मैं उसका समर्थन करता हू और इसके अलावा, भूतपूर्व मुख्य मन्द्री चौधरी देवी लाल जी की धर्म पत्नी के देहांत के शोक प्रस्ताव को भी इस शोक प्रस्ताव में शामिल कर लिया जाए। साथ ही पानीपत में गैस लीक होने की वजह से जिन 13 लोगों की मृत्यु हो गई थी, उन का राष्ट्र के निर्माण में बहुत योगदान था, उनका भी नाम इस प्रस्ताव में शामिल किया जाना चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन सब का नाम शोक प्रस्ताव में जोड़ने से हमें कोई एतराज नहीं होगा।

चौधरी फूल चन्द मुलाना (मुलाना अनुसूचित जाति): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं और जो महानुभाव हम से जुदा हो गए हैं, उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करता हूं। विशेष तौर पर

हमारे देश के महान नेता मोहम्मद हिदायतुल्लाह नोनफिगर थे जो हमसे जुदा हो गए हैं, उनकी देश को बहुत आवश्यकता थी। अध्यक्ष महोदय, मौत का हथौड़ा कब किस पर पद जहा, इसका किसी को पता नहीं। हमारे साथी पुरुष भान जी पर भी यही हथौड़ा पड़ा और वे हमसे जुदा हो गए। अध्यक्ष महोदय, उनका जो चुनाव क्षेत्र है, वहा के लोगों को भी उनके निधन से बहुत दुःख हुआ। वे बहुत कम आयु के व्यक्ति थे। हमने उनको बहुत कम आयु में ही उभरते हुए देखा है। भगवान ने उनको बहुत जल्दी अपने पास बुला लिया। इस समय उनकी बहुत ही आवश्यकता थी।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हमारे बहुत परम मित्र चौ० महाराज सिंह जिनका जिक्र सदन के नेता ने भी किया है, मेरे विधानसभा क्षेत्र के होली गांव के ही रहने वाले थे। वे मेरे बहुत ही नजदीकी थे। मैं क्यको बहुत अच्छी तरह से जानता था क्योंकि काफी देर हमने एक साथ वकालत भी की थी। वे बहुत ही मिलनसार, समझदार और अच्छे व्यक्ति थे। जहां कहीं भी वे बैठ जाते थे तो हर व्यक्ति उनको अपना समझता था। मेरे साथ उनका काफी समय से परिचय था लेकिन आज हम उनसे वंचित रह गये हैं। मैं उनको अपनी ओर से, उनके परिवार को इस सदन के माध्यम से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और आशा करता हूं कि परमात्मा ने उनको स्वर्ग में स्थल अवश्य दिया होगा।

अष्यक्ष महोदय, इसी तरह से सरदार खान जी, भूतपूर्व सदस्य विधानसभा, जो आज हमारे बीच में नहीं हैं, उनको भी मैं अपनी ओर से श्रद्धा के फूल अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से श्री एस० एस० चावला, जो पत्रकार जगत के एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे और अच्छे पत्रकारों में उनका नाम आता था, उनको भी मैं अपनी ओर से श्रद्धा के फूल अर्पित करता हूं। इसके अलावा, उन सभी व्यक्तियों को जिनका इन शोक प्रस्तावों में नाम है, को भी मैं अपनी ओर से श्रद्धा के फूल अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 6 दिसम्बर को अयोध्या में जो घटनाएं हुई और उसके कारण प्राप्त में ही नहीं अपितु सारे देश में धार्मिक भावनाओं को लेकर जो दुर्घटनाएं हुई, वे वाकई निन्दनीय हैं। इस बारे में मैं इतना जरूर कहूंगा कि दुर्घटनाओं के कारण जो निहत्थे लोग मारे नये हैँ उससे हमारे देश का सिर शम से झुक जाता है। अध्यक्ष महोदय, अयोध्या का ढांचा मैंने भी देखा है। हमने वहां मस्जिद नहीं बल्कि मन्दिर को तोड़ा है। यहां भगवान राम की पूजा होती थी न कि कुरान शरीफ की पूजा होती थी। वहां पर आरती होती थी, पूजा होती थी। केवल ढांचा ही मस्जिद का था और इस ढांचे को लेकर जो विवाद खड़े किये गये हैं, वह वास्तव में निन्दनीय हैं। इन दुर्घटनाओं में जिन व्यक्तियों ने अपनी जाने गंवायी हैं, मैं उनको भी अपनी ओर से श्रद्धा के फूल अपितु करता हूं।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, पिछले विधान सभा सैशन से लेकर इस विधान सभा सैशन तक हमारे बीच में से बहुत सी महान विभूतियां चली गयी है। जिनमें से एक हमारे उपराष्ट्रपति श्री मोहम्मद हिदायतुल्ला जी हैं जो बहुत छोटी उम्र में ही ऐडवोकेट जनरल बने थे तथा वो एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे जोकि बाद में भी निरन्तर तरक्की करते हुए जज बने तथा देश के चीफ जस्टिस भी रहे, वे दो बार कार्यवाहक राष्ट्रपति भी रहे हैं। इसी तरह से दूसरे श्री कल्याण सिंह कालवी जी, जो राजस्थान के रहने वाले थे, वे केन्द्रीय मंत्री भी रहे, भी हमारे बीच में से चले गए हैं। उनकी उम्र काफी छोटी थी। उन्होंने किसानों के लिए काफी काम किया। इसी तरह से श्री जेड० आर० अंसारी हैं जो यू० पी० विधान सभा के कई बार मैम्बर भी रहे, उसके बाद लोक सभा में चुनकर आ गये जहां पर चार साल डिप्टी मिनिस्टर रहे और आठ साल तक राज्य मंत्री भी रहे। इसी तरह से हमारे श्री पुरुष भान थे, ने भी बहुत ही कम, अर्थात 37 साल की उम्र में ही हमारे बीच से चले गए। सैंतीस साल की उम्र कोई खास उम्र नही होती। श्री पुरुष भान कानका निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित थे। फरीदाबाद से यहां आकर वे चुनाव जीतने में कामयाब हुए थे। 23 दिसम्बर को इनका भोग रखा है। सरदार खान छोटी उम्र में इस दुनियां से चले गए। जाना सभी ने है, लेकिन जब कोई 60 साल के बाद जाता है तो उसके कुनबे को या उसके रिश्तेदारों को, उसके निधन का इतना दुःख नही होता है किन्तु उससे कम उम्र में जो चले जाते हैं, वे अपने परिवार व बच्चों को दुःखी अवस्था में छोड़

जाते हैं। चौधरी महाराज सिंह अम्बाला के रहने वाले थे और वे श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान जो हमारे राज्य मंत्री है, उनके रिश्तेदार थे। उन्होंने कोआपरेटिव मूवमैंट में काफी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और वे जिला परिषद मे भी काफी रूचि रखते थे। वे अपैक्स बैक के चेयरमैन भी रहे और हरियाणा राज्य प्लानिग बोर्ड के डिप्टी चौयरमैन भी रहे। हम सभी को उनके निधन पर बड़ा दुःख है। डा० बलदेव प्रकाश, जो दी० जे० पी० पंजाब के कार्यकर्ता थे, वे देश के लोगों के सुख–दुःख मे बहु– चढ़कर हिस्सा लेते थे और चार बार पंज मे एम० एल० ए० रहे और मंत्री भी रहे। जब उनका निधन 'हुआ उस समय वे राज्य सभा में मैम्बर थे। उनके निधन पेर हमें बड़ा दुःख है। इसी तरह सरदार गुरचरण सिह निहालसिहवाला, श्री प्रताप सिंह बख्शी और ज्ञानी कृपाल सिंह ''शान्त' ' ये सभी विभूतियां हमारे बीच मे से चली गई हैं, ' हमें इनके निधन पर गहरा दुःख हे। भगत पूर्ण सिंह एक बहुत बड़े समाजसेवी थे। जिस तरह से मदर टेरेसा इस वक्त काम कर रही हें एवं महात्मा बुद्ध समाज सेवक थे, इसी तरह इन्होंने अमृतसर में पिंगलवाडा नाम की संस्था कुष्ट रोगियों की भलाई के लिए खोली। सारे देश को उनके निधन पर बडा दुःख है। भारत सरकार ने भी उनको पदम विभूषण के सम्मान से सम्मानित किया था। इसके अतिरिक्त श्री श्याम सुन्दर चावला जर्नलिस्ट थे। वे ''ट्रिब्यून' ' व ''हिन्दू' ' समाचार–पत्र के लिए अपने अन्त तक काम करते रहे। जैसा कि आपको पता है ''हिन्दु'' हमारे देश का बहुत बड़ा एवं पुराना अखबार है। पानीपत में गैस लीक होने की घटना

हुई है। श्री देवी लाल जी की पत्नी का निधन हुआ है उनके बारे में, जैसा कि सभी ने हाउस में शोक प्रकट किया है, इनके निधन का हम सभी को बहुत दुख है। छः दिसम्बर, 1992 को अयोध्या में जो घटना हुई है, उसने इस देश का सिर शर्म से झुका दिया है। आज इस घटना से दुनियां में हमारा मान कुछ कम हुआ है। दुनिया के सभी धम बराबर हैं, सभी धर्मों को एक ही संदेश है, कोई भी धर्म न तो कोई गलत बात कहता है और न ही सिखाता है। बाहरी कुछ देशों में उनके जियोग्राफिकल या हिस्टोरिकल हालात की वजह से कोई मतभेद हो सकता है लेकिन सब धर्मो की फिलासफी एक ही है और सब धर्म भगवान का नाम लेने की ही बात करते हैं। सभी धर्म यह कहते हैं कि अच्छे काम करो, सभी कहते है गरीबों की सहायता करो और सभी धर्म प्यार और भाई चारे का संदेश देते है। भगवान ने सारी दुनिया में, सभी देशों में, सभी भाषाओं में और सभी युगों में अपना संदेश अपने दूतों के द्वारा भेजा है। वह संदेश इस सारी दुनिया में सुख और शांति से बसने का ही संदेश है। कोई भी धर्म एक दूसरे से लड़ाने की बात नहीं कहता, लेकिन फिर भी हम लोग धर्म के नाम पर इस ढंग से कम्यूनल और साम्प्रदायिक बात करके झगड़े करते है जो कुछ शरारती तत्व करा देते हैं। कुछ वे लोग करा देते हैं जिनको धर्म का पूरा ज्ञान नहीं होता। वह अनैतिक वन जाते हैं, जिनकी वजह से भी कुछ. इस तरह को घटनाएं होती हैं। लेकिन यह कोई अच्छी बात नहीं है। इस असैम्बली के सभी सदस्यों के साथ मैं भी अपने आपको एसोशियेट करता हूं और मैं उन शोक

संतप्त परिवारों तक आप सब की सम्वेदना, इस हाउस की जो फीलिंग्ज है, भेज दूंगा। अब मैं आपसे यह प्रार्थना करता हुं कि दो मिनट के लिये आप उन आत्माओं की शांति के लिये मौन धारण करे।

15.00 बजे।

(इस समय हाउस ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Laying of Sewerage System

***330. Shri Jai Parkash :** Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there isany scheme underconsideration of the Government to lay the sewerage system in Ram Nagar, Prem Nagar and Harijan Colony of Karnal city ; if so, the time by which the said scheme is likely to be implemented ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह):

(क)जी हां।

(ख)करनाल शहर के राम नगर, प्रेम नगर, में 75 प्रतिशत क्षेत्र में मलनिकास सुविधायें प्रदान क्र दी गई हें तथा शेष क्षेत्र में कार्य प्रगति पर है। जहां तक हरिजन बस्तियों का सम्बन्ध

है, एक बस्ती में कार्य शुरू कर दिया है तथा शेष बस्तियों में धन उपलब्ध होने के पश्चात कर दिया जाएगा।

श्री जय प्रकाशः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि करनाल में रामनगर तथा प्रेम नगर के कितने एरिया में सीवरेज डली हुई है, कितना एरिया सीवरेज डालने के लिये बाकी रहता है और जो एरिया अभी बाकी रहता है, उसमें सीवरेज डालने का क्या प्रोग्राम बना रखा है? मेरा दूसरा सवाल यह है कि करनाल में कुल हरिजन बस्तियां कितनी हैं, उनमें से कितनी में सीवरेज का काम हो चुका है और कितनी में अभी बाकी रहता है? में यह भी जानना चाहता हूं कि सरकार ने उनके लिये कितना पैसा सैक्शन किया है?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक्र प्रेम नगर की पुरानी स्कीम का ताल्लुक है, उस पर हम 1 करोड़ 30 लाख रुपये खर्च कर रहे हैं। इसका लगभग 75 प्रतिशत काम हमने पूरा कर लिया है और बाकी का 25 प्रतिशत काम अगले 7–8 महीने में कर देंगे। इसके अलावा, माननीय सदस्य ने हरिजन बस्तियों के वारे में भी जानना है। मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि वहां पर कुल 12 हरिजन बस्तियां हैं इनमें से 3 सदर बाजार, 2 चार–चमन, 1 माडल टाउन, 1 बांसे गेट तथा एक जु डला गेट पर स्थित हैं। इनमें सीवरेज डालने के लिये एक स्कीम विचाराधीन है। इनमें सीवरेज डालने के लिये भी हम काम करेंगे लेकिन फिलहाल इसके लिये पैसे उपलब्ध नहीं है।

श्री जय प्रकाशः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो लिस्ट हमें इन बस्तियों की सप्लाई की है, उसमें आज भी दो–तीन हरिजन बस्तियां इकक्यूडिड नहीं हैं। जैसे एक कैलेडर गेट पर है और दूसरी हांसी रोड पर है जिसको धक्का बस्ती भी कहते हैं। मैं मती जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या इन बस्तियों को भी यह सहूलियत देने के लिये इकल्यूड किया जोगा क्योंकि अभी तक इन बस्तियों के लिये कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। इन बस्तियों की हालत बहुत बुरी है। मेरा सरकार से यह कहना है कि इनकी तरफ भी वह ध्यान अवश्य दे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, 1981 में जब मैं मुख्य मन्त्री था, उस समय एक करोड़ 40 लाख 41 हजार की एक स्कीम सीवरेज की मन्जूर की गई थी। अभी मन्त्री महोदय ने बताया है कि उस स्कीम पर 75 प्रतिशत काम हो चुका है। उस समय 1981 में करनाल में बारह हरिजन बस्तियां थीं। एक बस्ती तो पहली वाली स्कीम में कवर कर ली गई, ग्यारह बाकी रहती हैं। स्पीकर साहब 64 लाख के करीब रुपया अब तक खर्च हो चुका है और हमारी कोशिश यही है कि जल्दी से जल्दी हरिजन बस्तियों में सारी सुविधायें दें। वहां पर सड्कों की सुविधा नहीं है, पानी की सुविधा नहीं है, बिजली की सुविधा नहीं है और सीवरेज की सुविधा नहीं है। इन सारी सुविधायों को देने का काम हम जल्दी ही टेक–अप करेगे। जैसा कि मैंने बताया है, एक करोड़ चालीस लाख इक्तालीस हजार रुपया जो मन्जूर किया गया था,

उसमें से लगभग आधा खर्च कर चुके हैं और अगर और रुपये की आवश्यकता हुई तो और भी स्पया देगे। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि पैसे की कमी रहती है। जैसे ही पैसा उपलब्ध होगा, हम हरिजन बस्तियों मे बहुत जल्दी ही सारी सुविधाए देने का प्रयत्न करेंगे।

साथी लहरी सिंहः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि सीवरेज सिस्टम को देने का क्या क्राइटेरिया है। मेरा एक सुझाव है कि जो गरीब म्युनिसिपल कमेटीज है, उनको प्राथमिकता के आधार पर सीवरेज की सुविधा देनी चाहिए।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, हम 'ए' क्लास कमेटीज को सीवरेज की सुविधा देते हें। रादौर काफा छोटी कमेटी है लेकिन हम ऐसी कमेटीज को भी सीवरेज की सुविधा देने पर विचार कर रहे हैं।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने बताया है कि 1981 में हरिजन बस्तियों में सीवरेज की सुविधा देने के लिए एक करोड़ चालीस लाख इक्तालीस हजार रुपए मन्जूर किये थे। अध्यक्ष महोदय, आज ग्यारह साल उस बान को हो गए है। क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि आज तक कितनी हरिजन कालोनीज में सीवरेज सिस्टम चालू हो गया है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मुश्किल यह है कि जब मैं मुख्य मच्छी था, उस समय जितना काम छोड़ कर गया था

वही पर काम रुक गया। हमने काम शुरू किया था उसके बाद बीच में इनका समय आ गया और इन्होंने कुछ भी काम नहीं किया था, जहां काम छोड कर गया था वही रूका रहा। अमर सिंह जी, पहले तो आप भी हमारे साथ थे आप सारी बातें जानते हैं। जब मैं दुबारा आया तो काम वहीं पर रुका पाया, अब हमने दुबारा काम शुरू किया है और हम पूरी कोशिश करेगे कि जल्दी हरिजन बस्तियों में सारी सुविधायें दें।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मन्त्री महोदय या मुख्य मन्त्री महोदय बताने को कृपा करेगे कि जो बडे–बड़े शहर हें और उनमें नए नगर बस रहे हैं या जो कस्वे हे और जो बड़े–बड़े कस्वे हैं, उनमें सीवरेज सिस्टम प्रोवाइड करने का भविष्य में सरकार का कोई विचार है या कोई प्लान हैं। अगर कोई प्लान है तो इसके लिए कितना समय निश्चित किया गया है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश पहला प्रान्त हुं जहां हर गांव के अन्दर पीने का पानी मुहैया किया गय। है। अगले साल का हमारा यह प्रोग्राम है कि जो बड़े–बड़े गांव हैं, जिनकी आबादी दस हजार से ज्यादा है या दस हजार है, उनमें सीवरेज सिस्टम प्रोवाइड करेंगे और सीवरेज. सिस्टम के साथ साथ भरी नं टूटी का भी प्रबन्ध करेगे। स्पीकर साहब, अगर आज हम टूटी दे दें और सिवरेज न हो तो गांव में मच्छर और बीमारियां फैल जाएंगी इसलिये हम दोनों ही चीजें देंगे। आने वाले समय में जो बडे–बड़े शहर है, कलास 'ए' कलास, 'बी' और

कलास 'सी' सिटी हैं, उनमें भी सीवरेज स्कीम पूरा करेंगे और रोहतक जिले में तथा सोनीपत जिले में बहुत बड़े–बड़े गांव है, वहां भी हम पीने के पानी तथा सीवरेज का प्रबन्ध करेंगे।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने बताया है किं अगले साल सीवरेज सिस्टम बड़े शहरों तथा कस्बों में देने की प्रोपोजल है। रतिया बीस हजार की आबादी का कस्बा है, तहसील है और वहा पर हरिजन और बैकवर्ड आबादी काफी है। क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि रतिया कस्वे को प्राथमिकता देकर सीवरेज सिस्टम देने का कष्ट करेगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, रतिया की बाबत चौधरी पीर चन्द ने कह दिया लेकिन मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि अगने साल से हम अप्रैल से इस मामले को टेक–अप कर रखे हैं। जो 'सी, क्लास मारकिट कमेटीज हैं', म्युनिसिपल कमेटीज है उनमें बहुत सी जगह पर ऐसी व्यवस्था नही है और उसमें रतिया का नाम भी शामिल है। लेकिन मैं अभी यह नहीं कह सकता कि रतिया के अन्दर कब सीवरेज चालू करेगे, पर मैं पीर चन्द जी को यह बता देना चाहता हूं कि जितना ध्यान इनको रतिया का है, उतना हमें भी है। रतिया के बारे में ये चिन्ता न करें।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने जवाब देते समय यह कह दिया कि यह स्कीम 1981 में

इनकी सरकार ने शुरू की थी और हमारी सरकार ने रूला दी। यह काम बीच में ही ठप्प हो गयो और फिर इनकी सरकार ने आकर इसको चालू करवाया। यह बिल्कुल इनकी बात निराधार हैं। मैं आपके माध्यम से इनसे यह जानना चाहता हं कि क्या ये बताएंगे कि ईयरवाइज इन्होंने करनाल की बस्तियों में सीवरेज सिस्टम के लिये कितना खर्च किया है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि स्कीम 1981 में हमने मन्जूर की थी और काम भी शुरू करवाया था। अगर ये लोग काम करवाते तो 12 सालों तक कोई काम तो वहां पर होता, काम बीच में ही क्यों रह जाता? इस बात की पब्लिक भी गवाह है। लोकल एम० एल० ए० भी इस बात के भलीभांति जानते है कि आपकी सरकार ने यह सारा काम बीच में ही छोड़ दिया था जोकि हमने आकर शुरू करवाया।

श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने बार–बार इस सदन के अन्दर इस बात को दोहराया है कि हरियाणा प्रान्त के अन्दर कोई भी ऐसा गाव शेष नहीं बचा है जहां पीने के पानी की व्यवस्था सरकार द्वारा न की गई हो। यह हाउस को इस तरह से ..... बोलकर गुमराह कर रहे हैं। मेरे हल्के के गांव बदाना मे अब तक पीने के पानी की कोई व्यवस्था नही है। इन्होंने जो इस तरह का व्यान दिया है, वह गलत है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं अब भी कहता हूं कि हमने हरियाणा प्रान्त के अन्दर सभी गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था कर रखी है। अगर कोई गांव रैवेन्यू रिकार्ड में आता है और वहां पर पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है तो ये हमें लिखकर दें, हम दिखवा लेंगे। (शोर)

श्री अध्यक्षः कृष्णलाल जी, आप बैठिये। आप केवल आलोचना कर रहे है या यह चाहते हैं कि आपके गांव में पीने का पानी आये?

श्री कृष्ण लालः स्पीकर साहब, ये गलत बात कह कर हाउस को गुमराह कर रहे हैं।

श्री अध्यक्षः इसका तरीका यह है कि आप बाकायदा इनको लिखकर दें ' इस तरह आलोचना नही करनी चाहिये। चुपचाप काम नही हुआ करते। लिखा–पढ़ी करनी चाहिये। आप इन्हे सारे फैक्ट्स लिख कर भेजें।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद)ः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमन्त्री महोदय ने बार बार सदन में कहा कि आज के दिन हरियाणा प्रान्त के अन्दर कोई गांव ऐसा नहीं है जहां पीने के पानी की व्यवस्था न हो, चलो हम मान लेते है। कोई एक आध नही मानते तो कोई बात नही लेकिन मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या ढाणियां भी इसमें शामिल हैं? क्या ये मानते हैं कि ढाणिया भी इसमें आती हैं, विशेष रूप से हिसार से सिरसा की ओर जब आप आएं तो

रास्ते में बहुत सी ढाणिया हैं। वहां पिछले दो साल तक बिजली नही पहुंच पाई थी अब शायद पहुंचा दी गई हो। तीसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि आज से 15– 20 साल पहले जहां पीने के पानी का इन्तजाम किया गया था, अब उन गांवों या शहरों की आबादी उस समय से डेढ़ या दो गुना' हो गई है। अब वहां पर पानी की कमी के कारण हाहाकार मची हुई है। मै जानना चाहता हूं कि ऐसे गांवों के वाटर टैक्स के। कब तक आगुमैंट कर दिया जाएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बिल्कुल ठीक कहा है कि दो साल पहले कुछ नहीं हुआ शा। हमारी सरकार को आए दो साल से कम हुए हैं। हमने पानी के मामले में पूरी कोशिश की है कि हर गांव में पहुंचा दिया जाए। कोशिश ही नही की बल्कि हर गांव जो रैवेन्यू रिकार्ड में है, वहां पर पीने का पानी पहुंचाया भी है। जहां तक ढाणियों का ताल्लुक है, बहुत से लोग आज कल खेतों में रहने लगे हैं। इसमें दिक्कत यह है कि वाटर वर्कस से जो पाइप की बड़ी लाइन दूसरे गांवों में जाती है, वहां तक पानी का प्रैशर नही पहुचता। कुछ जगहों पर हमने ढाणियों में भी पानी दिया है। जहां पर एक ही लाइन में 400– 500 ढाणी हों, वहां हमने पीने का पानी दियां है। इस साल इस काम के लिए हमारे पास 39 करोड रुपए का प्रावधान णै और अगले साल के लिए हमने 42 करोड रुपए का प्रावधान किया है ताकि प्रदेश मे ज्यादा से ज्यादा पीने का पानी मुहैया करवाया जा

सके। 15–20 साल पहले, 15– 20 गैलन प्रति व्यक्ति के हिसाब से योजना बनाई गई थी लेकिन अब आबादी दुगना हो गई है, इसलिये पानी की अधिक आवश्यकता है। इसी तरह सीवरज के लिए जहां इरा साल दो करोड़ रुपए का प्रावधान था, वहां अगले साल के लिए हमने चार करोड रुपए का प्रावधान किया है।

Expenditure incurred on Chairman

***322. Shri Amar Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the monthwise total expenditure incurred on account of bills of Telephones, TA/DA and residential accommcdation of the present Chairman of the Haryana State Agricultural Marketing Board from the date of his appointment todate ?

Agriculture Minister (Shri Ha rpal Singh) : A statement is placed on the table of the House.

Statement

As per the terms and conditions of appointment, free furnished accommodation is provided to the Chairman, by the Haryana State Agricultural Marketing Board.The month-wise expenditure incurred on telephone and T.A./D.A. since appointment of the present incumbent is given as under :

Month/Year	Expenditure on Telephone	Expenditure on TA/DA
1	2	3

9/91	5,158.00	800.00
10/91		1,000.00
11/91	12,854.00	1,000.00
12/91		800.00
1/92	17,740.00	1,000.00
2/92		
3/92	23,651.00	
4/92		
5/92	10,973.00	800.00
6/92		1,000.00
7/92	11,666.20	1,000.00
8/92		1,000.00
9/92	16,714.00	
10/92	5,676.00	
Total	Rs. 1,04,432.20	8,400.00

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, 8 महीने का टेलीफोन का खर्चा 1,04,432.20 रुपए है और इसमें हर महीने के खर्चे में वेरिएशन है। मैं जानना चाहता हूं कि यह कोई प्राईवेट फर्म है या चेयरमैन का आफिस है? क्या इस पर कोई लिमिटेशन लगाने का प्रावधान है?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होंने स्टेटमैंट को अच्छी तरह से नहीं देखा। यह बिल 8 महीने का नहीं बल्कि 16 महीनों का है। क्योंकि माकिंटिंग बोर्ड की एक्टीविटीज काफी बढ़ी हैं इस लिए उस हिसाब से यह बिल ज्यादा नहीं है और जस्टीफाइड है।

Construction of another Water Works at Bhiwani City

***341. Shri Ram Bhajan Aggarwal :** Will the Minister for Public Health be pleased to state -

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct another Water Works for Bhiwani City ; and

(b) if so, the time by which it is likely to be completed ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह):

(क)जी नहीं।

(ख)प्रश्न ही पैदा नही होता।

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या भिवानी में पहले कोई वाटर सप्लाई स्कीम बनाने की प्रपोजल थी, अगर थी तो उसको ड्रौप क्यों कर दिया गया? इसके साथ साथ मैं यह भी जानना

चाहता हूं कि भिवानी वाटर सप्लाई टैक की कितनी कैपेसिटी है और वहां पर–हैड पानी सप्लाई करने के क्या नार्म्ज हैं?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, भिवानी में पहले वाटर सप्लाई स्कीम बनाने की कोई प्रप्रोजल नहीं थी जिसको बाद में बन्द कर दिया गया हो। भिवानी में प्रति व्यक्ति 40 गैलन पानी सप्लाई किया जा रहा है और उस वाटर सप्लाई स्कीम के टैक की कैपेसिटी 8 करोड़ गैलन पानी की है।

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, जो बहुत पुरानी वाटर सप्लाई स्वामि हैं, उनके पाइप जंग लगने के कारण या किसी दूसरे कारण से फट गए हैं और उनमें बाहर का गंदा पानी शामिल हो जाता है। उस पानी को पी कर लोग बीमार हो जाते हैं। गक बूढेखेड़ा गांव है, जहां पर बहन करतार देवी गई थी। वहां की वाटर सप्लाई स्कीम की पाईप लाईन बहुत पुरानी है और कई जगहों से फट चुकी है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उस वाटर सप्लाई स्कीम की पाईप लाईन को बदलने का सरकार का कोई विचार हे?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, अगर कहीं से इस तरह की शिकायत आएगी तो उस पर जरूर गौर किया जाएगा। अगर कहीं पर पाईप लाइन टूटी हुई है और उसमें बाहर का गन्दा पानी आता है तो उसको जरूर बदला जाएगा।

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मैली जी से जानना चाहता हूं कि जहां पर पीने के पानी की कमी है, क्या वहां ट्यूबवैल के माध्यम से पीने का पानी सप्लाई करने की सरकार की कोई योजना है, अगर है तो वह किस स्टेज पर है?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, जहां पर मीठे पानी की कमी है बहा पर ट्यूबवैल के माध्यम से पानी सप्लाई करने के बारे में जरूर गौर किया जाएगा।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भिवानी शहर की टोटल आबादी कितनी है और वहां पर प्रति व्यक्ति कितने गैलन पानी दैने के नार्म हैं?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, भिवानी शहर की टोटल आबादी 1 25 लाख है और वहां पर 40 गैलन प्रति व्यक्ति पाना देने के नार्म हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बताएंगे कि भिवानी शहर की आबादी के अनुसार वहां पर वाटर सप्लाई स्कीम के टैंक में पानी की माता काफी है। क्या मंत्री जी ने पिछले साल छः महीने में जांच करवाई है कि उसमें वहां की आबादी के मुताबिक पानी की मात्रा ठीक है?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, हमारे ख्याल से तो वहां पर पानी की माला ठीक है, अगर वहां से कोई शिकायत आएगी तो उस पर जरूर गौर किया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या इस बारे में आपने जांच करवाई है?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): बहन जी, आप भी भिवानी जिले से ताल्लुक रखती हैं, चौधरी अमर सिंह जा भी वहीं से ताल्लुक रखते हैं और चौधरी बंसी लाल जी भी वही के हैं। बहन जी, इसमें दिक्कत यह है कि जब कोई स्कीम बनाई जाती है तो उस समय कम से कम 50 साल आगे की सोच कर बनानी चाहिए लेकिन उस समय चौधरी बंसी लाल जी ने वह स्कीम बनाई थी। वह क्या स्कीम बनी जिसमें 10 साल के अन्दर ही पीने के पानी की दिक्कत हो जाए? उस समय इस बारे में सोच कर स्कीम बनानी चाहिए थी। इस वक्त भिवानी वाटर सप्लाई स्कीम' के टैंक की 8 करोड़ गैलन पानी की कैपेसेटी है। हम उपकी 2 करोड़ 10 लाख गैलन पानी की कैपेसिटो और बढ़ाने जा रहे हैं। काम स्टार्ट कर दिया है। उसकी कैपेसिटी बढ़ाने पर लगभग 50 लाख रुपए खर्च करेंगे। इस समय वहां 40 गैलन प्रति व्यक्ति पानी मिलता है। जब उसकी कैपेसिटी बढ़ा दी जाएगी तो उस समय 50– 55 गैलन प्रति व्यक्ति पानी मिलने लग जाएगा। सारे प्रदेश के लोग चाहते है कि उनके यहां भी प्रति व्यक्ति ज्यादा गैलन पानी देने के नार्म हों। सारे लोग यही चाहते हें कि उन्हें 110 गैलन के हिसाब से पानी

मिले। अगर हम एकदम सभी वाटर सप्लाई स्कीमों की कैपेसिटी बढ़ाने लग जाए तो सारा पैसा कुछ ही जगहों पर खर्च हो जाएगा। इस समय अगर कहीं पर 20 गैलन प्रति व्यक्ति पानी मिलता है तो वह चाहता है कि उसे 40 गैलन के हिसाब से पानी मिले। हम चाहते हैं कि जहां पर 20 गैलन प्रति व्यक्ति पानी मिलता है वहां 40 गैलन के हिसाब से मिले और जहां पर 40 गैलन के हिसाब से मिलता है वहां पर 50 या 60 गैलन के हिसाब से पानी मिले लेकिन यह काम एकदम नही हो सकता। अगले साल भिवानी वाटर सप्लाई स्कीम के पानी के टैक की कैपेसिटी बढ़ाने के लिए हम 50 लाख रुपए खर्च करेंगे। उसके बाद वहा पर लोगों को पीने के पानी की दिक्कत नहीं रहेगी।

Installation of Tubewells for Drinking Water purposes

***355. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister for Public Health be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to instal more tubewells in the following colonic s of Palwal City:—

(i) Inderpuri Mohalla ;

(ii) Nangla Gulab Singh Saini ;

(iii) Krishna Colony ;

(iv) Shiv Colony Railway Road ;

(v) Shekhipura

(vi) Mohalla Jaindi-pura, Kasba Mohalla ;

(vii) Krishna Colony Railway Road Dev Nagar Colony; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialised ?

जन स्थास्थ्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह):

(क)जी नहीं।

(ख)प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि पलवल शहर की आबादी दो लाख से ज्यादा है। जिन जिन कालोनियों के नाम मैंने अपने सवाल में दिए हैं उनमें पीने के पानी की बहुत भारी समस्या है। मंत्री जी ने जवाब तो दे दिया कि टयूबवैल लगाने का कोई विचार नहीं है। यदि ये टयूबवैल्ज वहां पर नहीं लगाएंगे तो फिर उन लोगों को पानी कैसे पहुंचाएंगे? अध्यक्ष महोदय, दूसरा मेरा सवाल यह है, जिस बारे में मैंने पिछले सैशन में भी कहा था, कि वहां पर वाटर पाईप और सीवरेज पाईप टूटने के कारण सीवरेज पाईप का गन्दा पाना पीने के पानी में मिल जाता है जिस के कारण पीने का पानी भी खराब होता है और लोगों को बिमारिया भी होती हैं। क्या ऐसे पाईप्स कों बदलने का सरकार का विचार है, यदि है तो कब तक बदल देंगे? उस समय हाउस के नेता ने यह कहा था कि

जहां जहां पर सीवरेज का पाईप टूटा हुआ पाया जायेगा उसको ठीक करा दिया जायेगा। वे अभी तक ठीक नहीं हुए हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि लोगों को पीने का गन्दा पानी न मिले, सरकार इसके लिए कोई कदम उठा रही है?

श्री निर्मल सिंहः जहां–जहां कमी हुमारे नोटिस में आयेगी या माननीय सदस्य लायेगे, वहां पर हम अवश्य कार्यवाही करेंगे। जिन कालोनियों का ये जिक्र कर रहे हैं, वहां पर भी पीने के पानी का इन्तजाम करेगे।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने सवाल में पिछले सैशन का जिक्र कर दिया कि हाउस के नेता ने यह कहा था कि सीवरेज के पाईप्स को ठीक करवा देंगे। मैं इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि शायद इनको इस बात का पता नहीं कि वहां पर क्या काम हो रहा है और क्या नहीं हो रहा। ये अपने हल्के में रहने की बजाये, लगता है बाहर ज्यादा रहते हैं। मैं इनकी जानकारी में लाना चाहता हूं कि वहां पर दो टयूबवैल्ज लग चुके हैं और एक लगने जा रहा है। अब तक वहां पर 45 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। मैंने वहां से चुनाव लड़ा हुआ है और वहां के लोगों के पीने के पानी की दिक्कत का पता है। ये जो टयूबवैल्ज लग चुके हैं और जो लगने जा रहा है, इनके सबके चालू होने पर वहां पर पीने के पानी की समस्या का हल हो जाएगा। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल: आप कह रहे हैं कि वहां पर टयूबवैल्ज लगा दिए गए हैं जबकि आपके मंत्री जी मेरे सवाल के जवाब में कह रहे है कि टयूबवैल लगाने का कोई विचार नहीं है। अब इनमें से आपकी बात ठीक मानें या मली जी की बात?

चौधरी भजन लाल: हमने जो काम किया है, वह आपको बता रहे हैं।

Cases of Murder, Abduction and Rape registered in the State

***337. Shrimati Chandrawati :** Will the Chief Minister be pleased to state the district-wise number of cases of murder, abduction and rape registered in the state during the period from December, 1991 todate separately ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): एक विवरण–तालिका सदन की मेज पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

जिला	हत्या शीर्ष के अधीन दर्ज अभियोगों की संख्या	अपहरण शीर्ष के अधीन दर्ज अभियोगों की संख्या	बलात्कार शीर्ष के अधीन दर्ज अभियोगों की संख्या
1	2	3	4

अम्बाला	31	5	11
यमुनानगर	12	16	13
कुरुक्षेत्र	20	8	23
कैथल	26	5	7
हिसार	77	44	11
सिरसा	54	24	10
भिवानी	33	19	10
जींद	37	6	19
गुड़गांव फरीदाबाद	42	31	13
नारनौल	57	51	34
रिवाड़ी	15	11	5
रोहतक	16	13	4
सोनीपत	65	21	20
करनाल	44	15	21
पानीपत	40	19	26

टोटल	30	24	17
यमुनानगर	599	312	244

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, बहन जी के जवाब में मुख्य मुख्य मती जी ने बताया है कि दिसम्बर 1991 से लेकर आज तक हत्या के 599, अपहरण के 312 और बलात्कार के 244 मुकदमें दर्ज हुए है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पिछले साल के मुकाबले, यानि इन फिगर्ज से पहले साल के मुकाबले केस अधिक दर्ज हुए हैं या कम दर्ज हुए हैं? दूसरे इन में से कितने लोगों के खिलाफ मुकदमा चला, कितने बरी हुए और कितनों को सजा हुई, क्या यह बता सकेंगे?

चौधरी भजन लालः जो सवाल आपने पूछा है उसका जवाब जरूर देंगे। यह बात तो ठीक है कि 1– 12 – 1991 से लेकर आज तक, यानि एक साल में हमारे समय में हत्या के 599 मुकदमें दर्ज हुए जबकि इनके राज में एक साल में 575 दर्ज हुए थे। हमारे राज में ज्यादा दर्ज मुकदमे इसलिये हुए हे कि. हम सभी लोगों की एफ० आई० आर० दर्ज करते हैं जबकि इनके राज में मुकदमें दर्ज होते ही नही थे। हमारी सरकार आज गरीब से गरीब आदमी के केस दर्ज कर रही है जबकि इनके राज में ऐसा नहीं था। इनके राज में तो इन्होंने कुछ लोगों को ही लाईसेंस दे रखे थे। स्पीकर साहब, ग्रीन ब्रिगेड के नाम पर जो लोग गुनाह

करते थे, इन लोगों ने उनको खुली छुट्टी दे रखी थी (विष्य)हमारे राज में ऐसा नहीं है। चाहे कांग्रेस वर्कर ने कोई गुनाह किया है या किसी और ने गुनाह किया है, उनके खिलाफ केस दर्ज हुए हैं, इनकी तरह नही कि केस दर्ज ही नहीं किया। यही कारण है कि रजिस्टर्ड केसिज की संख्या कुछ ज्यादा है। जहां तक केसों के चालान का ताल्लुक है या सजा दिलाने की बात है, जितने केसिज हुए है जमानत कितनों की हुई, उनमें से बहुत थोड़े केसिज ऐसे हैं जो अन–ट्रेसेबल रहे है। आपकी तरह से नहीं किया कि मुजरिमों को पकड़ा ही नही, हमने पूरी कार्यवाही की है। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंहः अभी जो मुख्य मंत्री जी ने फरमाया कि पहले केसिज रजिस्टर्ड नहीं होते थे और फिर लम्बी लिस्ट की बात की। स्पीकर सर, क्राईम के केसिज बाकायदा रजिस्टर्ड होते रहे हैं और हम केसिज को रजिस्टर करते रहे हैं। मैं मुख्य मन्त्री महोदय से कैटेगोरिकली एक सवाल पूछना चाहता हूं। नवम्बर नहीने में गुड़गांव के अर्जुन नगर के गवर्नमैंट सीनियर सैकेण्डरी गर्ल्स स्कूल की 10 जमा 2 की एक लड़की के साथ उस स्कूल के टीचर ने बलात्कार किया। स्पीकर साहब, उस टीचर को डिपार्टमैंट ने सजा के तौर पर सस्पैडं किया और उसका हैडक्वार्टर मोरनी हिल्ज में रखा। (विघ्न) उस टीचर के खिलाफ बलात्कार का केस दर्ज क्यों नहीं किया गया?

स्थानीय शासन राज्य मन्त्री (चौ० धर्मवीर गाबा)स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा

वह मेरी कान्स्टीच्यूएंसी का मामला है (विघ्न) जहां तक उस टीचर की ट्रांसफर का ताल्लुक है, मेरी रिक्वैस्ट पर एजुकेशन मिनिस्टर ने उसकी ट्रांसफर की थी। हमें यह पता नहीं कि बलात्कार हुआ या नहीं। हमारे पास कोई गवाह नही। कोई व्यक्ति ऐसा कहने को तैयार नहीं कि बलात्कार हुआ है। मेरी कान्हीच्यूएंसी का मामला है मैं डी० ई० ओ० से मिला। बहा तक कि लड़की के मां–बाप भी कहने को तैयार नहीं कि बलात्कार हुआ (विघ्न) हमने उस टीचर की ट्रांसफर इसलिए की ताकि स्कूल के दूसरे टीचर्ज और स्टुडैट्स में कोई ऐसी भावना न बने और स्टुडैट्स में कोई डर की भावना न रहे। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जब केस रजिस्टर्ड ही नहीं किया तो इसका यह मतलब तो नहीं कि उसने क्राईम ही नहीं किया? उसने क्राईम किया और ये. उसको बचाना चाहते हैं (विघ्न) स्पीकर सर, मन्त्री जी खुद दबाव डालते हैं। इन्होंने कहा कि कार्यवाही की और टीचर को सस्पैड किया। स्पीकर साहब, दरखास्त देने वाला कोई नही। क्या मन्त्री महोदय इस पर प्रकाश डालेंगे कि उसको ट्रांसफर और सस्पैंड क्यों किया गया और उसके खिलाफ केस दर्ज क्यों नही किया? अभी चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया कि हमने कोई ऐसा केस नही छोड़ा जो रजिर्स्ट्ड न हुआ हो। जब कोई केस ही नही था तो ट्रांसफर और सस्पैशन क्यों हुई? स्पीकर साहब, सस्पैशंन कोई पनिशमैट नही है। (विघ्न एवं शोर)

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा): स्पीकर साहब, जब कोई कम्पलेनेन्ट न हो तो एफ० आई० आर० कैसे दर्ज हो सकती है? स्पीकर साहब, मेहम में जब इनके साथ हाथा–पाई हुई थो तो क्या इन्होंने कोई केस दर्ज करवाया था? जब तक कोई कम्पलेनेट नहीं होता तब तक एफ० आई० आर० लौज नहीं करवाई जा सकती। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, आप बैठिये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह काफी सीरियस मामला है और मेरे ध्यान में यह मामला पहले नहीं आया था, न हीं किसी ने शिकायत की। अगर कोई शिकायत करता शै तो ही एफ० आई० आर० दर्ज होती है, उसके बाद ही कार्यवाही होती हे। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को विश्वास दिलाता हूं कि हम इसकी कल तक जांच करवाएंगे। यह सदन 24 तारीख तक चलेगा तब तक मैं कार्यवाही करवा कर, जो भी इसमें दोषी होगा, उसको सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

Providing Road to vllage Baund Khurd

***331. Prof. Chhattar Singh Chauhan :** Will the Minister for **P.W.D. (B&R)** be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to link the village Baund Khurd, Tehsil Dadri District Bhiwani with the metalled road ;.and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likelty to be materialised ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी)

(क)जी, हां।

(ख)गांव बोन्द खुर्द को पक्की सड़क से जोड़ने का प्रस्ताव दिनांक 2– 12– 1992 को अनुमोदित किया जा चुका है और इसे प्रक्रियाएं पूर्ण करने के उपरान्त अगले वर्ष में शुरू कर दिया जाएगा।

प्रो० छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष– महोदय, मुख्य मंत्री जी ने इसी सड़क का जिक्र पिछले सैशन के दौरान भी किया था और कहा था कि 31 मई तक सड़क बन जाएगी। मैं मली जी से यह जानना चाहता हूं कि बोन्द खुर्द की जो सड़क है, इसकी लम्बाई कितनी है और इस पर कितना खर्चा आएगा?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, यह बन्द–खुद गांव, दादरी रोहतक राजमार्ग पर स्मित है और रणपौली के दाहिनी ओर है। इन गांवों की फिरनियां आपस मे मिलती हैं। इन परिस्थितियों में यह समझ लिया गया था कि यह गांव पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है। परन्तु अब हमने गांव वालों के अनुग्रह पर, न कि विधायक के अनुग्रह पर, सड़क के निर्माण की सोची है। इस सडक को बनाने पर हरियाणा सरकार से 2 लाख 2 हजार 4 सौ रुपये की मंजूरी मिली है और यह मजूरी 2– 12–92 को

मिली है। इस सड़क की लम्बाई 0.46 किलोमीटर है। इस सडक पर काम अभी शुरू नहीं हुआ है और अगले साल जून में यह काम शुरू कर देंगे।

चौधरी सूरज भान काजलः अध्यक्ष महोदय पिछले बजट सैशन में मुख्य मंत्री जी ने यह आश्वासन दिया था कि 'मेरी प्लेन के थू सारे गांव सड्कों से जोड़ दिए जाएंगे'' लेकिन अध्यक्ष महोदय, रामगढ़ ढानी एक ऐसा नाव है जिसको आज तक सड़क नहीं मिली है और मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि जल्दी ही वे सड़कें बनवा दी जायेगी। क्या मैली जी बंतायेगे कि यह सड़कें कब तक बन जायेंगी?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मेरे साथी मैम्बर ने बताया कि' पिछले सैशन में मुख्य मन्त्री जी ने सड़कों के बारे में कहा था कि सड़कें सारे प्रदेश में बना दी जायेगी। इस बारे में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि अब प्रदेश में केवल सात ही सड़कें–छोटी बड़ी ऐसी है जो मुख्य सड्कों से नही जोड़ी गया हैं। इसकी वजह यह है कि या तो वहां पर 250 से कम की आबादी है या कहीं कहीं पर मुकदमें भी चल रहे हं जिनके कारण ये सड़के अभी तक नहीं बन पायी हैं। इसके अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में भी सात ऐसी सड़कें है जिनको आसानी से पूरा नहीं किया जा सकता। अध्यक्ष महोदय, ये सड़कें भी हम अगले माल में बना देंगे।

Building of Ratia Police Station-

***332. Shri Pir Chand :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the present building of the Police Station, Ratia is unsafe ; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the new building of Police Station during the current financial year ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): हां, पुलिस स्टेशन रतिया के नये भवन के निर्माण हेतू प्रस्ताव अगले वर्ष विचाराधीन होगा अगर धन राशि उपलब्ध होगी।

श्री पीर चन्द: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने अपनी रिप्लाई में लिख दिया है कि रतिया के पुलिस स्टेशन के नये भवन का निर्माण अगले वर्ष धनराशि उपलब्ध होने पर होगा। अध्यक्ष महोदय, यह पुलिस स्टेशन काफी जर्जर हालत में है जिसके कारण वहां पर कार्यरत कर्मचारियों को दुर्घटना का खतरा है। ये भी तो आखिरकार सरकार के ही आदमी हैं, इसलिये सरकार को इस बात का भी अन्दाजा होना चाहिये। मै मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस पुलिस स्टेशन के निर्माण में कितने रुपये लगेगे तथा क्या अगले साल शुरू के एक या दो महीने के अन्दर ही इस पुलिस स्टेशन का निर्माण प्रारम्भ कर दिया जायेगा?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जब पहले हमारी सरकार थी तो पीरचन्द जी के कहने पर ही हमने बाकायदा इस पुलिस स्टेशन का सर्वे पी० डब्ल्यू० डी० से करवाया था। 1983 में पी० डब्ल्यू० डी० ने सर्वे करने के बाद यह कहा था कि वाकई इस

पुलिस स्टेशन की हालत खराब है। उसके बाद इसकी जमीन बगैरह भी ऐक्वायर हो गयी थी लेकिन बाद में किसी ने भी उसको नही देखा। अब हमने ऐसे पुलिस स्टेशन और अस्पताल जिनकी हालत खस्ता है, ठीक नहीं है को अगले साल बनाने का निर्णय लिया है। अध्यक्ष महोदय साधनों की कमी होने के कारण सब काम. एक साथ नही हो सकते। अध्यक्ष महोदय, 29 पुलिस स्टेशन ऐसे हैं जो बनाने पड़ेगे। मैं उनके नाम भी बता देता लेकिन समय ज्यादा लगेगा। इसलिये जहां तक रतिया पुलिस स्टेशन का तालुक है वह हम अगले साल में बना देंगे।

Construction of Grain Market at Rajaund

***348. Shri Ram Kumar Katwal : Will** the Minister for Apiculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Grain Market at Rajaund ; if so, the time by which it is to be constructed

Agriculture Minister (Shri Harpal Singh) : No, at present there is no proposal under consideration to upgrade the Grain Market at Rajaund.

श्री राम कुमार कटवालः अध्यक्ष महोदय, मेरे टोहाना में मेरा कितना बडा जलसा हुआ था, कही इसकी वजह से तो इस अनाज मंडी का निर्माण नहीं किया जा रहा है। क्या मन्त्री जी बताएंगे कि राजोंद में अनाज मंडी कब तक बनकर तैयार हो जायेगी?

श्री हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह टोहाना का सवाल नही है। ऐसे जलसों से फैसले लेने पर कोई असर नहीं पड़ता। अध्यक्ष महोदय, यह राजौंद परचेज सैन्टर 1984–85 में बनाया गया था। उस समय इस अनाज मंडी में अनाज थोड़ा आता था जबकि कंडीशन के अनुसार एक लाख क्विटल से ज्यादा अनाज आना चाहिये थो। ये वहा पर ऐक लाख क्विटल अनाज पूरा नही कर सके। अरब इनको एक लाख क्विटल अनाज लाने की हिम्मत करनी चाहिए सर हम इसको अगले साल ऐग्जामिन करके देख लेगे।

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राजौंद में गेहूं कितनी आई है?

श्री हरपाल सिंहः राजौद में वर्ष 1990– 91 में 83 हजार क्विंटल पिछले साल 62 हजार क्विटल और इस साल 70,564 क्विंटल फूड ग्रेन आई है। एक लाख पूरा करने पर हम इसको एग्जामिन करेंगे।

Feeders in 132 K.V. Power Station

***377. Shri Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of Feeders provided/installed in the 132 K.V. Power Station at Assand ; and

(b) the number of Feeders out of those as referred to in part (a) above, are working as at present. ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(ए)132 के० वी० का उपकेन्द्र असन्ध में इसी साल चालू किया गया एण्ड है और इससे पहले 33 के० वी० का एक उपकेन्द्र पहले से चालू (बी)है। 132 कें० वी० में से पांच फीडर 11, 11 के० वी० के निकाले गए है और यह चालू हैं। दो और 11, 11 के०वी० के निर्माणाधीन हैं।

श्री कृष्ण लालः स्पीकर सर, मैंने मुख्य मन्त्री महोदय से अपने सवाल में यह पूछा था कि अंसध में कितने फीडर लगाने का प्रावधान है और कितने लग गए न कि यह कि कितने 11 के० वी० फीडर निर्माणाधीन हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये तो समझे नहीं, मैंने समझाने की कोशिश तो की है। (शोर)

श्री कृष्ण लालः इस मामले में मुझे आपसे के .... ज्ञान है, मैं इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड में ग्यारह साल रह चुका हू (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः ये क्या कहते है, क्या बोल रहे हैं कुछ सुनाई नहीं दिया नहीं तो थोड़ा बहुत जवाब देना तो आता है।

श्री अध्यक्षः ये बिजली के महकमे' में रह चुके हैं इसलिये इनको इस महकमे के बारे में नोलेज है।

चौधरी भजन लालः रह चुके हैं तो कौन से चीफ इंजीनियर रह चुके हैं। मैं तो एक ही बात कहता हूं कि ठीक बात करोगे तो ठीक जवाब देंगे। अध्यक्ष महोदय मैंने इनको अभी बताया था कि असंध के एरिया में सात 11– 11 के० वी० के सब–स्टेशन लगाने थे, इनमें से पांच तो चालू हो गए है एवं शेष दो निर्माणाधीन हैं जिनको हम 3– 4 महीने में कंपलीट कर देगे और ये चालू हो जाएंगे।

श्री अध्यक्षः यह जो फालतू का शब्द इस्तेमाल किया है इसको निकाल दें।

श्री राम पाल सिंह कंवरः मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो पांच फीडर चालू हुए हैं उनके एरिये का तो मालम हो गया लेकिन जो दो फीडर चालू होने है, उनमें कौन–कौन सा एरिया कवर किया जाएगा, मैं यह जानना चाहता हूं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ज्वाला, चोचरा, रतक, खिजराबाद थाल गांवों में फीडर चालू हो गए हैं। दो अभी तक चालू नहीं किए गए हैं। पोल व खंभे गाड़ दिए गए हैं, बहुत जल्द इनको कम्पलीट कर देंगे। जहां तक सवाल है कि इसमें कौन सा एरिया शामिल होगा, फीडर जब चालू होगा ता देखना पड़ेगा कि कौन सा एरिया कितने टयूबवैल्ज में कवर हो सकता है उसी के मुताबिक कवर किए जाते हैं।

Illegal Possession of Panchayat Land

***389. Shri Ramesh Kumar :** Will the Minister for Development and Panchayat be pleased to state-

(a) whether any complaint in regard to the illegal possession of panchayat land of village Malikpur (Singhpura) Block Thanesar, District Kurukshetra by the Sarpanch of the said village has been received by the Government during the month of October/November, 1992 ; and

(b) if so, the-details thereof together with the action taken thereon ?

विकास मन्त्री (राव बंसी सिंह):

1 जी, हां।

2. एक शिकायत पत्र श्री गुरनाम सिह सरपंच ग्राम पंचायत मलिकपुर (सिंगपुरा)के विरुद्ध निदेशक पंचायत के कार्यालय में दिनांक 16– 11– 92 को प्राप्त हुआ था। शिकायतकर्ताओं ने सरपंच के विरुके आरोप लगाये हुं कि सरपंच ने पंचायत की गलियों के निर्माण तथा स्कूल भवन बनाने के कार्र्यो के दौरान राशि का गबन किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरपंच ने खसरा न० 618 जो कि आबादी देह है, पर अपने भाई भतीजों का नाजायज कब्जा करवा दिया है। निदेशालय के एक अधिकारी को सरपंच के विरुद्ध शिकायत की जांच करने के लिये आदेश दिए गए है। रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात उपयुक्त कार्यवाही की जायेगी।

Mugal Drain

***324. Shri Jai Parkash :** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that the Old Mugal Drain passing through Sector-13 of Urban Estate, Kama) is proving health hazard to the residents of the area; and

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether there is any proposal under consideration of the Government to fill-up the above said drain and to use the said land for some other beneficial purposes; if so, the details thereof ?

स्थानीय शासन राज्य मन्त्री (चौधरी धर्मवीर गाबा):

(क)हां।

(ख)इस नाला को विकसित करके व्यवसायिक रूप में प्रयोग में लाने हेतु राज्य सरकार द्वारा 11. 46 करोड़ रुपये की एक परियोजना हाल ही में अनुमोदित की गई है।

श्री जय प्रकाशः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि 11 करोड़ 46 लाख रुपये जो इन्होंने खर्च करके यी काम करना है, यह कब तक पूरा हो जायेगा?

चौधरी धर्मवीर गाबाः स्पीकर साहब, यह स्कीम 18– 6– 1992 को पास की गयी थी। 6 महीने के अन्दर अन्दर हमने टैन्डर भी कात कर लिये है। कुछ ही दिनों के बाद यानी आज से 8– 9 दिन बाद 30–12– 1992 को टैन्डर खुलने वाले हैं। टैन्डर खुलने के 18 महीने के अन्दर अन्दर हम इस स्कीम को पूरा करने का प्रयास करेंगे

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है कि शहरों के माथ–साथ गन्दे नाले चलते हैं। हमारे शहर पलवल के अन्दर भी एक गन्दा नाला है। वह नाला शहर की आबादी वाले पूर्वी क्षेत्र से निकलता है और उसमे गन्दा पानी रहता है। उस वजह से वहां के लोगों को काफी दिक्कत है। उसको करवाने में तो काफी पैसा खर्च होगा मैं आपके माध्यम से सरकार से यह पूछना चाहता हू कि कग उस नाले की सफाई की कोई व्यवस्था करेंगे?

चौधरी धर्मवीर गाबाः मैं आनरेबल मैम्बर से इस बारे में यह जानना चाहता हूं कि क्या वह नाला जो पलवल में है, यह इरीगेशन डिपार्टमैंट का है या म्यूनिसिपल कमेटी का है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, वह नाला म्यूनिसिपल कमेटी के तहत आता है। तीनों तरफ से वह आबादी से घिरा हुआ है। उस नाले के०पर ते होकर पानी लोगों के घरों में चला जाता है। पिछली विधान सभा में भी मैंने यह बात उठायी

थी कि गन्दे पानी का वह जो वाला है, उस में सारे शहर का गन्दा पानी चलता है। उसको पक्का बनाने की बात तो बड़ी दूर की है, क्या मन्त्री महोदय, उसकी सफाई की कोई व्यवस्था करा देगे?

श्री अध्यक्षः इसके लिये आप अलग से नोटिस दें।

प्रो० राम बिलास शर्माः क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि करनाल इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट ने दो साल पहले जो योजना उस समय इस मुगल ड्रन को फिल–अप करने के लिये बना कर भेजी थी और जिसका प्रात्प उस समय के वहां के माननीय सदस्य श्री लछमन दास बजाज के समय तैयार होकर पास हुआ था, क्या इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की उस योजना को उसी रूप में स्वीकृत किया गया है या उसमें कुछ तरमीम को गयी हे?

चौधरी धर्मवीर गाबाः जो स्कीम हमने एप्रूव की है, उसमें हुड्डा और इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट दोनों का योगदान है। इस पर कुल 11 करोड़ 46 लाख रुपया खर्च होगा। इसमें से 277 लाख रुपया हुड्डा और 869 लाख रुपया इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट ने खर्च करना वैध।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या करनाल, सोनीपत, पानीपत और फरीदाबाद को यमुना एक्शन प्लान के तहत लिया गया है ? मैं मन्त्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि यह जो 11 करोड़ 46 लाख रुपया खर्च करने

की बात है, यह केवल एक गन्दे नाले को फिल–अप करने के लिये है। क्यों नही यमुना एक्शन प्लान के तहत आप इस पैसे का इस्तेमाल करते ताकि वहा पर लोगों का भला भी हो सके और उस एरिया की डिवैल्पमैंट भी हो सके?

चौधरी धर्मवीर गाबाः इस यमुना एक्शन प्लान के अन्दर तो चार की बजाय 6 शहर हैं।

श्री अध्यक्षः उनके नाम बताओ।

चौधरी धर्मवीर गाबाः उनके नाम है – फरीदाबाद, गुड़गांव, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत और पानीपत। हम मुगत कैनाल पर इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट कौमर्शियल कौम्पलेक्स बनायेंगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपया करेंगे कि यमुना एक्शन प्लान का जो पैसा मिलना है, उस पैसे को मुगल कैनाल स्कीम में शामिल किया जाएगा या नही और क्या इसके लिये स्टेट ऐक्सचौकर से पैसा खर्च किया जाएगा या हुड्डा पैसा खर्च करेगा?

चौधरी धर्मवीर गाबाः स्पीकर साहब, इसके कुछ नार्म्ज हैं। जो पैसा हमें यमुना ऐक्शन प्लान का मिलेगा उसकी जो टर्म्ज कंडीशंज या नार्म्ज होंगे, उनके मुताबिक पैसा खर्च करेगे। इस सब के बावजूद अगर हम पैसा खर्च कर सकेगे तो अवश्य पैसा खर्च करेगे।

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने बताया है कि टैण्डर खुलने के बाद हम काम शुरू करेंगे। क्या मन्द्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि टैन्डर रहुलने के कितने समय बाद काम कम्पलीट हो जाएगा?

चौधरी धर्मवीर गाबाः स्पीकर साहब, अठारह महीने की मियाद हमने इस प्रोजैक्ट को पूरा करने की रखी है।

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, कौमर्शियलाइज्ड करने से कुछ बचत होगी या नुक्सान होगा?

चौधरी धर्मवीर गाबाः स्पीकर साहब, हम 450 कौमर्शियलाइज्ड कौम्पलक्स बनाएंगे और ओपन औक्शन से हमें उम्मीद है कि जितना हम खर्च कर रहे हैं उससे ज्यादा पैसा हमें मिल जाएगा।

श्री अध्यक्षः क्या आप उसको टोटल कवर करेंगे?

चौधरी धर्मवीर गाबाः स्पीकर साहब, फिलहाल जहां जहां यह नाला आबादी से गुजरता है, वहां दोनों तरफ सं कवर करेगे और पक्के नाले के दोनों तरफ सड़क बनेगी और वहां पर पार्किंग के लिए सड़क बनाएंगे।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, आपने पूछा है कि कितना एरिया कवर करेंगे। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि इस ड्रेन को जितना कवर होना चाहिए उतना कवर करेंगे।

जहां तक ड्रेन के साथ आबादी बनी हुई शै, आबादी तक उसको कवर करेंगे चाहे इसके लिए और पैसा लगाना पड़े। स्पीकर साहब, जब तक आबादी पूरी तरह से कवर नही होगी, उसका कोई महत्व नहीं होगा। इसलिये हम उसको पूरा कवर करेंगे?

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने करनाल का जिक्र किया कि वह भी इस स्कीम में शामिल है। उन्होंने कहा है कि आबादी के साथ नाले को ढका जाएगा और वहां कौमशिंयलाइज्ड कौम्पलैक्स बनाएंगे। स्पीकर साहब, यमुना का सारा गन्दा पानी रादौर से होकर जाता है और इससे हजारों डंगर मर जाते हैं। शहर का सारा गन्दा पानी हमारे तक न आए, क्या मंत्री जी इस पानी को यमुना में डालने पर विचार करेंगे?

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, ऐक्शन प्लान के तहत जो पैसा मिलेगा और यमुना नगर के लिये जो प्लान है, उससे रादौर का मसला हल हो जाएगा।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, यह जो योजना है यह पुरानी है। इसमें एक प्रावधान रखा जाए कि इसके आसपास जो आबादी है और जिन लोगों ने वहां अपने रोजगार के साधन बनाये हुए हैं उनको प्राथमिकता के आधार पर, जो कौमर्शियल कौम्पलैक्स बनाने जा रहे हैं, कंसैशनल रेट पर प्लाट देकर बसाया जाए। क्या मन्त्री महोदय इस बात पर विचार करेंगे?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जो ये कह रहे हैं, ऐसा वहां है भी नहीं। शर्मा जी जब हवा में उड़ते हैं तो हवाई बन जाते हैं। मैं इनके नोटिस में यह लाना चाहता हूं कि वहां पर झुग्गी झोपड़ियों का कोई मसला नहीं है। जिन लोगों की वहां पर कुछ जमीन है या कुछ छोटा मोटा झोपड़ा बना रखा है उनको हन आज के रेट्स वो मुताबिक मुआवजा दैगे। हमने अब पालिसी बना दी है कि अगर सरकार किसी की जमीन ऐक्यायर करती है जो व्यक्ति उस जमीन का खुद मालिक है, उसके बदले में उसे एक प्लाट देते हैं। अगर इन लोगों ने किसी को कहीं पर गलत कब्जा करवा रखा. हो तो ऐसे व्यक्ति को उसका मुआवजा मिलने का सवाल ही नहीं उठता। अगर कोई व्यक्ति सही मायनों में 50 सालों से बैठा है, उसका तो हम ध्यान रखेंगे और दूसरी जगह पर नो–प्रोफिट नो लौस के हिसाब से उसको दुकान देने की कोशिश करेगे।

Expenditure incurred on account of TA/DA etc. in respect of

the Chairman Haryana Backward Classes Kalyan Nigam Ltd.

***361. Shri Am ar Singh :** Will the Minister of state for Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes be pleased to state the month-wise total expenditure incurred on account of bills often the phone , TA/DA and residential accommodation of the present Chairman of the Haryana Backward Classes Kalyan Nigam Ltd., from the date of his appointment to-date ?

अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग राज्य मन्त्री (चौधरी जोगिन्द्र सिंह)विवरण विधान सभा पटल पर रखा ज ओता है –

विवरण

समय	दूरभाष पर व्यय	मास	टी० ए०/ डी० ए०	(आकड़े रु० में)निवास स्थान का किराया
1	2	3	4	5
5-8-91 से 5-10-91	3962.00	8/91	750.00	6 0 0 . 0 0
6-10-91 से 5-12-91	4921.00	9/91	750.00	1200.00
19-10-91 से 12-2-92	1085.00	10/91	750.00	1200.00
6-12-9 से 5-2-92	6499.00	11/91	750.00	1200.00
6-2-92 से 5-4-92	3241.00	12/91	375.00	1200.00
15-2-92 से 15-4-92	80.00	1/92	450.00	1200.00

6-4-92 से 5-6-92	2078.00	2/92	750.00	1200.00
16-.4-92 से 15-6-92	376.00	3/92	750.00	1200.00
6-6-92 से 14-7-92	2128.00	4/92	750.00	1200.00
21-6-92 से 25-8-92	664.00	5/92	750.00	1200.00
16-7-92 से 15-8-92	1506.00	6/92	750.00	1200.00
16-8-92 से 15-10-92	1549.00	7/92	750.00	1200.00
		8/92	750.00	1200.00
		9/92	750.00	1200.00
		10/92	600.00	1200.00
कल योग	28089.00		10425.00	17400.00

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में हरियाणा पिछड़े वर्ग कल्याण निगम के अध्यक्ष का दूरभाष टी० एर० डी० ए० और रिहायश पर किये गये खर्च का 1991– 92 का कुल खर्चा 55,914 रुपये बताया है। मैं आपके माध्यम से उनसे यह जानना चाहता हूं कि इस निगम का

कुल कितना बजट है और स्टाफ पर कितना खर्च आया, उनके टी० ए० डी० ए० का अलग से क्या ब्यौरा है व टी० ए० डी० ए० को छोड्कर बेलफेयर पर कितना खर्चा किया गया है? क्या वे इन सभी का अलग से ब्यौरा देने की कृपा करेगे?

चौधरी जोगिन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य इस सूचना के लिये अलग से नोटिस देंगे तो हम इन्हें सारा ब्यौरा बता देंगे।

Mr. Speaker : Now the Questions Hour is over.

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Vacant Posts of Superintendents and Head Clerks in P.W.D. (B&R)

48. Shri Ram Bhajan Aggarwal : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether any posts of Circle Superintendents/ Head Clerks are lying vacant in the P.W.D.(B&R) Department at present; if so, the number thereof together withthe time by which these posts are likely to be filled up ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): हां, दो वृत अधीक्षकों तथा दो मुख्यलिपिकों के पद लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़कें)हरियाणा में रिक्त हैं 1 इन पदों को शीघ्र भरने के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं।

Advertisements to News Papers

49. Sh. Ram Bhajan Aggarwal : Will the Minister of state for Public Relations be pleased to state the names of dailies to which the advertisements have been given by the Government during the period from the formatron of the present Government to date ?

लोक सम्पर्क राज्य मन्त्री (श्री सुरेन्द्र मदान): वर्तमान सरकार के कार्यकाल में आज तक जिन दैनिक समाचार पत्रों को विज्ञापन जारी किए गए, उनका विवरण अनुबन्ध ''क'' पर है।

अनुबन्ध ''क''

अंग्रेजी दैनिक

1. दी हिन्दुस्तान टाईमज, नई दिल्ली।

2 टाईमज आफ इण्डिया, सभी संस्करण।

3. इक्नोमिक्स टाईम्ज, सभी संस्करण।

4. इण्डियन एक्सप्रैस, सभी संस्करण।

5 फाईनेशियल एक्सप्रैस, सभी सस्करण।

6. दी ट्रिब्यून, चण्डीगढ़।

7 हिन्दू, सभी संस्करण।

8. स्टेटसमैन, दिल्ली और कलकत्ता।

9. पैट्रियाट, दिल्ली।

10. नेशनल हैरल्ड, दिल्ली/लखनऊ।

11. पायनियर, दिल्ली।

12. टैलीग्राफ, कलकत्ता।

13. फ्री प्रैस जरनल, बम्बई।

14. अमृत बाजार पत्निका, कलकत्ता।

15. पंजाब मेल, चण्डीगढ़।

हिन्दी दैनिक

1. पंजाब केसरी, जालन्धर/दिल्ली।

2. नवभारत टाईम्ज, नई दिल्ली।

3. हिन्दुस्तान नई दिल्ली।

4. राष्ट्रीय सहारा, नई दिल्ली।

5 जनसत्ता, सभी संस्करण।

6 दैनिक ट्रिब्यून, चण्डीगढ।

7. वीर अर्जुन, नई दिल्ली।

8. जागरण, नई दिल्ली।

9. विश्वामित्र, कलकत्ता।

10. कमल नेत्र, लुधियाना।

11. भारत देश हमारा, पटियाला।

12. दैनिक पायलट, भठिडा।

13 वीर प्रताप, जालन्धर।

14 हिन्दी मिलाप, जालन्धर।

15 बन्दे मातरम, नई दिल्ली।

18. सतपुड़ा वाणी, भोपाल।

17. अमर उजाला, सभी संस्करण।

18 नवज्योति, सभी संस्करण।

19. अर्थ प्रकाश, चण्डीगढ़।

20. शिवालिक संदेश, चण्डीगढ़।

21. हिम प्रभा, चण्डीगढ़।

22 भारत प्रभा, चण्डीगढ़।

23 हिमाचल टाईम्ज, शिमला।

24. हिमाचल सेवा, शिमला।

25 उत्तम हिन्दू, जालन्धर।

26 धडकन चण्डीगढ़।

27 प्रैस संघर्ष, अम्बाला कैन्ट।

28 जगत क्रांति, जीन्द।

29 अवरा बादल, कुरुक्षेत्र।

30 दैनिक हक प्रस्त, कैथल।

31 दैनिक चेतना, भिवानी,।

32. दैनिक हिन्दू की ललकार, भिवानी।

33. नभछोर, हिसार।

34. पाठक पक्ष, हिसार।

35 प्रगति वैभव, हिसार।

36. हिसार संदेश, हिसार।

37. रुहे पतन, हिसार।।

38 भारत जननी, रोहतक।

39 अमर राजनीति', सोनीपत।

40 हिन्द टाईम्ज, रोहतक।

41 हडौती अधिकार, फरीदाबाद।

42 आधार टाईमज फरीदाबाद।

43. प्राण, फरीदाबाद।

44 शेरे हरियाणा, फरीदाबाद।

45. रैपको यूज, फरीदाबाद।

46. मेवात गुडगावाँ।

47. जनसंदेश, गुड़गांव।

पंजाबी दैनिक

1 अजीत, जालन्धर।

2. अकाली पत्रिका, जालन्धर।

3. नवां जमाना, जालन्धर।

4 जगबाणी, जालन्धर।

5. पंजाबी ट्रिब्यून, चण्डीगढ।

6. चढदी कलां, पटियाला।

7. रणजीत, पटियाला।

8. धडेलेदार, पटियाला।

9. सेनापति, पटियाला।

10. तीर कमान, पटियाला।

11. पंथ खालसा, पटियाला।

12. शमशीर हिन्द, पटियाला।

13. स्वर्ण, पटियाला।

14. हजारा पत्रिका, पटियाला।

15. एजूकेटर, दिल्ली।

16. पंथक समाचार, दिल्ली।

17. जत्थेदार, दिल्ली।

उर्दू दैनिक

1 हिन्द समाचार, जालन्धर।

2. मिलाप, जालन्धर।

3. मेहनत, जालन्धर।

4 मिलाप, दिल्ली।

5 प्रताप, दिल्ली।

6. तेज, दिल्ली।

7. कौमी आवाज, दिल्ली।

अन्य भाषाएं

1. मथरु भूमि, कलीकट/कोचीन (मलयालम)।

Upgradation of Schools in the state

52. Shri Amar Singh : Will the Minister for Education be pleased to state the districtwise number of schools upgraded from Primary to Middle, Middle to High and High to 10+2 System in the state during **the** current financial year till to-date ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी): चालू वित्त वर्ष में अब तक स्तरोन्नत किये गये स्तरवार स्कूलों की जिलावार संख्या निम्न प्रकार से है:–

जिले का नाम	प्राथमिक से मिडल	मिडल से हाई	हाई से सी० सैकेण्डरी	योग
1	2	3	4	5
अम्बाला	1	1	2	4
भिवानी	2	1	2	5
फरीदाबाद	6	3	3	12
गुड़गांव	11	4		15
हिसार	8	16	2	26

जीन्द	4	2		6
कुरुक्षेत्र	2	2	1	5
करनाल	3	7	2	12
कैथल	3	3	1	7
महेन्द्रगढ	3	1	1	5
पानीपत	5	2	—	7
रोहतक	3	7	5	15
रिवाड़ी		4	2	6
सिरसा	1	2	1	4
सोनीपत	2	6	6	14
यमुनानगर	2	2	2	6
	56	63	30	149

Shifting to Primary Health Centre

50. Prof. Chhattar Singh Chauhan : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to shift the Primary Health Centre Baund Kalan to Manheru in District Bhiwani ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid centre is likely to be shifted ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी):

(क)जी, नहीं। मानहेरु में पहले ही एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है।

(ख)प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

Linking of Roads with the Village

51. Prof. Chhattar Singh Chauhan : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to link the village Baund-Khurd, Tehsil Charkhi Dadri, District Bhiwani with a metalled road ; and

(b) if so, the time by which the **af**oresaid village is likely to be linked with a metalled road ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क)जी, हां।

(ख)गांव बोन्द खुर्द को पक्की सड़क से जोड़ने का प्रस्ताव दिनांक 2– 12– 1992 को अनुमोदित किया जा चुका है और यह कार्य प्रकियाएं पूर्ण करने के उपरान्त अगले वर्ष में शुरू कर दिया जाएगा।

Teaching Staff of Government High School, Garhi

53. Shri Amir Chand Makkar : Will the Minister for Education be pleased to state whether any member of the teaching staff of the Government High School, Garhi(Hansi) was caught by the Panchayat of the village consuming liquor during school hours in the month of August, 1992, if so, the details thereof together with the action taken thereon ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती शान्ती देवी राठी): ग्राम पंचायत, गढ़ी खरा स्कूल समय में शराब पीते हुए श्री भूप सिंह मुख्याध्यापक, श्री सज्जन सिंह, एस० एस० मास्टर तथा श्री राजपाल जे० बी० टी० अध्यापक को 27–8–92 को पकडा गया। श्री भूपसिंह मुख्याध्यापक, श्री सज्जन सिंह तथा श्री राजपाल को निलम्बित कर दिया गया है।

Strength of Buses of Haryana Roadways

54. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister of state for Transport be pleased to state—

(a) the number of Haryana Roadways Buses in the state as at present ;

(b) the number of Buses of Haryana Roadways in running condition in the Faridabad Depot as at present ; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to starts Bus-Service from Palwal tothe following villages :—

(i) Purja

(ii) Kishonepur

(iii) Goghot

(iv) Jalalpur Khalsa

(v) Damka

(vi) Taraka

(vii) Sahroala

(viii) Dungerpur

(ix) Nangla Bikhu

(x) Khujuraka

(xi) Tatarpur

(xii) Johar Khera

(xiii) Rajpura

(xiv) Dhelaka to Palwal ?

Minister of state for Transport (Shri Balbir Pal Shah) :

(a) 3746.

(b) 225.

(c) Itemwise reply is as under :

(i)	Purja	Purja is situated between Palwal-

		Chhansa road. Bus service is available.
(ii)	Kishonepur	Kishonepur is situated near Sayarolo—Palwal—Dhatir road. Bus service is available upto Sayarolo.
(iii)	Goghot	Goghot is situated on approach road from Palwal—Chhansa road. No bus service is avail-able.
(iv)	Jalalpur Khalsa	Jalalpur Khalsa is situated on approach road of Hodel-Nuh road and distance is 1.5 Kms. from the road.
(v)	Damka	Damka is situated on approach road, Palwal to Hathin road. No bus service is available.

(vi)	Taraka	Taraka is situated on approach road on Palwal to Ghori road. No bus service is available.
(vii)	Sahroala	Sahroala is situated at the length of 6 Kms from Pirthala (Ballab-garh—Palwal G.T. Road). No bus service is available.
(viii)	Dungerpur	Dungerpur is situated on app-roach road of Palwal — Sohna road. Bus service is available upto Jhandapur.
(ix)	Nangla Bikhu	Nangala Bikhu is situated on Palwal—Dhatir—Kalwaka road. Bus service is available upto Kalwaka.
(x)	Khujuraka	Khujuraka is situated on Palwal—Chhansa road. Bus

		service is available – Palwal to Ballabgarh. via Alawalpur..
(xi)	Tatarpur	Tatarpur is situated at the length of 1.5 Kms from G.T. Road Pirthala.
(xii)	Johar Khera	Jojhar Khera is, situated on approach road from Palwal-Nuh road at the length of 1.5 Kms. Bus service is available on Palwal—Nuh road.
(xiii)	Rajpura	Rajpura is situated at the length of 1 K.M. on Palwal-Hathin road. Bus service is available between Palwal and Hathin.
(xiv)	Dhelaka to Palwal	Dhelaka is situated at the length of 1.5 Kms from Palwal-Sohna road. Bus service is

		available at Jhandapur.

There is no proposal under the consideration of the Government to start new bus service.

P.H.C. in Palwal Constituency

55. Shri Karan Singh Dalai : Will the Minister for Health be pleased to state -

(a) the number of Primary Health Centres in Palwal Constituency as at present togetherwith the details of staff in each centre ;

(b) the monthwise total amount incurred on the purchase of medicines in each P.H.C. during the period from 1991 to December, 1992 .;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Civil Hospital Palwal to 50 beded hospital ; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building of B.K. Hospital, Faridabad ?

Health Minister (Bahin **Kartar Devi) :**

(a) At present, there are two Primary Health Centres functioning in Palwal constituency . The details of the staff working in these Primary Health Centres is attached at Annexure

(b) The detail of the monthwise total amount incurred on the purchase of medicines in each Primary Health

Centre during the period from the year 1991 to December, 1992, is attached at Annexure "**B**".

(c) Not immediately, Sir.

(d) Yes, Sir.

Annexure 'A'

Name of Primary Health Centre		Category of staff	posts sanctioned No. of	No. of posts filled up
1		2	3	4
primary Health Centre, Dudhola	1.	Senior Medical Officer	1	1
	2.	Medical Officer	1	
	3.	Staff Nurse	1	
	4.	Pharmacist	1	1
	5.	Multi purpose Health Worker (Female)	29	25
	6.	Steno Typist	1	
	7.	Accountant	1	1
	8.	Clerk	1	1
	9.	Laboratory	1	

		Technician		
	10.	Radiographer	1	1
	11.	Multipurpose Healrh Supervisor (Male)	5	4
	12.	Multipurpose Health Worker (Male)	30	21
Primary Health Centre, Alawalpur		Medical Officer	2	1 (One Medical Officer post transferred to Medical College Rohtak j for P.G. Course.)
		Staff Nurse	1	1
		Pharmacist		1
		Multipurpose Health Worker (Female)	1	1
		Laboratory .	1	1

		Technician		
		Multipurpose Health Supervisor (Male))	1	1
		Multipurpose Health Worker (Male)	1	-

Annexure B

Detail of amount incurred on purchase of Medicines P.H.C. Alawalpur

	Name of the month	Amount
		Rs.
	4/91	4792.00
	5/91	2189.00
	6/91	2509.00
	7/91	7045.00
	12/91	4990.00
	3/92	2678.00
	5/92	4598.00
	8/92	4598.00

	11/92	4598.00
	Total	37997.00
	Primary Health Centre, Dedola	
	4/91	
	5/91	2172.00
	7/91	4862.00
	8/91	2393.00
	9/91	2513.00
	10/91	3447.00
	12/91	3860.00
	5/92	4598.00
	9/92	5402.00
	12/92	4598.00
	Total	33845.00

Installation of Booster

56. Ski Karan Singh Dalal : Will the Minister for Public Health be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to instal a Booster at village Gughera of Palwal Sub-Division to make water available in - Kakerali and Alika villages ; and

(b) whether there is any proposal under the consideration of the Government to instal New Tubewells for drinking water in village Arerwan of Palwal division ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह):

(क)जी नही।

(ख)जी नहीं।

घोषणाएं–

(क)अध्यक्ष द्वारा –

(1)एक सदस्य का त्याग पत्र

Mr. Speaker : Hon'hle Members, under rule 58(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I am to inform the House that Shri Shamsher Singh Surjewala had resigned his seat in the Haryana Legislative Assembly vide his letter dated 31st July , 1992 which was accepted from the said date.

(2)पैनल आफ चेयरमैन

16.00 बजे

Mr. Speaker : Hon'ble Members, under rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the Panel of Chairmen :

1. Shri Phool Chand Mullana

2. Kanwar Ram Pal Singh

3. Shri Dhir Pal Singh

4. Shri Amar Singh Dhanak.

(3)कमेटी आन पैटीशन्ज

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I nominate the following members to serve on the Committee on Petitions under rule 286(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly :—

1.	Shri Sumer Chand Bhatt, Deputy Speaker	Ex-officio Chairman
2.	Shri Phool Chand' Mullana	Member
3 .	Shri Rajinder Singh Bisla	Member
4.	Shri Amar Singh Dhanak	Member
5.	Shri Jai Pat Singh	Member

(ख)सचिव द्वारा—

राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलों संबंधी

श्री अध्यक्षः अब सैक्रेटरी एक अनाउसमैंट करेंगे।

सचिवः सर, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 1987, दिसम्बर. 1991 तथा जुलाई 1992 में हुए सत में पारित किए थे तथा जिन पर

राष्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है सादर सदन के पटल पर रखता हूं।

STATEMENT

March Session, 1987

*The Indian Electricity (Haryana Amendment) Bill, 1986.

December Session, 1991

* The Haryana Regulation and Control of Crushers Bill, 1991.

July Session, 199 2

The Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill, 1992.

सरकारी संकल्प–

अयोध्या में बाबरी मस्जिद को गिराने संबंधी

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं अयोध्या की घटनाओं के बारे में एक प्रस्ताव रखना चाहता हूं।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of a resolution from the Chief Minister. Keeping in view the importance of the matter, I have admitted it for today. Now, the Chief Minister will move for consideration of the official resolution.

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं यह सदन 6 दिसम्बर, 1992 को अयोध्या में विश्व

हिन्दू परिषद्, भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और बजरंग दल जैसी साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा बाबरी मस्जिद के गिराने की घटना की भर्त्सना करता है। इस दुःखद घटना के कारण देश में साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं भड़क उठीं। बाबरी मस्जिद को गिराने की कार्यवाही न केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करके की गई, बल्कि इससे देश के धर्म–निरपेक्ष स्वरूप को भी एक गहरा आघात लगा है।

यह सदन भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश में तत्कालीन सरकार द्वारा देश की जनता' के साथ किए गए विश्वासघात और देश की सर्वोच्च अदालत को दिए गए आश्वासनों की खुलेआम उल्लंघना पर गहरी चिन्ता और शोक प्रकट करता है। यह सदन इस समूचे घटनाक्रम में भारतीय जनता पार्टी की दोहरी भूमिका की भी निन्दा करता है जिसके कारण देश की भावनात्मक एकता को धक्का लगा।

अयोध्या की दुःखद घटना के पश्चात देश के विभिन्न भागों में घटी साम्प्रदायिक हिसक घटनाओं के शिकार हुए सभी लोगों के प्रति यह गरिमापूर्ण सदन अपनी हार्दिक सहानुभूति एवं मूतको के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करता है और हिसक घटनाओं में मरने वाले व्यक्तियों के परिवारों को अपनी संवेदना भेजता है।

यह सदन हरियाणा की जनता से यह अपील करता है कि इस संवेदनशील घड़ी में अपनी गौरवशाली परम्पराओं के

अनुसार प्रदेश में शान्ति और साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखें और संयम से काम लें।

Mr. Speaker : Motion moved-

यह सदन 6 दिसम्बर, 1992 को अयोध्या में विश्व हिन्दू परिषद्, भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और बजरंग दल जैसी साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा बाबरी मस्जिद के गिराने की घटना की भर्त्सना करता है। इस दुःखद घटना के कारण देश में साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं भड़क उठीं। बाबरी मस्जिद को गिराने की कार्यवाही न केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करके की गई, बल्कि इससे देश के धर्म–निरपेक्ष स्वरूप को भी एक गहरा आघात लगा है।

यह सदन भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश में तत्कालीन सरकार द्वारा देश की जनता के साथ किए गए विश्वासघात और देश की सर्वोच्च अदालत को दिए गए आश्वासनों की खुलेआम उल्लंघना पर गहरी चिन्ता और शोक प्रकट करता है। यह सदन इस समूचे घटनाक्रम में भारतीय जनता पार्टी की दोहरी भूमिका की भी निन्दा करता है जिसके कारण देश को भावनात्मक एकता को धक्का लगा।

अयोध्या की दुरूखद घटनों के पश्चात् देश के विभिन्न भागों में घटी साम्प्रदायिक हिंसक घटनाओं के शिकार हुए सभी लोगों के प्रति यह गरिमा– पूर्ण सदन अपनी हार्दिक सहानुभूति

एवं मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करता है और हिंसक घटनाओं में मरने वाले व्यक्तियों के परिवारों को अपनी सवेदना भेजता है।

यह सदन हरियाणा की जनता से यह अपील करता है कि इस संवेदनशील घड़ी में अपनी गौरवशाली परम्पराओं के अनुसार प्रदेश में शान्ति और साम्प्रदायिक सदभाव बनाए रखें और संयम से काम लें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने सदन में जो प्रस्ताव रखा है, उससे सारा सदन सहमत होगा। आज किस तरह के हालात मुल्क में बने हैं और किस तरह से वोटों की राजनीति को धर्म के साथ जोड़ कर जिस तरह के हालात देश में बनाए है, उससे हिन्दुस्तान वासियों का ही नहीं, बल्कि जो दूसरे देशों में हिन्दुस्तानी बसते हैं, उनका शर्म से सिर झुक गया। यह बड़ा गम्भीर मसला– है, इसकी जितने भी कड़े शब्दों में निन्दा की जाए मैं समझता हूं वह कम है। बी० जे० पी० के लोगों ने वोट के लिए ऐसा किया। आप सभी सभी जानते हैं कि बी० जे० पी० वाले राजस्थान के उस कोने से यानी सोमनाथ से अयोध्या कैसे पहुंचे। ये दिल्ली से हवाई जहाज में बैठ कर अयोध्या जा सकते थे, उसमें कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन वे वहां से रथ ले कर अपनी पार्टी का झण्डा और निशान ले कर पूरी तरह से सारे मुल्क में प्रचार करते हुए निकले जैसे राम के भगत, राम के ठेकेदार बी० जे० पी और विश्व हिन्दू परिषद् वाले ही हैं, जैसे सारे विश्व के हिन्दू उनके साथ हैं। यहां पर जितने लोग बैठे हैं, क्या ये राम

को नहीं मानते, क्या ये राम के भगत नहीं हैं? राम ने हमेशा दिलों को जोड़ने की कोशिश की है। राम ने हमेशा दुनिया के सभी वर्गों के लोगों को इकट्ठा रहने का रास्ता दिखाया है। लेकिन इन लोगों ने देश के अन्दर किस तरह का वातावरण किस तरह का माहौल बनाया, वह आप सभी लोगों को पता है। इन्होंने अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के लिये शक्ति हासिल करने के लिये इस देश को तोडने की साजिश रची, जिसके कारण सारे देश के लोगों के दिलो को बहुत गहरा धक्का त्वरा और उससे मुस्लिम भाईयों और हिन्दुओं के दिलों मे बहुत बडी दरार पड़ चुकी है। आप सभी जानते हैं कि– वहां की चुनी हुई सरकार ने असैम्बली में, हाई कोर्ट में और सुप्रीम कोर्ट में, जो इस मुल्क की सन्से बडी अदालत है, वहां पर एक एफिडेविट दिया कि वे मस्जिद का जो ढांचा है, उसको हाथ नही लगाऐंगे। मस्जिद को गिराने का तो सवाल ही पैदा नही होता था। अदालत जो फैसला करेगी उसको वे सिर झुका कर मानेंगे। इनकी पार्टी के जो बड़े नेता श्री लाल कृष्ण अडवानी, बाजपेई जी और मुरली मनोहर जोशी जी ने राज्य सभा और लोक सभा दोनों सदनों में हाथ उठा कर दोनों सदनों को विश्वास दिलाया था, सारे देश की जनता को विश्वास दिलाया था कि वे कोई ऐसी बात नही करेंगे जिससे किसी आदमी को कोई ठेस पहुंचे लेकिन उन्होंने लोगों के साथ इतना बड़ा विश्वासघात किया है, इतना वड़ा विश्वासघात किसी प्राइवेट आदमी ने भी किसी दूसरे आदमी के साथ नही किया होगा। उन्होंने जितना बड़ा विश्वासघात समुचे भारत वर्ष के लोगों के

साथ किया है उतनी वड़ा विश्वासघात आज तक किसी ने नही किया है। (शेम शेम की आवाजें)आप सभी लोग जानते हैं कि हिन्दुस्तान सैकुलर देश है और उसकी मिसाल कही पर भी नही मिलेगी। इस देश में दो दफा मुस्लिम भाई राष्ट्रपति रह चुके हैं, ऐसी मिसाल कहीं पर भी नहीं मिलेगी। दुनिया में जो शाख हिन्दुस्तान की बनी हुई थी, उसको बड़ा भारी धक्का पहुंचा है। इस की सारी जिम्मेवारी इन लोगों की है। इन लोगों ने अपने सामने खडे होकर उस मस्जिद को गिरवाया। 5.00 बजे सायं तक यह काम चलता रहा और जब मस्जिद गिर गई तो वहां के मुख्य मन्त्री 5.00 बजे इस्तिफा देते हैं कि मेरे बस की बात नहीं। अगर इस्तिफा देना ही था तो दो दिन पहले देते कि ऐसे हालात हैं जो काबू में नही आ रहे। भारत सरकार ने अपनी तरफ से वहां पर सी० आर० पी० एफ० और बी० एस० एफ० की टुकड़ियां भेजी। उन्होंने कहा कि यह फोर्स क्या करेगी। ये कान देते हैं कि चन्द लोगों ने, जिनकी संख्या 200 या 300 होगी, उन्होंने उस ढांचे को गिरा दिया। जिस समय यह ढांचा गिराया जा रहा था, उस समय इनके बड़े बड़े नेता आडवाणी जी, जोशी जी और विश्व हिन्दू परिषद् के लोग वही पर थे। अगर वहां एक लाख से ज्यादा लोग हों तो क्या उन 200–300 लोगों की हिम्मत उस ढांचे को गिराने की हो सकती थी? कितना बड़ा विश्वासघात इस देश की जनता के साथ इन लोगों ने किया है। कुछ भाई कहते थे कि प्रधान मन्त्री जी को इस्तिफा दे देना चाहिए। लोकसभा मे कांग्रेस पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी के नेता सदन

के अन्दर और सदन के बाहर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में हल्फिया ब्यान दें कि ढांचे को सुरक्षित रखा जाएगा, उसके बावजूद भी ऐसी घटना हो, तो इससे– बड़ा विश्वासघात क्या हो सकता है? जब हाउस के नेता को, इनके नेता लोग आश्वासन देते हैं तो क्या उन लोगों पर प्रधानमन्त्री जी विश्वास नही करेंगे? इसके बाद जो कुछ इन लोगों ने वहां पर किया है, उस बारे में मेरा तो यह कहना है कि इन पर जो प्रतिबंध लगाया गया है, वह बिलकुल ठीक लगाया गया है बल्कि मैं तो इस विचार का हूं कि उन पर और सख्त से सख्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिये। ये ऐसे लोग हैं जो देश को तोड़ना चाहते हैँ और देश को एक साम्प्रदायिकता की आग में झोंकना चाहते है। जब देश की आजादी की लडाई लड़ी जा रही थी, उससे भी खराब हालात आज देश के अन्दर हो गए हैं। मैं हाउस के सभी सदस्यों से प्रार्थना करना चाहती हु कि सभी को इन लोगों की भर्त्सना करनी चाहिये और इन्होने जो कुछ वहां पर किया है, उसको कड़े से कड़े शब्दो में कण्डैम करना चाहिये। जब कभी मुल्क पर आपत्ति की बीत आई तो चाहे कोई व्यक्ति किसी भी पार्टी का रहा हो, सभी ने मिल कर उस आपत्ति का डटकर मुकाबला किया है। आज उसी तरह का मुकाबला करने का समय आया है। आज हम सभी ने पार्टी हित से०पर उठकर ऐसी ताकतों का डटकर मुकाबला करना चाहिये ताकि देश को तोड़ने से बचाया जा सके। दुनिया के सभी देश कहते थे कि हिन्दुस्तान एक सैक्यूलर मुल्क है। जिस हिन्दुस्तान का दो बार एक मुस्लिम भाई राष्ट्रपति रहा हो और

जिसके अन्डर सारी फौज की कमान हो, उससे बड़ी खुशी की बात मुस्लिम भाइयों को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो, क्या हो सकती है? सभी मुल्कों को हिन्दुस्तान पर गर्व था कि यहा पर सभी धर्म के लोग ठीक रह रहे हैं। इस देश की आजादी के लिए हिन्दु–मुस्लिम–सिख इसाई सभी ने बराबर का योगदान दिया है। इसलिये अध्यक्ष महोदय, अन्त मे मैं आपके माध्यम से सारे हाउस से प्रार्थना करना चाहता हू कि जो मैंने प्रस्ताव रखा है उसको सर्वसम्मति से पास करे और जो ताकतें देश को तोड़ना चाहती है उनका डटकर मुकाबला करे ताकि इस मुल्क को बचाया जा सके। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस प्रस्ताव पर बोलने का समय दिया।

प्रो० सम्पत सिंह (भट्टूकलां): अध्यक्ष महोदय, जो निन्दा का प्रस्ताव रखा गया है और अयोध्या मे जो कुछ हुआ है, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हुआ है। यह बहुत ही निन्दनीय कार्य हुआ है, हम इसकी निन्दा करते हैं। स्पीकर साहब, जो मस्जिद गिराई गई है उसकी हम निन्दा करते है। मैं इस प्रस्ताव बारे अमैंडमैंट बाद में करना चाहूंगा। स्पीकर साहब, यहां पर जिक्र आया राम–मन्दिर–मस्जिद का। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह झगड़ा काफी दिनों से चल रहा था। वहां पर मन्दिर है या मस्जिद है, उससे आम आदमी पर कोई पार्क नहीं पड़ता। जो बिल्डिंग वहां पर बनी हुई है वह यह कभी नही कहती कि यहां पर कुरान न पढ़ी जाये या गुरु ग्रन्थ साहब का पाठ न पढ़ा जाये या गीता न

पढ़ी जाए। वहां पर बिल्डिग मस्जिद की बनी हुई थी और उसके अन्दर मन्दिर का काम चल रहा था। हिन्दू धर्म के लोग वहां जा कर पूजा करते हैं स्पीकर साहब, एक ऐसा भी टाईम था जब वहां पर पूजा नहीं होती थी और उस बिल्डिग को लाक लगा दिया गया था, उसको बन्द कर दिया गया था। उस लाक को खुलवाया किसने? स्पीकर साहब, इस बात को सभी जानते हैं कि उस लाक को किसने खुलवाया। भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिन्दू परिषद और आर० एस० एस० के लोगों ने वहां पर जो कुछ किया है, उसके लिये उन की जितनी निन्दा की जाए वह कम है। स्पीकर साहब, वह एक डिस्प्यूडिट जगह थी और वहां पर लाक लगा हुआ था, लेकिन बाकायदा कांग्रेस रूल के समय में, जिस आदमी ने उस लाक को खुलवाया था, वह कांग्रेस का मैम्बर था। उसका लाक खोला गया और फिर वहां पर पूजा शुरू हो गई। वहां पर मन्दिर था या मस्जिद थी, यह विवाद अभी बना ही हुआ है, उस ढांचे पर डिस्प्यूट है। 1947 में, जब देश का पार्टीशन हुओं तो सभी मुस्लमान यहां से पाकिस्तान नहीं गए, कुछ भाई यहां पर ही रह गये। जो लोग यहां पर रह गए वे अपने अपने ढंग से अपने पूजास्थलों पर यानी मस्जिदों में जा कर पूजा कर रहे है, नमाज अदा कर रहे हैं। जहां पर मुस्लिम आबादी है, वहां मस्जिदें हैं और उनका पूरा सम्मान भी है। इस बारे में मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जहां से मुसलमान चले गये थे, वहां 'ग्र भी कुछ मस्जिदें रह गई थीं और उनमें अब नमाज अदा नहीं होती है। मैं इस बारे मे एक मस्जिद का जिक्र करना चाहूंगा। स्पीकर साहब,

अक्कावाला गांव में एक मस्जिद बनी हुई थी। उस मस्जिद के साथ ही पड़ौस में हम चाय पाने नये थे तो देखा कि वहां पर मस्जिद मे गुरुद्वारा चल रहा है, वहां पर निशान साहब लगा क्र गुरु ग्रंथ साहब का पाठ चल रहा है। उस पाठ के चलने पर उस बिल्डिग को कोई ऐतराज नहीं है कि गुरु ग्रन्थ साहब क्यों पढ़ा जा रहा है। आप वहां पर ग्रन्थ साहब पढ़ें या कुछ और पढे, उससे उस बिल्डिग को क्या फर्क पड़ता है? अगर उस सारे इलाके में यह कहा जाए कि फलां जगह पर अमुक तारीख को उस मस्जिद को गिरा कर गुरुद्वारा बनाया जायेगा तो उससे मुस्लमानों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचेगी ही। अगर प्रचार करके ऐसा किया जाएगा, जत्थेबन्दी के रूप में लोगों को इकट्ठा करके मस्जिद गिरा कर वहां पर गुरूद्वारा बनाने की कोशिश की जाएगी तो भावनाएं तो भड़केगी ही और हिन्सा भी होगी। कोई भी धर्म हिंसा की इजाजत नहीं देता और कोई धार्मिक नेता नहीं चाहेगा कि मार–काट हो। सब लोग सद्भावना से रहना चाहते हैं। इस सदन के अन्दर और इस प्रस्ताव के अन्दर उन लोगों का जिक्र किया गया है जो इस देश के विकास के नाम पर नहीं, तरक्की के नाम पर नहीं, बेरोजगारों को रोजगार देने के नाम पर नही बल्कि इस बात पर वोट मांगना चाहते है कि मन्दिर बनायेंगे। ये धर्म के नाम पर वोट मांग रहे हैं। धर्म के तवे को गर्म करके अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। इससे बडा निन्दनीय कार्य और कोई हो नहीं सकता। ये लोग धर्म के नाम पर, लोगों की भावनाओं को भड्का कर राजनीति खेल रहे हैं। मन्दिर का ईशू उस दिया,

भावनावश होकर कोई वर्ग वोट डाल जाता है तो पोलिटिकल पार्टी यह समझने लगती है कि अगर वोट मिल गया तो ऐसे और काम करो, जात–पात को उछालो। इस प्रकार धर्म के तवे पर लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं और धर्म के नाम पर राज्यों में सरकारें बनाना चाहते हैं। स्पीकर साहब, अगर ऐसा हुआ तो देश में प्रजातन्त्र खत्म हो जाएगा। उसके बाद किसी पोलिटिकल पार्टी या पोलिटिकल लीडर की कोई हैसियत नहीं रह जाएगी। स्पीकर सर, आपको याद होगा, 1984 में भी ऐसा ही हुआ था। श्रीमती इन्दिरा गांधी का जो मर्डर हुआ था, वह बहुत ही जघन्य मर्डर था। प्रधान मन्त्री लैवल का मर्डर जिसने किया था, उसको गिरफतार किया जाना चाहिए था और उसको सजा दी जानी चाहिये थी। लेकिन एक धर्म विशेष के लोगों का कत्लेआम सिर्फ इस कारण किया गया कि कि कत्ल करने वाला उस धर्म विशेष का था। प्रधान मन्त्री के मर्डर की प्रति क्रियास्वरूप अगर निर्दोष लोगों को मारा जातीं है तो यह भी निन्दनीय. कार्य है। सन् 1947 में हिन्दू–मुस्लमानों के बीच जो हिंसा हुई थी, 1984 में उसी को रिपीट किया गया। हजारों लोगों को मार डाला गया। नन्हे नन्हें बच्चों का कत्ल किया गया, लोगों के गले में टायर डाल कर उनमें आग लगा दी गई, पैट्रोल डाल कर आग लगा दी। इस प्रकार की घटनाएं हुई। (विघ्न)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर सहिब, यह किस मसले पर बोल रहे हें यह ऐसी बात कहने का वक्त नहीं है।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन लोगों की इस तरह की राजनीति गलत थी लोगों पर पैट्रोल छिड़क कर और गजों में टायर डाल कर आग लगा दी। अध्यक्ष महोदय, एक ही धर्म के लोगों को मारा गया। उसके बाद ही आतंकवाद बढा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप जारी रखें।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह जो साम्प्रदायिकता की आग भड्की है, इसको 1984 में कांग्रेस (आई)ने भड़काया था और उन दंगों के पीछे इनके एम० पीज० का हाथ था, उनके अगेन्सट आज तक एफ० आई० आर० दर्ज नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह सब वोट लेने के लिये किया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप इधर–उधर की बात मत कहें आप प्वाइन्ट पर ही बोलें।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने बार बार जात–पात और धार्मिक भावनाओं को भड्का कर वोट लेने की कोशिश की। एक कम्युनिटी के वोट तो इनको मिल गए लेकिन आज तक उन दंगों का देश को खामियाजा भुगतना पड़ रहा हे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप रैपीटीशन न करें। जो सोप आफ रैजोल्यूशन है उस के अन्दर ही बोले।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, चार सौ सीट्स लेकर तो ये सत्ता में आ गये थे और फिर से ये लोग वही रैपीटीशन करना चाहते हें। इन दोषों से न तो कांग्रेस सरकार बच सकती है और न ही बी० जे० पी० बच सकती है। (शोर एवं व्यवधान) You will have to trace the history.

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप कृपया प्वाइन्ट पर ही बोलें।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हू कि ये दोनों दोषी है। लाखों लोग वहां मस्जिद को गिराने के लिये गए। क्या वे कार–सेवा पर गए थे? कार सेवा पर तो दो सौ और चार सौ लोग जाते हैं। वे झंडे लेकर नारे लगाते हुए गए थे। जब वे लोग नारे लगाते हुए जा रहे थे तो क्या सैन्टर की कांग्रेस सरकार को कुछ नही पता चला, तब इनकी इन्टैलीजैस कहां गई थी? क्या इनको मालूम नही था कि वहां पर क्या होने जा रहा है? लाखों लोग नारे लगाते जा रहे थे कि मन्दिर वही बनाएंगे और ये उनको गिरफतार नही कर रहे थे। अध्यक्ष महोदय मैं डन्से पूछना चाहता हूं कि तब ये कहां थे? अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी भी बैठे हुए हैं और सैन्टर की सरकार भी इनकी है। क्या इनको आज से 10 साल पहले का' समय याद नहीं रहा है जब इसी तरह का नारा लगा था कि हम एशियार्ड नहीं होने देगे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप इस ढंग से बात न करें। आप केवल रैजोल्यूशन तक ही अपनी बात कहे।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं केवल रैजोल्यूशन पर ही बात कर रहा हूं।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आपा आर्डर है। सर, ये विपक्ष के नेता हैं और इनको केवल रैजोल्यूशन पर ही बोलना चाहिये जो विषय चल रहा है उसी पर ये बोलें तो ज्यादा ठीक रहेगा क्योंकि अगर फिर हमने भी बोलना शुरू कर दिया तो बात नही बनेगी। इसलिये इनको संतुलित ही रहना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये पीछे की हिस्ट्री को दोहरा रहे हैं जो अच्छी बात नही है। इनको केवल उसी बात पर बोलना चाहिये जो सदन के नेता ने प्रस्ताव रखा है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, जिस ढंग से आप बोल रहे हैं, वह कुछ हद तक तो ठीक है लेकिन अगर इससे ज्यादा बोलेगे तो ठीक नहीं रहेगा, इसलिये आप रैजोल्यूशन पर ही सीरियस होकर बोलें।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपकी बहुत–बहुत धन्यवाद जो आपने कहा है कि जो कुछ मैं बोला हूं वह ठीक है। सर, मैं बिल्कुल सीरियस हूं। मैं तो कह रहा था कि उन लोगों को गिरफतार करना चाहिए था जो दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश और दूसरे स्टेट्स से अयोध्या में नये थे, उनको पहले से ही

पकड़ना चाहिये था। स्पीकर सर, इस बात का ध्यान इन्होंने 1982 में तो रखा था लेकिन इस बार इन्होंने इस बात का ध्यान क्यों नही रखा? इसमें कोई दो राय नहीं कि उन्होंने इनकी पाटों बी० जे० पी० के नेताओं को कंडैम किया लेकिन स्पीकर सर, इसके बाद भी जो कुछ हुआ है और जो कुछ सैडल गवर्नमैंट ने किया है, उसके कारण ये लोग अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। स्पीकर सर, सबसे ज्यादा रिएक्शन तो महाराष्ट्र के अन्दर होना चाहिये था। सर, वहां पर किसकी सरकार है? वहां पर कांग्रेस (आई)की सरकार है, इसलिये उस सरकार से ये लोग कुछ नहीं कह रहे हैं जबकि दूसरी तीन स्टेट्स की सरकारों को डिसमिस कर दिया गया है जहां' पर बी० जे० पी० पाटी की सरकारे थी। यह ठीक है कि यू० पी० की सरकार को बर्खास्त करना चाहिए था क्योंकि उस सरकार का दोष था। लेकिन इन्होंने तो डैमोक्रैटिकली इलैक्टिड तीन सरकारों को यह कहकर गिराया कि वहां पर ला एंड आर्डर फेल हो गया है। इन्होने यह भी कहा है कि वे लोग (सी० एमज०)एस० एस० के मैम्बर थे। स्पीकर सर, जब वे लगे चीफ मिनिस्टर बने थे तो क्या उस समय वे आर० एस० एस० के मैम्बर नहीं थे और उस समय आर० एस० एस० पर बैन नहीं था? इसके अलावा लोगों ने उन्हें चुनकर भेजा था। स्पीकर सर, इन्हेंने बहुत ही अनडैमोक्रेटिक स्टैप उठाया है। इनको तो सबसे पहले महाराष्ट्र की सरकार को गिराना चाहिए था, गुजरात की सरकार को गिराना चाहिए था। लेकिन जो कुछ भी किया है, वह केवल मुस्लिम वोट लेने के लिए ही किया है। स्पीकर सर, इससे

हरियाणा प्रदेश भी अछूता नहीं रहा है। मेवात के इलाके में कोई ला एंड आर्डर नहीं रहा, कोई कानून और व्यवस्था नाम की चीज वहां नहीं रह गयी है। नूह और पुनहाना इलाकों में और इसी तरह से फिरोजपुर झिरका में कानूनी व्ययस्था खत्म हो चुकी है। जहां पर कम आबादी के लोह। थे वहां उनकी दुकानें बुरी तरह से लूटी गयी, धार्मिक स्थलों को गिराया गया। यहां तक कि एक पुलिस के आदमी को भी मारा गया और एक अपंग पुजारी को भी वे लोग उठाकर ले गये। स्पीकर सर, यह है सरकार का काम। (सिंचाई एवं विद्युत मन्त्री की तरफ से विघ्न)

श्री अध्यक्षः मो० इलियास जी, आप बैठ जाइए आपको बाद में टाईम देगे आप बीच में न बोलें।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं जो कह रहा था कि वहां लौ एंड आर्डर बिल्कुल खत्म हो गया था। यह बात सही है कि वहां दुकाने जलाई गई और धार्मिक स्थल व मन्दिर खत्म किए गए हैं। बाकायदा वहां लोगों को मारा गया और बहुत से लोग अपने घर छोड्कर चले गये हैं, कई लोगों ने गुडगांव और दूसरी जगहों में शरण ली है। ऐसी असुरक्षा का वातावरण वहां बनाया गया। अध्यक्ष महोदय अगर असुरक्षा का वातावरण नही था तो वहां मिलिटरी क्यों बुलानी पड़ी, कार्फ्यू क्यों लगाना पडा? सुरक्षा का काम सरकार का था और उल्टा काम वहां यह हो रहा था कि सरकार के दो मन्त्री मो० इलियास एवं सखरुल्ला खां लोगों को

भड़क।' रहे थे, इन दोनों ने भीड़ का नेतृत्व किया है, आग लगवाई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मो० इलियास एवं शख्रूल्ला जी आप बैठ जाइए आप दोनों को भी बोलने का टाईम मिलेगा।

प्रो० सम्पत सिंह मैं यह कह रहा था कि सरकार को आग बुझानी चाहिये। (विघ्न) मैं आपसे अपील करतो हूं कि इन दोनों मत्रिंयों के खिलाफ केस रजिस्टर होना चाहिये और इनको गिरफ्तार करना चाहिए और बर्खास्त भी करना चाहिए। दूसरी बात स्पीकर साहब, रिजोल्यूशन में अमैंडमैंट करनी चाहिये। .....
.....

श्री अध्यक्षः इन्होंने केन्द्रीय सरकार के बारे में जो कुछ भी कहा है उसे रिकार्ड न किया जाये।

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर सर, इन्होंने आडवाणी जी का नाम लिया है कांग्रेस (आई)के प्रधान श्री पी० वी० नरसिंहाराव का नाम लिया है। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री अध्यक्षः नेहरा जी, नाम ही लिया है इस में ऐसी कोई बात नहीं **प्रो० सम्पत सिंहः** श्रीमन, नरसिंहाराव भी मौजूद थे। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर सर, लेकिन यह जो बार बार गलत बात कह रहे हैं यह ठीक नहीं है।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इनको तकलीफ क्यों हो रही हे? (व्यवधान)

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप बोलने का टाईम फिक्स कर दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आपको दो मिनट का समय और दिया जाता है। आप जल्दी खत्म करें।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा हूं कि राष्ट्रीय पार्टी के जो राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, उनका नाम यहां पर आया है कि वे कन्डैम करने के लायक हैं, जहां उनके एक्शन इस लायक हैं, ... उनकी इस बात के लिये निन्दा होनी चाहिये कि यह जो सारा कांड हुआ है, इसमें अगर वह इतनी देरी न करते, सही मौके पर अगर वे एक्शन ले लेते, उन लोगों को वहां पर न जाने देते तो यह दुर्घटना न होती। प्रधान मंत्री कोई छोटी–मोटी चीज नहीं होता। 85 करोड़ की जनता को वह रिप्रेजैट करता है। वे भी इस बात की इन्तजार कर रहे थे कि जब उनके हक की वोटों की आउट पुट निकले तो वह एक्शन लेंगे। वह राजनीतिक आउट–पुट निकालने के चक्कर में थे। इन दोनों पार्टियों ने इस देश का बेडा गर्क कर दिया, बंटाधार कर दिया, इसलिये हम दोनों पार्टियों को ही कंडैम करते

हैं। इसमें कन्डैम करने के लिये दोनों का नाम आना चाहिए, धन्यवाद।

श्री अमर सिंह (बवानी खेडा, अनसूचित जाति): स्पीकर साहब, आज इस हाऊस में 6 दिसम्बर, 1992 को हुई घटना के बारे में निन्दा प्रस्ताव रखा गया है। मैं अपनी पार्टी की ओर से इस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। स्पीकर सर, भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे। जिस तरह से राम का नाम बदनाम करके पर्ची की राजनीति की जा रदी है यह सही नही है। भगवान राम जन नायक थे। उन्होने हमेशा मर्यादा को कायम रखा। उन्होंने अपने जीवन काल में कोई भी ऐसी घटना नही घटने दी जिससे किसी मजहब को या किसी धर्म को ठेस पहुंचती हो। लेकिन 6 दिसम्बर को जो घटना हुई है, वह बड़ी ही शर्मनाक घटना है। बड़ी दु:खदायी घटना है। 15 अगस्त, 1947 को आजादी के दौरान जब आबादी का अदल–बदल हुआ, उस समय हुई मौतों का लोगों को इतना दुख नही था, जितना इस मस्जिद मंदिर को तुड़वाने से हुआ है। ये मस्जिद और मन्दिर अगर कोई आदमी भगवान को मानता है, उसके दिल में है। लेकिन अगर पर्चो के लिये या कुर्सी के लिये कोई यह कहे कि अयोध्या में ही राम हैं, तो वह ठीक नहीं हे।

श्री अध्यक्ष: अमर सिंह जी, आप 1० मिनट तक बोल लेना।

श्री अमर सिंहः बहुत अच्छा जी। मैं जल्दी ही खत्म कर दगा। तो मैं यह बात कह रहा था कि अगर कुर्सी के लिये या पर्ची के लिये, जम्हूरियत में राम को अयोध्या में मनाने के लिये जाओगे तो वह केवल दिखावा है परमेश्वर को मनाने की बात नहीं है। इसमें मर्यादा पुरुषोत्म भगवान राम को मानने की बात नहीं है। अगर वे राम को सही रूप में मानते तो वह मन्दिर मस्जिद की शकल में ही है बाबर कभी वहां पर अयोध्या में नहीं आया। बाबर का लड़का करीब 50 आदमियों को लेकर वहा जल्द आया था। वह वहां से सोने का कलश उतार कर ले गया था। वह ढांचा उसी तरह का बना हुआ है। उसी के अन्दर राम लला की मूर्ति है जिसकी हिन्दू उपासना– करते है, अराधना करते है और प्रार्थना करते है, वोटों की नीति के तहत लोगों के अन्दर, उस मस्जिद मन्दिर को तोड़ने की पब्लिसिटी ऐसे ढंग से करदी जिसने सारे भारत के लोगों के अन्दर दुर्भावना भर दी परिणामस्वरूप लोग कहने लगे कि मस्जिद तोड़ कर मन्दिर बनायेंगे। अगर सन 1947 के अन्दर वहां पर मन्दिर बना लेते तो इतना खून खराबा होने वाला नही थो लेकिन उस वक्त तो पर्ची की कोई बात ही नहीं थी। आज पर्ची की बात है, कुर्सी की बात है और प्रधान मन्त्री की सीट की बात है। आज मुख्य मन्त्री बनने की बात भी है। इसीलिये बेगुनाह लोगों का खून करा दिया गया है। मैं यह कहता हूं कि आज इस सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है, उसमें हरियाणा जैसी पीसफुल स्टेट मे जो मन्दिर टूटे हूँ, उनकी बात भी आनी चाहिये थी जो कि भावुकता में आकर तोडे गये हैं। हमें इसका

पश्चाताप करना चाहिये। मेवात के सीरे मुसलमान हिन्दुओं से कंवर्ट हुए है और वें लोग मस्जिद ओं जाते हैं। आज कोई आदमी जो मस्जिद में जाता है और मन्दिर को गिराता है तो वह अपनी आत्मा को गिराता है। स्पीकर सांहब आत्मा को गिराने वाला व्यक्ति कोई अच्छा व्यक्ति नही होता और न ही वह ईश्वर का सच्चा भक्त हो सकता है। स्पीकर साहब, आज मन्दिर यां मस्जिद जो भी गिरे हैं, इसका सारी दुनिया में रिएक्शन हुआ है। बरतानिया में रिएक्शन हुआ है, बंगला देश मे रिएक्शन हुआ है और पाकिस्तान में रिएक्शन हुआ है और हमारे हरियाणा में भी रिएक्शन हुआ है। जिनका कोई कसूर नहीं था, जिनकी मन्दिर और मस्जिद गिराने की कोई भावना नही थी, ऐसी माताओं के लाल और बहनों के भाई खत्म कर दिए गए। हजारों लोग मौत के घाट उतार दिए गए जिनका कोई कसूर रही था। वे मन्दिर को नही मानते थे और' न ही उनका मस्जिद में कोई विश्वास था, उनका कत्ल कर दिया गया। भगवान का नाम लेने वाले ऐसे लोगों की जीभ पर फोड़े निकलें। राम और खुदा का नोम लेकर मन्दिर और मस्जिद को जो लोग गिराते हैं, यह कोई अच्छी बोत नही है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं –

मालिक ने हूर इंसान को इंसान बनाया,

हमने उसे हिन्दू और मुसलमीन बनाया,

कुदरत ने तो दी थी हमे एक ही धरती,

हमने कही हिन्दू, कडी पाक और कड़ी बंगला बनाया।

स्पीकर साहब, मजहब तो हम अपने मतलब के लिए ही बनाते हैं। अध्यक्ष महोदय, इधर जो भाई बैठें हैं वे यह ने समझें कि उनकी जिम्मेदारी नही है। इनकी जिम्मेवारी पूरी है। इस सदन में लोगो ने हमको चुनकर भेजो है, वह इसलिए भेजा है कि कोई गल्त काम न किया जाए। इसके लिए हम सब जिम्मेदार हैं। भारत सरकार ने छः दिसम्बर की घटना के बाद जितनी तेजी से काम किया है, अगर उससे पहले वह आधी तेजी से भी काम करती तो यह कत्लोआम न होती। डन लोगों का भारत सरकार ने एतबार किया। वहां के चीफ मिनिस्टर ने ऐफीडेविट भी दिया। प्रिंसीपल सेक्रेटरी, होम सेक्रेटरी, चीफ सेक्रेटरी ने हाई कोर्ट में और सुप्रीम कोर्ट में ऐफीडेविट दिया और प्राईम मिनिस्टर को यकीन दिलाया, राज्य सभा के चेयरमैन और लोक सभा के अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि लोग वहां पर इकट्ठे होंगे और भजन कीर्तन करेंगे, गाना गाएंगे और हम इस बात की जिम्मेदारी लेते हैं कि कोई भी आदमी मस्जिद को हाथ नही लगाएगा। अध्यक्ष महोदय, वहां पर अनडिजायरेबल एलीमैन्ट इकट्ठा हो गया था। बीस तीस हजार की बजाए अगर वहांपर दो तोन लाख आदमी इकट्ठे हो गए थे तो उनको कौन कन्ट्रोल करेगा? इस बात को नहीं सोचा गया। कन्ट्रोल करने की व्यवस्था सरकार के हाथ से निकल गई। स्पीकर साहब, यू०पी० सरकार ने जान बूझकर तय किया हुआ था कि मस्जिद गिरानी है क्योंकि उसने इसी बिना पर वोट मांगी थी कि

मस्जिद को जगह मन्दिर बनाया जाएगा। स्पीकर साहब, मस्जिद गिर गई, गिराने के बाद क्या रिएक्शन हुआ और 1947 का दृश्य बन गया। आज हालत यह है कि कुछ इलाकों में जाने से डर लगता है। आज एक व्यक्ति दूसरे शहर में जाने की हिम्मत नहीं करता।

अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान का सैकूलरइज्म गिरा है, हिन्दुस्तान का सैकूलरइज्म हथौड़ों से गिराया गया है। ऐसी हालत में हम दुनिया को सैकूलरइज्म का क्या रास्ता दिखा सकते है? आज उस सैकूलरइज्म को हमने हथौड़ों से गिरा दिया है और उसका रिएक्शन इतना खतरनाक हुआ कि हजारों बेगुनाह आदमी कत्ल कर दिए गए। यह बहुत ही गम्भीर मसला है। स्पीकर साहब, यह कोई हंसने की बात नहीं है। इसमें हमारे भविष्य का सवाल है, हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का सवाल है। अब सवाल यह है कि हम सैकूलरइज्म को मैनटेन कर पाएंगे या नहीं। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान की जम्हूरियत और हिन्दुस्तान की अखंडता आज खतरे में है। हिन्दुस्तान की आजादी केलिए स्पीकर साहब, लाखों लोगो ने कुर्बानी दी है। आज उन लाखों करोड़ों लोगों का खून पुकार पुकार कर कह रहा है कि हमने अपना खून देकर के किस तरह से आजादी हासिल की थी लेकिन ये लोग देश की आबरू को खत्म करने पर उतारू है। देश के साथ किस तरह से खिलवाड़ कर रहे हुं देश में से सैकूलरइज्म खत्म करना चाहते हैं। आज भाई–भाई को किस तरह बेरहमी से मार रहा है? आज देश

के अन्दर धर्म के नाम पर किस तरह से लड़ाई झगड़े करवाये जा रह हैं लेकिन सरकार फिर भी इस को बन्द करवाने में पूरी तरह से नाकाम रही है। सरकार को इस काम को बन्द करवाना चाहिए था लेकिन इस की रोकथाम नेताओं ने नहीं की, जिसके कारण आज देश बड़े भारी संकट में फंसा हुआ है। मैं मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि यह मसला आपसी नुक्ताचीनी का नहीं होना चाहिए। आपस में किसी को नुक्ताचीनी की बिनाह पर एक दूसरे को नहीं घसीटना चाहिए। इसमें किसी बड़े छोटे का सवाल नहीं होना चाहिए बल्कि मिल कर देश की स्वतन्त्रता, अखण्डता को हर कीमत पर कायम रखना चाहिए। इस समय स्पीकर साहब, देश के सामने आपसी प्यार, मुहब्बत, आपसी भाई चारे का सवाल सब से पहला मसला है जिसकी ओर सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए और बैड ऐलीमैन्ट्स को खत्म करना चाहिए। जिन्होंने धर्म के नाम पर देश के अन्दर गड़बड़ करवाने की कोशिश की है, उनकी जम कर निन्दा की जानी चाहिए।

स्पीकर साहब, 6 दिसम्बर को अयोध्या में जो जो घटनाएं घटीं वे वाकई घृणास्पद थीं जिनकी जितना निन्दा की जाए, वह थोड़ी है। उस पर जितनी आपत्ति की जाए, थोड़ी है। इस घटना से आज सारे देश का सिर शर्म से झुक जाता है। मैं मुख्यमन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि वे अपनी नजर केवल एक तरफ ही न दौड़ाएं। इस समय आपसी नुक्ताचीनी की बात को भुलाकर, भाई चारे की भावना लोगों के दिलों में भरने की जरूरत

है। हम सब चाहे सिख हैं, मुसलमान हैँ, ईसाई हैं, हिन्दु हैं, सब भाई भाई है। सभी को अपने अपने धर्मों पर पूरा विश्वास है। इससे आगे स्पीकर साहब, मैं सरकार के सामने एक और बात रखना चाहता हूं। सरकार मेवात के ऐरिया की ओर विशेष ध्यान देवें ताकि जाए घटनाएं पहले घट चुकी है, वे दोबारा न घटें। यह उचित समय है अब सरकार को अच्छे पग उठाने की आवश्यकता है ताकि पिछले कई सालों से बना आपसी भाई चारा लोगों में बना रह सके। जितने मन्दिर मस्जिद मेवात के इलाके में हैं, उन सब की देखभाल की जिम्मेवांरी सरकार की होनी चाहिए ताकि कोई शरारती तत्व उनको नुक्सान न पहुंचा सके। जो जो घृणित बातें हैं, उनको निन्दा की जानी चाहिए। अन्त में, मैं इतना ही कहू कर अपना स्थान लेता हूं कि यह जो निन्दा प्रस्ताव इस सदन में पेश किया गया है, उसका मैं अपनी व अपनी पार्टी की ओर से पूरा समर्थन करता हू। इसकी शर्त यह है कि मेवात के बारे में सिटिंग जज से इन्कवायरी करवाई जाए। मैं स्पीकर साहब का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे यहां अपने विचार रखने का मौका दिया धन्यवाद। जय हिन्द।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह (उचानाकला): स्पीकर साहब, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि पास्ट प्रैक्टिस के अनुसार आप हाउस में पार्टी पोजीशन को देखते हुए एक मैम्बर उधर से और एक मैम्बर इधर से बुलवाएं ताकि हाऊस की व्यवस्था सही ढंग से चलती रहे।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण––

सिचाई एवं बिजली राज्य मन्त्री (श्री मोहम्मद इलियास)द्वारा–

अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने सदन के अन्दर जो निन्दा प्रस्ताव रखा है, मैं उसके समर्थन में बालने के लिए खडा हुआ हूं। मेरे से पहले बोलने वाले कुछ साथियों ने मेरे व खासतौर पर श्री शक्रुल्ला साहब के बारे में काफी कुछ कहा है। मैं तो अपने बारे में कुछ कहूंगा। शक्रूल्ला साहब अपना जवाब खुद देंगे। मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने पार्टीशन के वक्त, सन् 47 के बाद इस वाक्या का जिकर किया कि किस तरह का शर्मनाक वाक्या हमारे देश में 1947 के बाद अब हुआ है जिससे हमारा सिर शर्म और गैरत से झुक जाता है। हमारा देश एक प्रजातान्त्रिक देश है। इस देश की यह परम्परा रही है कि इस देश में सभी धर्मों के लोग आपसी मेलजोल से मिल कर रहते हैं, सभी धर्मो का मान सम्मान होता है लेकिन दूसरी तरफ से सियासी पार्टियां, सियासी लोग अपने मुफाद के लिये, अपनी कुर्सी के लिए संविधान की सभी परम्पराओं को भूल करके, अपनी कुर्सी को बचाने में लगे रहे। देश के हित को उन्होंने बिल्कुल तरजीह नहीं दी, केवल अपनी कुर्सी का ही लालच अपने सामने रखा, जिसके कारण आज मुल्क में ऐसे हालात पैदा हुए। स्पीकर साहब, जो भी इन्सान दुनिया मे आया है, वह अपने अपने विचारों से, अपने अपने धर्मों के साथ जुड़ा हुआ है। हिन्दुस्तान में चाहे कोई ईसाई है, मुसलमान है, सिख है या हिन्दु हैं, वे सब अपने भाई हैं। वे सभी भारत के संविधान के मुताबिक अपने अपने धर्मों का पालन कर रहे

हैं, मान रहे हैं। इस हिन्दुस्तान में, चाहे कोई भी नागरिक है, उसको अपने अपने धर्म का पालन करने की पूरी आजादी मिली हुई है। हुमारे संविधान में सब कुछ अलाउ कर रखा है। लेकिन स्पीकर साहब, 6 दिसम्बर को अयोध्या में हमारे भारतीय जनता पार्टी के वर्करों व उनके मर्कजी लीडरों ने जो कुछ करवाया, वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। वह सारे हिन्दुस्तान के सामने है कि किस तरह से वहां पर मस्जिद को गिरवाया गया और पत्रकार भाइयों को मारा पीटा गया। यह बड़ी ही दुखदायी व गैरत भरी हरकत उन्होंने वहां पर करवाई जिसकी जितनी निन्दा की जाए, थोडी है।

अब मैं स्पीकर साहब, अपने मेवात के इलाके के बारे में भी कुछ विचार रखना चाहूंगा। सबसे पहले श्री सम्पत सिंह जी ने कहा कि दोनों मन्त्रियों का दंगा भड़काने में बराबर का हाथ रहा है। वैसे तो इस बात की तसदीक की जरूरत नही थी लेकिन चूकिं यह बात हाउस में आई है, इसलिए मुझे इस बारे में बताना पड़ेगा। 6 तारीख को यह हादसा हुआ। सात तारीख को शाम एक बजे आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने कैबिनेट की मीटिंग में कहा था कि मेवात में शान्ति भंग होने का कुछ अन्देशा है। हम दोनों मण्डी उस मीटिग में मौजूद थे। तो उस दिन जब हम चण्डीगढ़ में थे तो दंगा भडकाने में हमारा हाथ कैसे हो सकता है ? वहां पर अगर कोई थोडी बहुत घटना हुई होगी तो मैं उसके बारे में भी बताउंगा कि कैसे हुई। लेकिन जब हम चण्डीगढ में थे तो हमने

वहां हिस्सा कैसे लिया इसका अन्दाजा तो हाउस खुद लगा सकता है। (शोर)दूसरी बात यह है कि फिरोजपुर झिरका में कोई बात हुई ही नही। पुनहाना और नूह में थोड़ा बहुत हादसा हुआ। वहां भी जितना इन्होंने कहा उतना नही हुआ बल्कि बहुत थोडा हुआ। (शोर)

प्रो० राम बिलास शर्माः .....

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी आपको टाइम देंगे, उस वक्त आप अपनी बात कह लेना। (शोर)राम बिलास जी ने जो कुछ मेरी परमिशन के वगैर कहा वह रिकार्ड न किया जाए।

प्रो० राम बिलास शर्माः ऋ ज्ञ कं

श्री मोहम्मद इलियासः यह सारा काम बी०जे०पी०, आर०एस०एस० और शिव सेना ने किया था।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा राम बिलास जी से कहना चाहूंगा कि वे बहुत सीनियर मैबर है, इस तरह उनको कहना शोभा नहीं देता। वे तो इस तरह कह रहे थे जैसे वे कोई थानेदार हों और ये चोर हो। ऐसी बात करना ठीक नही है। (शोर)शर्मा जी, जितना आपका कद है, जितनी आपकी आवाज है और जिस तरह से आप डराते है, यह ठीक नहीं है। हमारे में भी इतनी ताकत है कि हम इससे भी ज्यादा कह सकते हैं। इसलिए इस तरह की बात करना मुनासिब नही है।

17.00 बजे

श्री मोहम्मद इलियासः स्पीकर साहब, मुझे इस बात का फख है कि मेवात में 700– 800 गांव हैं जिनमें 10 परसैंट हिन्दु भोई रहते, हैं और उनमें मन्दिर है। उस सारे देहात के इलाके में 300–400 मन्दिर होंगे, वहां पर किसी ने भी एक मन्दिर को हाथ तक नही लगाया। हर गांव में किसी में 10, किसी में 15 और किसी में 50 हिन्दु भाइयों के घर हैं लेकिन एक भी भाई ने उफ तक नहीं की। जो बीत श्री सम्पत सिंह और राम बिलास शर्मा कह रहे हैं, उसके बारे में मेरी यह दलील है कि वहां पर जो कुछ भी किया है, वह असामाजिक तत्व, बी०जे०पी०, शिव सेना और आर०एस०एस० वालों ने किया है। मेवात के देहात के इलाके में 5 परसेट मन्दिर हैं लेकिन किसी ने भी एक मंदिर को हाथ तक नहीं लगाया। अगर किसी कस्बे में थोड़ा बहुत कुछ किया है तो वह असामाजिक तत्व, बी०जे०पी०, आर०एस० एस० और शिव सेना की बदौलत हुआ है।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इस मामले में राम बिलास शर्मा भो शामिल हैं और कांग्रेस वाले भी शामिल हैं। आप विकास पाटी वालों की एक समिति बना दें जो मेवात के बारे में जांच करके अपनी रिपोर्ट आपको दे दे, क्योंकि विकास पाटी के सदस्य बीच के आदमी हैं।

श्री मोहम्मद इलियासः स्पीकर साहब, इन्होंने एक बात यह कही कि वहां पर एक महात्मा को जलील किया गया लेकिन मैं कहता हू कि मेवात के अन्दर किसी भी साधू को जलील नहीं किया गया। किसी को हाथ तक नहीं लगाया गया। इनकी यह बात सरासर गलत है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। किसी भी साधू को हाथ तक नहीं लगाया गया। बी०जे०पी० वालों ने अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए ही सारा माहौल खराब किया है। राम बिलास जी और सम्पत सिंह जी ने जो बात कही है, उस बारे में मेरी यही दलील है कि वहां पर ऐसा कुछ नहीं हुआ है, जैसा इन्होंने कहा है। स्पीकर साहब, मैं एक मिनट और, बोलना चाहूंगा। श्री सम्पत सिंह और राम बिलास शर्मा जी ने एक बात कही कि मेवात में ला एंड आर्डर की सिचुएशन ठीक नही है। मैं कहता हूं कि अगर वहां ला एंड आर्डर की सिचुएशन ठीक न होती तो हालात बहुत खराब होते। वहां पर पुलिस की गोली से एक आदमी मरा है। यदि कानून व्यवस्था ठीक न होती तो वहां हजारों आदमी मरते। वह्हां पर जो कुछ भी किया गया वह असामाजिक तत्व, बी०जे०पी०, आर०एस०एस० और शिव सेना द्वारा किया गया है। (व्यवधान व शोर)

सरकारी सकल्प (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब राम बिलास जी बोलेंगे। आप ईमोशनल न हों, गम्भीरता से बोलें।

प्रो० राम विलास शर्मा (महेन्द्रगढ़): स्पीकर साहब, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद आपने मुझे बोलने का समय दिया। मुख्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है, वह पूरे का पूरा राजनीति से प्रेरित है। अध्यक्ष महोदय, आज सारी दुनिया में अयोध्या काण्ड एक चर्चा का विषय बना हुआ है। इस विषय पर राजनीतिक इन्टरप्रटेशन्ज आफ दी कांस्टीच्यूशन्ज दी जा रही हैं, राजनीतिक व्याख्याएं हो रही है। (विघन)अध्यक्ष महोदय, 6 दिसम्बर को जो घटना अयोध्या में घटी है, उस बारे में में बताना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान के सबसे बड़े प्रदेश, जिसमें 14 करोड़ लोग रहते है, उनका लोकप्रिय जनादेश लेकर हमारी पार्टी की सरकार सत्ता में आई थी। उस सरकार ने बाकायदा लिखकर सदन में दियों और प्रधानमन्त्री महोदय को भी दिया कि वह कार सेवकों पर गोली चलाने का आदेश नही देगी परन्तु ढांचे की सुरक्षा जरूर की जाएगी। यी सभी बातें बाकायदा फाइलों पर हैं। ये सरकारी फाईलें हैं जो आज भी हैं और सारा रिकार्ड मौजूद है। (शोर)धन्य है कल्याण सिह की जननी और वह पार्टी जिसने कल्याण सिंह जैसे महान व्यक्ति को इतने बड़े प्रदेश का मुख्यमंत्री चुना। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अभी तक तो मैंने किसी का नाम नहीं लिया, ये बार बार मुझे बोलने से रोक रहे हैं, यह अच्छी बात नहीं है। कल्याण सिंह जी ने स्पष्ट कहा है कि इस बारे किसी सरकारी अफसर की कोई जिम्मेवारी नहीं बनती क्योंकि जो भी जिम्मेवारी बनती है, वह मेरने बनती है। इस हिन्दुस्तान का कानून जो भी सजा देना चाहे, वहं मुझे दे लेकिन किसी अफसर को कोई सजा

न दे क्योंकि मैंने लिखकर दिया है कि कार सेवकों पर गोली न चलाई जाये। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जब स्थिति काबू से बाहर होती चली गई और 4. 30 बजे सांय के आसपास कुछ शरारती तत्वों द्वारा ढांचा गिराना शुरु कर दिया गया तो उसी समय उन्होंने इस्तीफा दे दिया। (विघ्न) स्पीकर साहब, यदि ये इसी प्रकार से बूट मैजोरिटी के आधार पर मुझे अपनी बात कहने नहीं देना चाहते तो यह कोई ठीक बीत नहीं है। आप इन्हें रोकिए। अध्यक्ष महोदय, आज भी कल्याण सिंह जी कह रहे हैं कि हिन्दुस्तान की आजादी के बाद से लेकर आज तक, ऐसा कोई मंत्री या मुख्यमंत्री नहीं निकला जिसने सारी जिम्मेवारी लिखकर अपने०पर ले ली हो। उन्होंने लिखकर दिया कि कार सेवकों पर गोली न चलाई जाये, इसलिए इसमें किसी अफसर की कोई जिम्मेदारी नही है, सारी जिम्मेवारी मेरी है। (विघ्न) जब यह ढांचा गिरने लगा तो उन्होंने अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। (विघ्न) इस प्रकार से नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए हमारे आदरणीय नेता श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी ने संसद के विपक्ष के नेता पद से इस्तीफा दे दियो। (विघ्न) स्पीकर साहब, मुझे एक भी शब्द बगैर टोका–टाकी के बोलने नही दिया जा रहा। (विघन)आप इतने तीसमारखां हैं ता बाहर मैदान में आ जाएं। (हंसी)आप लोग राम का विरोध कर रहे हैं। (विघन)मैं कह रहा था कि मुख्यमंत्री श्री कल्याण सिंह जी ने और आडवाणी जी ने अपनी जिम्मेवारी समझते हुए अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। कल्याण सिह जी ने तो अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे

ही दिया था लेकिन भारत सरकार ने उनकी सरकार को बर्खास्त ही कर दिया। अध्यक्ष महोदय, प्रधान मन्त्री जी ने कहा कि कल्याण सिंह की सरकार चूंकि ढांचे की रक्षा नहीं कर सकी, इसलिए हम उत्तर प्रदेश की गवर्नमैंट को डिसमिस करते है जबकि कल्याण सिंह जी ने 4 बजे ही इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद भी 36 घण्टे तक वहां पर कार सेवा चलती रही मुख्य मन्त्री जी आज इस मुद्दे पर अपना स्टैंड बदल रहे हैं। जब एन० आई० सी० की मीटिंग हुई थी तो वहां पर इन्होंने राम जी का 'मन्दिर' ही कहा था और आज भी इनके मुंह से 'मन्दिर' ही निकला है। वहां पर मस्जिद नहीं थी (विघन एवं शोर)1936 में ब्रिटिश गवर्नमैंट ने इसका फैसला किया। (विघन)उस वक्त मैं नहीं था, आप नहीं थे। ब्रिटिश गवर्नमैंट ने 1936 में फैसला किया that is a Hindu Temple वहां पर मन्दिर है। स्पीकर सर, 1936 में फैसला हुआ, 1949 में राम लला विराजमान हुए, किसी ने विरोध नहीं किया। लोगों ने 1986 में वी०पी० सिंह जी की सरकार से न्याय. मांगा, केन्द्र सरकार से न्याय मांगा। पी०वी० नरसिम्हा राव ने साधू–सन्तों के पैर पकड़े और 3 महीने का समय मांगा, 4 महीने का समय मांग', उसके बाद स्थिति का प्रोवोकेशन किया और हमारे लोगों की मौजूदगी में स्ट्रक्चर की रक्षा नहीं हो सकी। हमारे लोगों ने और हमारे बड़े से बड़े नेता ने इसके लिए अपनी नैतिक जिम्मेदारी ली और इस्तीफा दिया। स्पीकर सर, इस घटना का राजनीतिकरण किया गया। भाजपा को मसल दो, भाजपा को रगड़ दो। भाजपा की 3–3 सरकारों को तोड़ कर लोगों की भावनाओं को जिस तरह से

कुचला गया, यह उसका प्रमाण है। कल्याण सिंह की सरकार 5 साल का मैडेट ले कर आई थी। मन्दिर के निर्माण में जो अड़चनें हैं, उन को हटाने के लिए जनता ने इस सरकार को 5 साल का मैंडेट दिया था। स्पीकर सर, आज किस तरह से देश में प्रजातन्त्र को कुचला जा रहा है। भाई मुहम्मद इलियास संविधान की बात कह रह थे। इस कांग्रेस की गवर्नमैंट ने एक 73 वर्षीय महिला की हमारी बूढ़ी बहन शाहबानो ..... संविधान में अमैंडमैंट कर दिया गया।

श्री अध्यक्षः शाहबानों के केस के बारे में जो कहा गया है, वह रिकार्ड न किया जाए।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, आर० एस० एस० पर पाबन्दी लगा दी जाए, मुख्य मन्त्री जी. ने यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। स्पीकर सर, आर० एस० एस० के बारे में मैं 1963 की एक घटना का वर्णन करना चाहता हूं। 1962 के युद्ध में जब देश चीन से हार गया तो पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने संघ के कार्यालय 'झण्डे वाला' में फोन करवाया कि इस बार नैशनल परेड में मैं संघ के लोगों की टुकड़ी को निकालना चाहता हू। देश का मनोबल अभी टूटा नही है, यह मैं लोगों को दिखाना चाहता हूं और 26 जनवरी, 1963 की नैशनल परेड में उस समय संघ के लोग गणेश पहन कर निकले थे। It is a matter of fact, which can be varified from the record. उसके बाद काग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई तो श्री गुलजारी लाल नन्दा ने पण्डित नेहरू

जी से पूछा कि आपने संघ का प्रचार नैशनल मीडिया से करवा दिया। Pt. Jawahar Lal reacted to that, that it is a fact that I have some political differences with R.S.S. but about their patriotism, I have no doubt. This is not my certification but Pt. Jawahar Lal Nehru said these words at that time. यह पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था। स्पीकर सर, आज जिस तरह से इस घटना का राजनीतिकरण कियी जा रहा है, इसको मुद्दा बना कर भाजपा को कुचलने का प्रयत्न किया जा रहा णै, राम का नाम लेने पर पाबन्दी लगाई जा रही है। इस प्रकार आज हिन्दू होना पाप हो गया है इस देश में। स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी ने जैसे कहा था, उन्होंने बाहर भी कहा था कि भाजपा पर पाबन्दी लगा दो और सब को बंगाल की खाड़ी में फेंक दो। राम का नाम लेने वालों को देश निकाला दे दो। हमको वह मन्सूर है। (विघन)7 तारीख की घटनाओं पर मेरी भावनाएं भड्की। स्पीकर सर, मैं 13 तारीख को मेवात मे हो कर आया हूं और वहां के लोगों सै मिला हूं। (विघन)स्पीकर साहब, मैं आपके सदन का एक अनुशासित सिपाही हूं। मैं आपसे गुजारिश करता हूं किं सदन के तीन सदस्यों की एक कमेटी बना दीजिए। जो नूह में मन्दिर टूटे हैं, उनके बारे में अपनी रिपोर्ट दे। नूह में टूटे 'रा कुछ मन्दिरो को मैंने स्वयं देखा है। वहां पर एक रविदास का मन्दिर है, भगवान रविदास की मूर्ति को बुरी तरह से जला कर राख कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही कहा है कि आप पु सदस्यों की समिति बनाएं और कांग्रेस के ही लोगों को उसमें

रखें। वे वहां पर जाकर देखें कि क्या एक भी मन्दिर आज नूह में साबित बचा है? अध्यक्ष महोदय, वहां पर गरीब आदमियों ने मन्दिर के निर्माण के लिए पत्थर की टुकड़ी, गटर और सीमैंट लाया गया था, परन्तु वहां से सीमैंट, गटर और पत्थर– की टुकड़ा को ले गए और सब कुछ तहस–नहस कर गए।

श्री मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर देहात में कोई भी मन्दिर टूटा हो तो मैं इस्तीफा देता हूं, नही तो ये इस्तीफा दे दें। अलबत्ता कस्वे में जरूर मन्दिर क्षतिग्रस्त हुए है।

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं इनका चौलेंज स्वीकार करता हू। मोहम्मद इलियास ..... तो स्पीकर साहब, आप वहां जाएं और देखें। ये कहते हैं कि एक भी मन्दिर नही टूटा पर मैं यह कहता हूं कि अगर वहां पर एक भी मन्दिर बचा हुआ हो तो मैं इस्तीफा देता हूं। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, आप और विपक्ष के नेता वहां पर जाकर इन्कवायरी करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मोहम्मद इलियास जी आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)कादियान जी, आप भी बैठ जाएं और शर्मा जी आप जल्दी ही वाइंड–अप कीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायन्ट आफ आर्डर है। अभी इलियास जी ने और रामबिलास जी ने एक दूसरे को चौलेंज किया है कि हम इस्तीफा देते हें। तो अध्यक्ष महोदय,

आप पहले इनसे इस्तीफा ले लें और बाद में जांच करवाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः शमी जी, आप जरा जल्दी खत्म कीजिए।

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, उसके बाद भूतेश्वर मन्दिर के बारे मे बताऊं कि वहा पर सन् 1947 में चार घोड़े लगा कर शिवलिंग को हटाने का प्रयास किया गया था लेकिन वह नहीं हट पाया। फिर टायर में आग लगा कर जला दिया। अध्यक्ष महोदय, आज भी उसकी राख वहां पर मौजूद है और जो भी वहां पर आभूषण थे, सब के सब ले गए, एक भी आभूषण वहां पर नहीं छोड़ा। एक भी मूर्ति खण्डित किए बगैर नही छोडी। अध्यक्ष महोदय, यहां तक ही नहीं, मूर्तियों को सड़क पर ले जाकर उन पर जूते मारे गये, उन पर पेशाब किया गया। भूतेश्वर के बाद वहां पर हिन्दुओं की एक शमशान भूमि है, वही पर देवी का एक मन्दिर है, उसको भी बर्बाद किया। एक चूहीवाला तालाब पर मन्दिर है, वहां राजेन्द्र पुरी साधू हैं उनको बांध दिया गया। अध्यक्ष महोदय, सबसे जलील काम यह हुआ कि वहां पर बहुत पुरानी गौशाला है और स्वामी रामेश्वरानन्द जो 85 साल के बुजुर्ग हैं, जिन्दा हैं। अध्यक्ष महोदय, उस गौशाला में 81 गायें थी। एक गाय को जिन्दा जला दिया गया जो आज भी वहां के प्रांगण में दबी हुई है। यह वहां जाकर देखा जा सकता है। एक गाय को गौशाला के आगे काट दिया गया और बाकी 79 को भगा ले गए। अध्यक्ष महोदय, 3 हजार मन चारे को आग लगा दी।

(शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, अजमत खां जी मुझे उस दिन गांव में मिले थे और इन्होंने स्वीकार किया था कि मैंने 9 गायें बरामद कराई है। उसके बाद उलहाना में सीता–राम की बगीची के मन्दिर को बुरी तरह से तोड़ा गया और 27 घर सैनी बिरादरी के थे, कमको आग लगा दी गई। (शेम–शेम)अध्यक्ष महोदय, नगीना में संतोषी माता के मन्दिर को भी आग लगा दी गई। राजेन्द्र जैन जो समाजवादी जनता पाटी का कार्यकर्ता है, आज भी उसकी पीठ में फरैक्चर है और उसके सिर में टांके लगे हुए हैं। पिलगवा ढाढस गांव में स्वामी अमरानन्द जी का आश्रम है। वे वैदिक प्रचार मण्डल चलाते हैं, उनकी उम्र 80 साल की है। अगर वहां पर जाकर देखा जाए तो आप देखेगे कि आश्रम की कोई भी छत साबत नही बची है, किसी भी दीवार की ईट बाकी नही है। ऐसा लगता है जैसे आश्रम बुलडोजर से तोड़ा गया हो। अध्यक्ष महोदय,०जीना गांव से ठाकुर किशन सिंह आज तक लापता हैं। इस के बाद एक सूढां गांव का रमजान था जो उनके साथ पार्टनर था। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई को मैं दबा नही सकता। सच्चाई इतनी गहरी होती है कि वह पीढ़ियों तक भी प्रकट हो जाती है। स्पीकर सर, उस किशन सिंह की और सीताराम पुजारी की लाश का आज तक पता नहीं चला। सर, मैं आपको ठेहढ गांव के सरपंच कल्लू खां के बारे में बताना चाहता हूं, यह बात मैंने ही नही बल्कि इकोनोमिक टाइम्स के एक पत्रकार ने स्वयं जाकर वहां लोगों से बात करने के बाद कही है। स्पीकर सर, यह उस पत्रकार की अपनी फाईडिंग्ज हैं। उस ने बताया कि उस कल्लू खां ठेहड

गांव के सरपंच को खुद मंत्री महोदय थाने में छुड़वाने के लिए गये थे ये थाने में जाकर कहने लगे कि या तो इसको छोड़ दो, वरना मैं यहीं पर वरना देकर बैठ जाऊंगी। तब वहां के कर्नल ढिल्लों और कर्नल त्रिपाठी ने इनसे कहा कि इस आदमी को हमने खुद दंगे करवाते हुए और आग लगाते हुए पकड़ा है, इसलिए हम इसको नही छोड़ेने, तब जाकर मंत्री महोदय वहां से आये। स्पीकर सर, मौ० इलियास यदि कुछ भी गैरत रख–तें हैं तो इनको इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि इनका पोलिटिकल सैक्रेटरी मिस्टर अंसारी जो वहां पर दंगाइयों को लीड कर रहा था ..... (शोर एवं व्यवधान)स्पीकर सर, उसके बाद नौ० इलियास और शकरूल्ला खा दोनों भादस गांव में गये और कहने लगे कि अरे यह बिल्डिग तो फिर भी हिन्दू बना लगै इसलिए आदमियों का मारो।

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आपका टाइम समाप्त हो गया है।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि कर्नल ढिल्लों ने चौ० शकरूल्ला खां को कहा कि आप कम से कम इस राष्ट्रीय झंडे का कुछ तो सम्मान रखो, कुछ तो इसका लिहाज करो। आप थाने में ऐसे क्रिमिनल आदमी को छुड़वाने के लिए आ गये हो, इसके लिए तो आप टेलीफोन भी कर सकते थे। उसके बाद गुडगावां का एस०पी० इनको अपने साथ लेकर आया। स्पीकर सर, यह बात ठीक है कि कुछ लोग मेवात में

अल्पसंख्यक हैं। लेकिन चूंकि ये दोनों लोग मंत्री है और प्रशासन इनके हाथ में हैं, इसलिए मैं तो एक ही बात कहना चाहता हूं कि मुझे आप पर पूरा भरोसा है, मेरा फेथ आपके०पर है। मैं भी त्याग पत्र देता हूं ये भी दे दे और आप स्वयं और चौ० भजन लाल जी दोनों इसकी जांच कर लें। नूह में जिन मन्दिरों के, जिन संस्थाओं के मैंने नाम लिये हैं, या गाय के जिंदा जलाने वाली बात प्रमाणिकता से कही है, आप उस प्रांगण को खुदवाकर देख लें और अगर इसमें कहीं भी कोई असत्य बात हो तो जो भी आप चाहे मुझे सजा दे सकते हैं। अगर बाबरी ढांचा गिराने पर कल्याण सिंह की सरकार को भंग किया जा सकता है तो इन दोनों मंत्रियों को भी यहां पर गिरफ्तार किया जाना चाहिए। चौ० भजन लाल जी स्वय राम भक्त है, वे इसकी जांच किसी भी तरह से करवायें।

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आपका टाइम समाप्त हो गया है।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, यह जो निन्दा प्रस्ताव है, इसको आप बेशक पास कर दें, लेकिन यदि राम का नाम लेने पर पाबंदी लगती है, हिन्दू होने पर पाबंदी लगती है तो हमें यह पाबन्दियां स्वीकार है। अयोध्या में जो कुछ हुआ, उसकी सारी जिम्मेदारी बी० जे० पी० की ही नहीं थी। इसका कारण यह भी है कि लोगों को समय पर न्याय नही मिला। स्पीकर सर, बी०जे०पी० की राज्य सरकारों में कहीं पर भी साम्प्रदायिक दंगा

नहीं हुआ जबकि सुबह भी सदन में यह बात आयी थी और अब भी आयी है कि वहां पर दंगा हुआ है। स्पीकर सर, यह तथ्य है, यह सच्चाई है कि कहीं पर भी हिन्दुओं ने इक्ट्ठे होकर किसी मुस्लिम भाई को कभी तंग नही कियॉ। यह जो वारदात हुई, यह इसलिए हुई कि एक सम्प्रदाय के लोगों ने मिलकर पुलिस बलों पर हमला किया और उनमें उनकी जाने गयीं परन्तु फिर भी हिन्दू मुसलमान नहीं लड़े। स्पीकर सर, मैं चाहता हूं कि बंगलादेश से, पाकिस्तान से और अफगानिस्तान से आए हुए सरदार त्रिलोक सिंह जी और सरदार सतपाल सिंह जी का इन्टरव्यू महत्वपूर्ण है जो उन्होंने अटारी रेलवे स्टेशन पर दिया था कि वे महफूज नहीं हैं। वे अपना करोडों रुपये का कारोबार छोड्कर अपनी बहन–बेटियों को लेकर आ गए हैं। स्पीकर सर, यदि इस सदन में स्वाभिमान है तो मैं सदन से रिक्वैस्ट करूंगा कि इस प्रस्ताव में यह भी आना चाहिए कि जो बंगलादेश मे हिन्दू भाइयों के साथ हुआ और जो पाकिस्तान और अफगानिस्तान से शरणार्थी बनकर आ रहे हैं, केन्द्रीय सरकार को चाहिए कि इस प्रस्ताव के माध्यम से इन सरकारों से सख्ती से निपटे। (व्यवधान)

Mr. Speaker : Sharma Ji, your time is over. Please sit down. (Interruptions) Kadian Sahib, you also please sit down.

प्रो० राम बिलास शर्मा: स्पीकर सर, यदि हम यह प्रस्ताव आज पारित करै कि जहां–जहां से शरणार्थी बनकर आ रहे हैं, अपना कारोबार छोड्कर आ रहे हैं और मेवात में जो करोड़ों

रुपये की संपत्ति जली है, उसका भी यदि हम इस प्रस्ताव में जिक्र कर देते तो ज्यादा सार्थक होता और आम आदमी की भावनाओं का रि–प्रैजेन्टेशन होता। केन्द्रीय सरकार एक तरफा ब्रूट मैजोरिटी के आधार पर सरकारों को भंग कर दे, लोगों की जुबान पर ताले लगा दे (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः आन ए प्याइंट आफ आर्डर सा, सरकार के मंत्री खड़े हुए हैं, इनको बैठाइए। (शोर)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

प्रो० सम्पत सिंहः द्वारा–

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बोलिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, मुझे भी टाईम दीजिए।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी को तो मैंने बोलने का टाइम दिया था।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, मैं बोलने के लिए खड़ी हुई थी किन्तु मुझे मौका ही नही दिया गया।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, आप बैठ जाइए, आपको बोलने का टाइम बाद में देंगे।

प्रो० सम्पत सिंह (भट्टूकलां): स्पीकर सर, मंत्री जी अपने जवाब में कह गए थे कि..... (शोर)स्पीकर सर, इसमें दो राय नहीं

कि मेवात के लोग आपस में बहुत शान्ति से रहते हैं और साम्प्रदायिक बात वो बेचारे वहां नही करते चाहे हिन्दू हों, चाहे मुसलमान, सब आपस में बड़े भाई चारे से रहते थे। जब तक ये लोग यहां चण्डीगढ़ में रहे, तब तक लोग बड़े आराम से रहते रहे लेकिन जब ये लोग वहां गए तो इन्होने जाकर शान्ति भंग की। (शोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा): स्पीकर सर, ये बार–बार बोल रहे हैं, यह ठीक नही है। आपने इनको बोलने का टाइम दे दिया था। बीच में क्यों खड़े हो गए? (शोर)

श्री अध्यक्षः नेहरा जी, आप बैठ जाइए। आपको भी बोलने का टाइम देंगे।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...

(इस समय श्री धीरपाल सिंह जी भी बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्षः धीर पाल जी, आप बैठ जाइए। (शोर)श्री सम्पत सिंह जी ने जो कुछ कहा है वह रिकार्ड न किया जाये।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं यही तो कह रहा था, मैं आन दि रिकार्ड लाना चाहता था। बार–बार मंत्री खड़े हो रहे हैं, टोक रहे हैं और कह रहे हैं कि हम मंत्री हैं। ये स्टेट मिनिस्टर होंगे, डिप्टी मिनिस्टर होंगे, मैं भी तो कैबिनेट रैक का

हूं, अपोजीशन का लीडर हूं। मैं अपनी पार्टी का भी लीडर हूं। आपने रिकोग्नाईज किया है। इसके साथ ही आपने मुझे एज लीडर आफ अपोजीशन भी रिकोग्नाईज किया है। इनकी यह बात ठीक नहीं है। (व्यवधान व शोर)मैं यह कह रहा था कि इन लोगों ने मेवात में जाने के बाद वहां पर लोगों के जजबात भड़काये। जजबात भड़काने के बाद जो कुछ हुआ है. वह सबके सामने है। इसीलिये दोनों तरफ से इस्तीफे की बात आयी है। इसलिये यह बात रौले में रूलनी नहीं चाहिये। आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं। यहां पर दोनों तरफ से ही चौलेन्जबाजी हुई है। मैं यह चाहता हूं कि इसकी इन्कवायरी करायें। इन्कवायरी कराने के बाद ही हाउस किसी फैसले पर पहुंचेगा वरना तो यह कह देंगे कि कुछ हुआ ही नहीं है। हम कहते हैं कि वहां पर बहुत कुछ हुआ है जबकि यह कहते हैं कि वहां पर कुछ नहीं हुआ है। इसलिये मेरा कहना यह है कि इस बात को फाईन्ड आउट करने के लिये कि सच्चाई क्या है इन्कवायरी जरूर होनी चाहिये ताकि इस तरह की घटना भविष्य में न होने पायें, लोगों में आपस में भाई–चारा बना रहे और प्रदेश का माहौल ठीक रहे।

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

चौधरी अजमत खां (हथीन): स्पीकर साहब. बड़े ही दु:ख की बात है कि आज निन्दा का प्रस्ताव यहां पर आया है, अयोध्या मसला भी अहम मसला है। अगर हम इस बारे मैं गौर से देखें तो यह पता चलेगा कि हम धर्म के मानने वालों ने, खास

तौर पर राम बिलास जैसे भाइयों ने, जो अपने आपको हिन्दु कहते हैं, इसको उलझाया है। एक हिन्दु का तो जिक्र करते हैं लेकिन इन्सानियत का जिक्र भी इनको एज एम०एल०ए० करना चाहिये था। इन्सानियत का कत्ल हुआ है। इन्सानियत मिटी है, धर्म नहीं मिटा। चाहे वह हिन्दु है या मुसलमान, लेकिन इन्सानियत हमेशा रहती है। मेरे दोस्त अगर यह कहते कि मुसलमानों के साथ भी ज्यादती हुई है तो आपकी बात में वज न होता। एक बात बड़ी साफ है कि वे भाई जो एक धर्म को मानने वाले हैं और अपने आपको सैकुलर कहते हैं, वे एक छोटी सी कीड़ी को मारना भी अपने धर्म के खिलाफ समझते हैं, उस धर्म के०पर आज दुनिया में०गली उठी है। आप इस वजह से इस देश के०पर०गली उठी है। आज हमारे देश का सिर सारी दुनिया में झुक गया है। जिस देश का सिर आज तक कभी किसी के सामने झुका नहीं था, वह झुक गया है। हमारे०पर गैरों ने भी राज किया लेकिन वह भी हमारे सिर को झुका नहीं सके, लेकिन आज सारी दुनिया में हमारा सिर झुक गया है। इस मस्जिद की वजह से हमारा सिर झुका है जिस की कोई खास अहमियत नही है। यह ईन्ट और गारे की दीवारें हें। इनको चाहे मन्दिर में लगा दो, चाहे मस्जिद में लगा दो। चाहे तो उनको पाखाने या लैट्रीन में लगा दो, लेकिन इनकी खातिर हमारा सिर झुक गया। हमें डूब मरने के लिये कोई जगह नहीं है। जो लोग भारत को माता कहते हैं उन्होंने माता के दामन को ही दागदार किया है। कोई बेटा मां के दामन को दागदार नही किया करता। राम अकेला बी० जे० पी० वालों का नहीं है। राम हर

हिन्दुस्तानी का है, जो इस देश में पैदा हुआ है और वहू हमेशा रहेगा। यह कहना कि राम केवल हमारा है, यह ठीक नही है। जब राम जन्म हुआ था, उस वक्त हिन्दू धर्म नहीं था। उस वक्त मुस्लिम धर्म भी नहीं था और वैदिक धर्म भी नहीं था। उस वक्त सारे वेद थे या राम था। यह बाकी बातें तो बाद की बातें हैं। हमारे इस्लाम धर्म के मुताबिक एक लाख 24 हजार पैगम्बर आये हैं। हर मुल्क में आये हैं, हर जाति में और हर कौम में आये हैं। हर उस आदमी को पता है जिसको हम विष्णु कहते हैं, कि सबसे पहला इन्सान सिंहलद्वीप में उतरा। यह बीत अलग है कि सिंहलद्वीप के बारे में इख्तराफ हैं। कोई यह कहता है कि दक्षिण में था, कोई कहता है कि लंका में था, कोई कहता है कि अयोध्या में था तो कोई कहता है कि आसाम में था। आज भी अयोध्या से केवल 9 किलोमीटर की दूरी पर उस इन्सान के बेटे की कब्र है। जब हम वहां पर गये थे, तो हम देख कर आये थे। उसको हिन्दू भी पूजते हैं और मुसलमान भी राम को पूजते है। हम उन्ही की सन्तान हैं। स्पीकर साहब, 1885 में एक मुकदमा चला था। उससे पहले एक दरख्वास्त जो हिन्दुओं ने दी थी, वह नवाब वाजिद अली शाह को दी थी जिसमें राम–जन्म–भूमि, मस्जिद के बाहर मान)है, मस्जिद के अन्दर नही। स्पीकर साहब, नवाब वाजिद अली शाह ने उस दरखास्त के०पर एक शेर लिख दिया और वह इस तरह से है–

इश्क के हम बन्दे है,

मजहब से नहीं वाकिफ

मस्जिद हुई तो क्या है

बुतखाना हुआ तो क्यां।

अगर आप यह मानते हैं कि राम लजा मस्जिद के अन्दर ही पैदा हुए थे तो 1947 के अन्दर ही उस पर कब्जा कर लेते। उस वक्त कोई भी मुसलमान रोकने वाला नहीं था। स्पीकर साहब, अब जो कुछ किया जा रहा है वह पोलिटीकल बेस पर किया जा रहा है। राम की मूर्ति को अन्दर रखना, यह सब पोलिटीकल चीजें है। स्पीकर साहब, ईंट और गारे की दीवार को तोड़ने से क्या फर्क पड़ता है? यह तो एक मैटीरियल है जो हर जगह इस्तेमाल हो सकता है। यह मन्दिर में भी इस्तेमाल हो सकता है, गुरुद्वारे में भी इस्तेमाल हो सकता है और मस्जिद में भी यही मैटिरियल इस्तेमाल होता है। असल बात तो यह है कि जो धर्म किसी इन्सान की तो क्या परिन्दे की भी हत्या नहीं चाहता और सैकुलरइज्म माना जाता है, जिसकी दुनिया में इज्जत है, उसकी साख को आप लोगों ने गिरा दिया है। स्पीकर साहब, जहां तक मेवात में झगडे की बात है। वह इस तरह से शुरु हुआ। स्पीकर साहब, उस समय वहां पर खुर्शीद अहमद और तैयब हुसैन नूह में मौजूद थे। जब खुरशीद अहमद नूह के एस०डी०ओ० को एक मैमोरैन्डम देकर आ रहे थे तो कुछ कालिज के लड़के आगे निकल आए थे और एक आदमी वहां तहसील के सामने गुड़ बांट रहा था। उस आदमी से उन लड़कों ने पूछा कि वह गुड़ क्यों बांट रहा है। उस आदमी ने उन लड़कों को हिन्दु समझते हुए कहा कि मस्जिद तोड़ दी गई

है, इसलिए गुड़ बांट रहा हूं। वे लड़के एकदम जोश में। आ गए और उनके साथ कुछ और बच्चे भी शामिल हो गए। वे सब लड़के जो बीस पच्चीस साल से ज्यादा के नहीं थे, उन्होंने भाग भागकर नूह के तमाम मन्दिरों में आग लगाई और गऊशाला में भी आग लगाई और वहां पर जो चारा था उसमें भी आग लगाई। वहां पर मन्दिर तोड़े नहीं गए, सिर्फ आग लगाई थी। स्पीकर साहब, जहां तक गऊशाला की बात है, वहां केवल तीस पैतीस गाए थीं। उनको लड़कों ने खोल दिया। उनमें से एक गाय बीमार थी, वह भाग नहीं सकती थी और वह आग की तपश से जल गई लेकिन बाकी गाएं भाग गई जिनको मैंने खुद गांवों से ढुंढवाकर वापिस गऊशाला में भिजवा दिया और अपनी तरफ से एक हजार रुपया चारे के लिए गऊशाला को दे दिए। यी गलत बात है कि वहां पर बीस लाख का चारा था, वहां केवल दस–बारह हजार रुपये का चारा था जिसको हम लाकर देगे और मन्दिरों की भी मुरम्मत करवाएंगे। स्पीकर साहब जहां तक स्वामी जी का ताल्लुक है, वह पोलिटीकल आदमी है। उसने लोगों को पुलिस के थू तंग करवा रखा है। वहां के लोगों ने उसके आश्रम को तोड़ा है और उस पर गुस्सा उतारा है। वहां केवल आश्रम है, कोई मन्दिर नहीं है। वह स्वामी जी पोलिटिक्स में रहता है।

प्रो० राम बिलास शर्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, चौधरी अजमत खां ने स्वामी जी के बारे में कहा कि वह पोलिटिकल आदमी है। अध्यक्ष महोदय, बचन सिंह आर्य,

स्वामी जी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, वे उनके बारे में सब कुछ बता देंगे। अध्यक्ष महोदय, वे वैदिक प्रचार करते हैं और वहां पर गुरुकुल चलाते हैं। बचन सिंह जी बता देगे कि क्या बात थी। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी अजमत खांः दोस्तो, हम तो यह कहते हैं कि आप हमारे०पर जोरकशी न करें। आप हमारे भाई हैं, आप हमारे०पर रहम कीजिये, हम अपना फैसला खुद करेंगे। हमारे इस देश में हमारे हल्के में हिन्दू–मुसलमान नाम की कोई चीज नहीं है। हम आपस में मिलकर एक दूसरे की दुकानों पर बैठते हैं, एक दूसरे के घरों में आते जाते हैं। एक दूसरे के साथ रहते हैं, तृक दूसरे के साथ हम पंचायतें करते हैं। कहीं पर भी कोई ऐसा माहौल नहीं था कि जिस दिन मन्दिर में आग लगी, वे सभी वहां पर ही थे। पूछा कि क्या कर रहे हो, कहने लगे कि आग लगा रहे हैं। मैं तो इतना ही कह सकता हू कि इस तरह के शरारती लोग हर जगह होते हैं। दूसरे, इनके अपने लोग ऐसा काम करें और फिर हमारी पार्टी को बदनाम करें, यह कहां का इन्साफ है? जब ऐसी घटनाएं घटी तो मैं उस समय अपने उसी इलाके मे घूम रहा था और सारी जांच कर रहा था कि यह सब कुछ कौन करवा रहा है लेकिन टो शरारती लोग उस वक्त वहां से जा चुके थे। हमारेरू०पर उलटा इलजाम लगा रहे हैं कि इनके आदमियों ने यह सब कुछ करवाया है। जब 11 बजे झगड़ा हुआ, उस वक्त हमारे भाई यहां पर कैबिनेट की मीटिग में मौजूद थे और ये गल्त

इलजाम उन पर लगा रहे है। सच्ची बात कहनी चाहिये, झूठ कहना इन्सानियत के, इखलाख के खिलाफ है। इखलाख से गिरी हुई बात नही कहनी चाहिये। राम विलास जी, यह जो कुछ यहां पर हुआ, यह सही नहीं हुआ है। आप हमारे०पर रहम कीजिये, आप भी उस इलाके में गये थे, मैं भी आपके बाद उसी इलाके में घूम कर आया हूं। वहां पर जो हिन्दु–मुसलमान रहते हैं, वे सभी मेरा कुनबा है। ऐसी कोई बात नहीं है। आखिर मैं इतना ही इस हाउस मे कहूंगा कि जो वाक्या हुए हैं, वे बडे ही शर्मनाक वाक्या हुए हैं। इस को खुदा के वास्ते पोलिटीकल रंग न दें। हम हिन्दू–मुसलमान आपस में भाईयो की तरह रहना चाहते हैं। हमें शान्ति से रहने दें। अगर आप लोग इस रग को. पोलिटिकल रंग देना चाहते हैं तो इससे किसी को फायदा नहीं होगा, हमें जरूर इसका नुकसान होगा। दूसरी बात मैं यहां हाउस में यह कहना– चाहता हू कि हमारे मेवात के इलाके में हिन्दू– मुसलमान की कोई ऐसी बात नहीं है। हमारा आपस में किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं है। जो गल्त काम हो गया उसके लिये हम शर्मसार हैं। उसी गलत काम की वजह से एक्शन का री–ऐक्शन हो गया, जिसका हमें बेहद दुख है। इसके लिये जो जिम्मेवार व्यक्ति हैं उनको सजा मिलनी चाहिये। न अयोध्या में मसजिद गिरती और न ऐक्शन का री–ऐक्शन होता। स्पीकर सर, असली मुजरिम तो वह होता है जो चोर को चोरी करने के लिये कहै। चोर को लाए, चोरी तो बाद की बात होती है। बस इतना ही कहते हुए मैं इस हाउस मे जो

सदन के नेता द्वारा निन्दा प्रस्ताव रखा गया है, उसका समर्थन करता हुआ अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): स्पीकर साहब, यह जो सदन में लीडर आफ दी हाउस ने निन्दा का प्रस्ताव पेश किया है, मैं इसके समर्थन में बोलने के लिये खड़ी हुई हूं। आज के नाजुक युग में हमारे देश के अन्दर जिस तरह की घटनाएं घटी है, ये नहीं घटनी चाहिये थी जिससे हम सब की भावनाओं को ठेस पहुंची है। लोगों में आपसी तनाव बढ़ा है। लोगों की भावनाएं भड्की हैं। स्पीकर साहब, इस देश के अन्दर अयोध्या में राम मन्दिर का निर्माण हो, इस बात के कोई भी विरूद्ध नहीं है, लेकिन जिस ढग से मन्दिर के नाम से, ऐडवानटेज देकर वहा पर गलत काम करवाया गया था किया जा रहा था, वह कोई अच्छी बात नहीं थी। अयोध्या की घटना के बारे में मैं कहना चाहती हूं कि उस में कांग्रेस' की भी ढील रही है। केन्द्र में कांग्रेस का राज था और यू० पी० में बी०जे०पी० का राज था। जिसके पास राज सत्ता हो, अगर वहू उसका इस्तेमाल नही करता तो उसको भी अपनी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जब दंगे होते हैं तो उनका सब से ज्यादा नुकसान बहिन बेटियो को पहुंचना है। किसी का पति मर जात। है तो किसी का बेटा मर जाता है। मुझे तो इस बात का शक है कि इस देश में कोई बहादुर आदमी भी है? आज यहां पर हर कमजोर आदमी के। गिराने या मारने की कोशिश की जाती है। लेकिन अपने से जो बहादुर आदमी दिखता है, उसके सामने लोग बिल्ली

बन जाते है। दंगों में हमेशा बे–कसूर लोगों को नुकसान होता है। अभी पीछे हम सोमनाथ मन्दिर में गए थे। उस मन्दिर को एक– ट्रस्ट ने बहुत अच्छा बनाया था लेकिन आज वह बहुत निगलेक्टिड हालत में है। उसके फर्श टूटे पड़े हैं। वहां पर फूल लगाने की बात तो दूसरी है, कोई पेडू पौधा भी नहीं लगाया गयो है। मैं चाहती हूं कि हमें ऐसे धार्मिक स्थानों का संरक्षण करना चाहिए। हमें ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे हमारे देश को नुकसान पहुंचे। (विघ्न) हम लोग द्ववारिका भी गए थे। वहां इतना अंधेरा रहता है कि रात आठ बजे के बाद कोई किसी को लूट सकता है। हम उस बारे में चिमन भाई को पत्र लिखेगे। मैं कहनी चाहती हूं कि हरियाणा में भी किसी को किसी की भावनों से नही खेलना चाहिए। चौधरी अजमत खां ने सच्ची बाते बताई हैं। मैं चाहती हू कि जो दोषी हो उसको पंचायत से सजा दिला दो, अगर पंचायत सजा न दे तो सरकार सजा दे। आज देश में ऐसी हालत पैदा करने के लिए जो लोग जिम्मेदार है, उनकी हमें निन्दा करनी चाहिए। अगर हम आपस में भाई भाई नहीं रहेंगे तो हमारी आर्थिक समानताएं मिट जाएंगी। माफ करना, भगवान राम किसी का बापौती नही है। हम देख–तें थे कि कुछ भाई दूसरे लोगों को मन्दिरों में नही जाने देते थे। यह छुआछूत क्यों पैदा की जाती है? जो लोग०ंची जाति के लोग कहलाते हैं, उनके अत्याचार की वजह से ऐसे जुल्म होते है। कुछ लोग राज सत्ता के पास आने के लिए भी धर्म परिवर्तन कर लेते हैं। क्या वे लोग देश द्रोही नही हैं जिन्होंने देश का धन लूट कर विदेशों में रख रखा

है? सबसे बड़े देशद्रोही तो वही लोग हैं। उन लोगों का कोई धर्म नहीं है, उन लोगों का कोई राम नहीं है। न उन्हें राम से प्यार है और न इस देश से प्यार है। जो लोग इस देश के धन को बाहर ले गए हैं और बाहर ले जा कर दूसरे देशों के बैकों में जमा करवा दिया, उनसे बड़ा देशद्रोही और कोई नहीं हो सकता। आप लोगों को ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिसके कारण भाई भाई को नुकसान हो। ऐसी घटनाओं से बहन बेटियों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। स्पीकर साहब, 1947 में जो घटनाएं घटी उनमे सबसे ज्यादा बहन बेटियों को नुक्सान हुआ। उन सब बातों के लिए राजनीतिक लोग जिम्मेदार हैं। राजनीतिक लोगों के लिए धर्म और परमात्मा कुछ नहीं है। राजनीतिक लोग यह कहें कि धर्म और परमात्मा है तो यह बिल्कुल झूठ बात है। राजनीतिक लोग तो धर्म की आड़े में वोट लेने की बात करते हैं। यह बात सरासर गलत. है कि राजनीतिक लोग धर्म और परमात्मा दोनों को मानते हैं। राजनीतिक लोगों को तो वोट चाहिएं और यदि उनको लोगों के वोट चाहिए तो उन्हें लोगों की भलाई के काम करने चाहिए लोगों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। राजनीतिक लोगों को लोगों की भावनाओं का फायदा नहीं उठाना चाहिए। आप हरियाणा प्रदेश के बच्चे बच्चे को शिक्षित करें। शिक्षा का काम तो चल तो रहा है लेकिन वह बहुत धीमी गति से चल रहा है। स्पीकर साहब, मैं ज्यादा समय न लेते हुए यही कहूंगी कि जुल्म करने से जुल्म बर्दाश्त करना सबसे बड़ी कायरता है। जयहिन्द।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–

(1)वक्फ राज्य मन्त्री (चौधरी शकख्ल्ला खां) द्वारा–

वक्फ राज्य मन्त्री (चौधरी शकरूल्ला खां): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत शुक्रिया। माननीय मुख्यमन्त्री जी ने जो प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। जनाब स्पीकर साहब, सदन में कुछ भाईयों ने मेवात के बारे में कुछ ऐसी बातें कही हैं जो उनको नहीं कहनी चाहियें थी। मैं हरियाणा की असैम्बली में तीसरो दफा चुन कर आया हूं। एक बार 1977 में, दूसरी बार 1982 में और तीसरी बार अब चुन कर आया हूं, लेकिन इतनी बड़ी गल्त बीत किसी भी सैशन में नही सुनी जितनी बड़ी गलत बात मेरे भाई राम बिलास शर्मा और सम्पत सिंह ने कही है। मुझे इस बात का बड़ा भारी दु:ख है कि जो कुछ अयोध्या में हुआ, वह बहुत गलत हुआ। मैं अपने प्रधान मन्त्री जी का बड़ा भारी आभारी हूं कि उन्होंने बड़ी इन्साफ की बात कही और ऐक्शन लिया है। उनको मैं उसके लिए मुबारिकबाद देता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं। लेकिन राम बिलास शर्मा और सम्पत सिंह जी ने मेरे बारे में और श्री मोहम्मद इलियास के बारे में जो बोते कहीं, वे बेबुनियाद और गलत हैं। श्री सम्पत सिह जी और राम बिलास शर्मा जी बहुत सीनियर मैम्बर हैं, लेकिन राम बिलास शर्मा मेरे से जूनियर हैं क्योंकि ये दो दफा चुन कर आए हैं और मैं तीन बार चुन कर आया हूं।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, माननीय मन्त्री जी को पता होना चाहिए कि मैं भी तीसरी दफा चुन कर आया हूं।

चौधरी शकरुल्ला खांः लेकिन आप मेरे से उम्र में तो छोटे हैं।

प्रो० राम बिलास शर्माः उम्र में तो छोटा हूं लेकिन कद में तो आपसे बड़ा हूं।

चौधरी शकरुल्ला खांः स्पीकर साहब, मेवात में जो कुछ हुआ उसके लिए मुझे बड़ा भारी दुख है। मैं यह मानता हूं कि वहां पर थोड़ी बहुत वारदातें हुई हैं। लेकिन श्री सम्पत सिंह और राम बिलास शम ने यह कहा कि वहां पर जो कुछ हुआ, वह शकरूल्ला खां और इलियास ने करवाया है। स्पीकर साहब, 7 तारीख को जो काण्ड हुआ, उस दिन मुख्य मडी जी ने कैबिनेट की मिटिंग बुलाई हुई थी और 12.30 बजे मुख्य मंत्री जी ने मुझे कहां कि मेवात में पुनहाना के अन्दर झगडा होने वाला है, आप वहां पर जल्दी पहुँचे। स्पीकर साहब, चण्डीगढ़ से मेवात का 8 घण्टे का रास्ता है। मैं बहुत जल्दी वहां पहुंचा लेकिन वहां पर एक बजे झगड़ा हो चुका था। फिर वहां कर्फ्यू लग गया और उसके बाद वहां पर शांति थी। फिर मैं बाजार में गया और घर घर में गया। पुनहाना गांव के घर घर में मैं गया था। मैंने यह कहा कि जहां कहीं भी मंदिर हैं, यदि उनको कोई नुक्सान

पहुंचेगा तो उसके लिए वहां का सरपंच जिम्मेदार होगा। अध्यक्ष महोदय, फिरोज पुर झिरका' में राक महादेव मन्दिर है। वहां मैं खुद 10– 20 आदमियों को साथ लेकर गया था, उनकी डयूटी मन्दिर के चारों तरफ लगाई गई कि इसका ध्यान रखें ता कि कोई इस मन्दिर को नुक्सान न पहुंचाये। यह मन्दिर राजस्थान के बोर्डर पर पड़ता है। बड़े दु:ख की बीत है कि पुन्हाना में एक बी० जे० पी० के इनके प्रधान हैं, उन्होंने सुबह– सुबह लड्डू बांटे। उन्हेंने स्कूल के बच्चों को भडका कर एक मस्जिद गिराई। फिर कहने लगे कि तुम्हारी मस्जिद अयोध्या में भी गिरा दी गई और यहां पर भी गिरा दी गई। (शोर)वहां पर कुरान भी व्यू ला दी गई थी। वहां पर एक बगीची भी है जिसमें एक कुआ भी है। वहां पर न तो मन्दिर है न मस्जिद है और न ही गुरुद्वारा है। उसको भी ओन लगायी। लेकिन प्रशासन ने बहुत तेजी से कदम उठाते हुए उसे कन्ट्रोल में कर लिया। मैं दावे के सीथ कहता हू कि यदि प्रशासन चुस्त न हो ता तो वहां पर महम कांड की पुनरावृति होती। यदि चौ धरी भजन लाल की जगह कोई और मुख्य मं ली होतॉ तो मेवात के हा लात बहुत खराब होते। वहां के चुस्त प्रशासन की वजह से और इनके आदेशों की वजह से कोई ज्यादा गडबड– नही हुई और जो गडबड हुई है उसका मुझे दुख है। इनकी पार्टी का यानि सम्पत सिंह जी का पार्टी का एक भूतपूर्व मंत्री है, उसने भी लोगों को भड़काया। (शोर एव विघ्न)हम सब लोगों ने मेवात की पुरानी परम्परा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है कि चाहे कोई मस्जिद गिरी है या मन्दिर गिरा है,

हम सब हिन्दू और मु स्लिम मिल कर बनाएंगे। (विघ्न) इस झगड़े में वहां एक मिल मालिक को नुकसान हुआ है और वह आदमी भी हमारी पार्टी का ही है। इसका हमें बड़ा दुःख है। जो लोग उसका माल ले गए उनका भी पता है। (विघ्न) जो यहां मर शोर मचाया जा रहा है कि मन्दिर गिरा दिए गए या आदमी मार दिए गए हैं, यह सब बेबुनियाद बातें हैं। कुछ घटनाएं अवश्य हुई है, उसको हम मानने के लिए तैयार है। यहां पर एक बात बार बार कही जा रही है कि शकरूल्ला खां और इलियास जी ने गड़बड़ करवायी। मैं बताना चाहता हूं कि आप बेशक जांच करवा लें, अगर हमारी तरफ से कोई गड़बड़ हुई हो और हमारी गलती पायी जाये तो हमें यहां हाउस में बेशक फांसी पर लटका देना या फिर बी० जे० पी० के भाई शर्मा जी और प्रो० सम्पत सिंह जी को फांसी पर लटका दिया जाये। जिन लोगों की तरफ से शरारत हुई है। मैं फिर अपने एक एक राम के दावे के साथ कहता हू कि आप बेशक. इस बात का पता करवा ले कि किस की तरफ से पहल हुई है। मैं फिर कहता हूं कि जो कुछ वहां पर हुआ है, उसकी हम निन्दा करते है, कोई वकालत नहीं करते। (शोर)शर्मा जी और सम्पत सिंह जी की तरफ से बार बार हमारे०पर आरोप लगाये गए। मैं दावे के साथ कहता हूं कि चाहे मेवात एरिए के मन्दिर का मसला है चाहै मस्जिद का, हम सब हिन्दू मुस्लिम भाई आपस में मिल कर निपटाएंगे। आप राम जी की बात करतेहै। मैं आपको बताता हू कि असली रघुवंशी तो हम हैं। (शोर एव विघ्न)

18.00 बजे

आप किस की औलाद हैं? (शोर एव विघ्न)स्पीकर साहब, मेवात के लोगों ने कभी भी हिन्दुस्तान की आन पर आच नही आने दी। बाबर ने जब हिन्दुस्तान पर हमला किया तो मेवात के लोगों ने उसका मुकाबला किया था। मेवात के लोगों ने राणा सांगा का साथ दिया। हमें कहा गयो कि आप हिन्दुओं का साथ दे रहे है लेकिन मेवात के लोगों ने कहा कि हम लोग अपने देश के लिए लड़ रहे हैं। मुहम्मद गौरी ने जब हिन्दुस्तान पर हमला किया तो मेवात के लोगों ने उसका डटकर मुकाबला किया। अकबर जब आया तो उसके सीथ लड़े। हल्दी घाटी में मेवों ने महाराणा प्रताप को सहयोग दिया और घोड़ा दे कर उनको वहां से निकाला था। आप लोग मेवों की क्या बात करते हो? हमारे लोगों ने औरंगजेब से लड़ाई लड़ी, अग्रेजों से लडाई लड़ी। मेरे गांव नह में 1857 में मेरे दादा को 258 आदमियों समेत अग्रेजों ने फांसी दे दी थी। उन लोगों ने अपनी जान दे दी लेकिन देश की आन पर आच नही आने दी। आप लोग क्या बात करते हैं? शर्मा जी, राम को हम भी जानते है। राम चन्द्र जी के वंश से श्री जाकिर हुसैन जी हैं तथा कृष्ण जी के वंश से हम है। जनाब अध्यक्ष महोदय, हमारे०पर जो इल्जाम लगाए गए हैं वे गलत हैं और सरासर झूठ हैं। बच्चों ने आग लगाई है। (विघ्न) हम लोग खुद मन्दिरों और मस्जिदों को बनाएंगे। आप लोग हमारे बीच मे आने की कोशिश न करें स्पीकर साहब, आपका बहुत–बहुत

शुक्रिया। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, मैं उसके लिए आपका तहदिल से शुक्रिया अदा करता हूं। मेहरबानी आपकी। धन्यवाद। इन शब्दों के साथ मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

(इस समय कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने के लिए समय मांगने लगे)

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, मैं आपकी सेवा में कुछ कहना चाहता हूं। कृपया मुझे बोलन का समय दें। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी. आप अभी बैठिए। अमर सिंह जो, आप भी बैठे। हमने सभी पार्टियों के नेताओं को बोलने का मौका दिया है। उसके बाद अगर कोई बोला है तो वह अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोला है (विघ्न) जहां तक चौधरी अजमत खान जी के बोलने का सवाल है, वे इसलिये बोले क्योंकि यह एक कम्युनल बात थी और इसके अन्दर मेवात ऐरिया की बात थी तथा वे इस एरिया को रिप्रेजैन्ट करते हैं।

(2)प्रो० राम बिलास शर्मा द्वारा –

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, मेरा पर्सनल एक्सप्नेलेशन है, मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्षः इस तरह से तो इस बात का कभी कोई ऐण्ड ही नही होगा।

प्रो० राम बिलास शर्मा: स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि यह प्रिवलेज मोशन का मामला है क्योंकि सदन को गुमराह किया गया है। भाई अजमत खान ने मेरी बातों को कन्फर्म किया है, उन्हेंने खुद कन्फैस किया है। आप वहां पर जा कर खुद देखिये। यह कहा गया है कि वहां पर कोई भी मन्दिर नहीं टूटा। एक आदमी सदन में गलत बोल रहा है। (विघ्न एवं शोर)सदन में जिसके मन में जो बात आए कह दे यह ठीक नही है। स्पीकर साहब, आप एक कमेटी बना दीजिए और यह फैसला वहू कमेटी करे कि वहां पर मन्दिर टूटे है या नही टूटे हैं। मैंने स्थानों और मन्दिरों के नाम दिए है और मेरे मेवात के साथी ने इस बात को कन्फैस भी किया है। (विघ्न) सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: जसबिन्दर सिंह जी अब आप बोलिए (व्यवधान व शोर)

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मेरी सबमिशन है कि दूसरे सदस्यों को भी बोलने का समय मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्ष: यह एक धार्मिक मामला है और एक धर्म के हिसाब से ये सिख काम्युनिटी से हैं, इसलिये इनको अपनी बात कहने का मौका दिया गया है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, मेरी सबमिशन यह है जैसा कि आपने कहा कि धर्म के हिसाब से बोले या मेवात ऐरिया के हिसाब से बोले या पार्टी के हिसाब से बोले, तो मेरी आपसे

यह प्रार्थना है कि आप घड़ी की तरफ ध्यान न दें। अयोध्या के मुद्दे पर नो–कान्फिडैन्स का मोशन पार्लियामैंट में लाया गया है, मैंने उसकी दो दिन की डिबेट देखी है। वहां पर बहस में हर आदमी को बोलने का मौका दिया जाता है। यह सिर्फ हिन् और मुस्लमान की बात नहीं है बल्कि यह सभी लोगों को जोड़ने की बात है। इस बात पर यहां पर 90 के 90 आदमी लोगों की भावनाओं को रिप्रैजैन्ट करते हैं, साधारण व्यक्ति की भावनाओं को रिप्रैजैन्ट करते हैं, इसलिये मैं आपसे रिक्वैस्ट करूंगा कि हमें भी इस मुद्दे पर अपनी बात कहने के लिए टाईम दिया जाए। (विघ्न)

सरदार जसविन्द्र सिंह (पेहोवा): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। सर, निन्दा प्रस्ताव पर सदन के नेता ने बोलते हुए यह बात कही कि अडवाणी जी राजस्थान से चले और सारे मुल्क में घूमते हुए आयोध्या पहुंचे। वे तो हवाई जहाज से भी जा सकते थे, परन्तु ऐसे जाने की इजाजत किसने दी। सैन्टर में कांग्रेस की सरकार है। स्पीकर साहब, यह खेल इससे पहले भी इन्होंने खेला था। संत भिंडरावाला को सारे भारतवर्ष में घूम कर प्रचार करने को इजाजत इन्होंने ही दी थी क्योंकि उस वक्त यह प्रचार अकालियों के खिलाफ था और इनके हक में बात जाती थी। जब भिंडरावाला दिल्ली में था तो राजीव गांधी जी ने उसे संत की उपाधि दी थी। उसके बाद इन्होंने इलैक्शन जीतने के लिए और हिन्दू को सिखों से अलग करने ले लिए हरिमन्दिर साहब पर

अटैक किया। इन्होंने अकाल तख्त की इमारत गिराई जो एक ऐतिहासिक इमारत थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह बात इस बात से जुड़ी हुई नही है। आप स्पैसीफिक टापिक पर ही बोलें।

सरदार जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बात इसी बात से जुड़ी हुई है और मैं इसी बात पर आ रहा हूं। इन्होंने हिन्दू वोट लेने के लिए हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काया। सिखों के गुरुद्वारे को ढायां गया। उसी बात को करने के लिए इन्होंने भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर साजिश की और अडवाणी जी को वहां जाने दिया गया और लाखों लोगों को वहां पर इकट्ठा होने दिया गया यह इस बात का प्रमाण था कि वे वहां जाकर कोई भजन कीर्तन नहीं करेंगे। बल्कि मस्जिद को गिराया जाएगा और वही बात हुई। इस बीत के लिए हर हिन्दुस्तानी का सिर शर्म से झुक जाता है। अध्यक्ष महोदय, कभी ये गुरुद्वारे को गिराने की बात करते हैं, कमी मस्जिद को गिराने की बात करते है। अध्यक्ष महोदय, मेवात में जो कुछ भी हुआ, यह उसी का नतीजा है। जो हिन्दू मन्दिर वहां तोड़े गए, उन सब के लिए कौन जिम्मेवार है? उन सब के लिए भारतीय जनता पार्टी जिम्मेवार है और उससे भी ज्यादा अगर कोई जिम्मेवार है तो वह कांग्रेस की पी० वी० सरकार है। इन शब्दों के साथ ही मैं समाप्त करता हूं।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठिए, सबको बोलने का मौका दिया जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)किताब सिंह जी आपको भी बोलने का मौका दिया जाऐगा। अब आप बैठिए। अब चौधरी बीरेन्द्र सिंह बोलेगे।

श्री दरियाओ सिंह (राजौंद): .....

श्री अध्यक्षः जो इन्होंने कहा है वह सब रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो प्रस्ताव अयोध्या की घटनाओं को लेकर रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं और केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि इस प्रस्ताव के माध्यम से हरियाणा की जनता और खास–तौर से मेवात के लोगों की भावनाओं को जो ठेस लगी है, वह इससे सम्बन्धित है। इस प्रस्ताव के द्वारा इस सदन के विचार सुनकर यह बात जाननी चाहिए कि हरियाणा के एक करोड़ 63 लाख लोग जो इस बात से चिन्तित हैं कि हरियाणा को संस्कति, हरियाणा की सभ्यताएं और हरियाणा की धार्मिक सहिष्णुता को कहीं ठेस न लगे। देश को सामाजिक स्थिति कही भी कमजोर न हो और जो विभिन्न पार्टियों के नेता हें, विभिन्न पार्टियों के सदस्य हैं, उनकी भावनाएं वहां पर जानी चाहिए कि सारा सदन

हरियाणा की घटनाओं से और अयोध्या की घटनाओं से चिन्तित है। अयोध्या की घटना कोई एक दिन की घटना नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं तो समझता हूं कि इस देश के अन्दर विघटनकारी शक्तियां जो इस देश के गरीब लोगों का, किसान का बार–बार शोषण करती रही हैं, वे धर्म के नाम पर, भगवान राम के नाम यर उनको फिर भड़काना चाहती हैं। राम की बात जब वे लोग करते हैं तो उनके मन में एक ही बात की चिन्ता रहती है कि लोगों को भावनाओं को इस कदर धर्मान्ध कर दिया जाये, इस कदर धार्मिक उन्माद उनमें पैदा कर दिया जाये जिससे उन लोगों का ध्यान बेसिक समस्याओं से हट जाये। वे बार बार यही चाहते हैं कि लोगों का ध्यान, खास– तौर से गरीबों का ध्यान इन बेसिक समस्याओं से पूरी तरह से हटा दिया जाये। आज इस देश के अन्दर चार हजार करोड़ रुपये का बैक सिक्योरिटी स्कैडल हुआ है और उसमें हर्षद मेहता जैसे लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन इस अयोध्या के मसले ने देश के सबसे बड़े स्कैडल को पीछे छोड़ दिया है, जिसको उजागर करना बहुत जरूरी है, जिसका पता लगाना वहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, कुछ ऐसी विघटनकारी शक्तियां है जो देश के आर्थिक ढांचे को कमजोर करना चाहती हैं। आज अगर मैं यह कहू कि कीमतें बढ़ रही हैं, गरीब आदमी को रोजमर्रा की चीजें सस्ते दामों पर मुहैया नहीं हो रही हैं तो गलत न होगा। लेकिन इस समस्या को एक तरह से अयोध्या के मसले ने पीछे खिसका दिया। (शोर)अध्यक्ष महोदय, बाबरी मस्जिद को गिराने के लिए, जैसा कि मैंने पहले भी कहा

कि कुछ ऐसी शक्तियां जिम्मेदार हैं जिनको अगर छिपाया भी जाये तो भी छिप नही सकती। अध्यक्ष महोदय, मैं लोकसभा के सदन में सुन रहा था कि कल्याण सिंह की सरकार में होम मिनिस्ट्री को 11 चिठ्ठियां लिखीं कि हम इस बात का जिम्मा लेते हैं कि कार सेवकों के द्वारा वहां पर कोई अप्रिय घटना नही होगी मस्जिद को कोई भी नहीं छुएगा। सूप्रीम कोर्ट को भी कल्याण सिंह की सरकार ने ऐफिडेविट दिया था और यह वायदा किया था कि वहां पर कोई अप्रिय घटना नही होगी। लेकिन आज ये लोग कहते है कि कल्याण सिंह की सरकार को डिसमिस किया गया तथा तीन अन्य राज्यों की सरकारों को भी डिसमिस किया गया। कल्याण सिंह की सरकार को इसलिए डिसमिस किया गया क्योंकि उस दिन 11.45 मिनट पर दिल्ली के अन्दर यह खबर आती है कि मस्जिद को गिराने की कार्यवाही शुरु हो गयी है। इस बीच भारत सरकार पता करती है और कल्याण सिंह की सरकार से कहती है कि आप इसको रोकिये वरना हम सी० आर० पी० एफ० से यह काम रुकवायेगे। लेकिन कल्याण सिंह कहते हें कि बेशक आप सी० आर० पी० एफ० को भेज दें परन्तु उसको हथियार लेकर न भेजें। ऐसी स्थिति में आज विभिन्न पार्टियों के जो लोग भारत सरकार पर या प्रधानमत्री पर यह आरोप लगाते हैं कि केन्द्र सरकार की ढील रखी तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जब कल्याण सिंह की सरकार ने वायदा किया था, ऐफिडेविट दिये थे तो अगर उन ऐफिडेविट का भरोसा न करते तो और क्या करते? ये कहते हैं कि भारत सरकार ने अलोकतांत्रिक काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं

यह बात इसलिये कहना चाहता हूं कि इस देश के लोग, खास तोर पर राम बिलास शर्मा जैसे लोग जो धर्म में मढे हुए हैं, प्रचार करते हैं कि भारत की सभ्यता तो गंगा जमुना सम्यता है। गंगा–यमुना सभ्यता का मतलब यह है कि गंगा सबसे बड़ा दरिया है, उस में अनेक नदियां और नाले मिलते हैं, जमुना भी उसमें मिलती है, दूसरी नदियां भी उसमें मिलती हैं। जो लोग धार्मिक उन्माद पैदा करना चाहते हैं, क्या उनकी जिम्मेवारी. नही बनती कि दूसरे धर्मों में विश्वास करने वाले लोगों को गले लगाएं? मैं आपको प्रमाणित कर सकता हूं कि आज हिन्दुस्तान के अन्दर अगर गरीबी में कोई तबका जकड़ा हुआ है तो वह मुसलमान जकड़ा हुआ है। अगर शिक्षा की सबसे ज्यादा कमी कहीं है तो वह मुसलमानों में है, मुसलिम महिलाओं में है। आज 81 प्रतिशत हिन्दुस्तान की जनसंख्या जो हिन्दु होने का दावा करती है, उसका यह फर्ज बनता है कि उन लोगों को मदद दे लेकिन मैं कहता हूं कि ये धर्म के नाम पर समाज के ढांचे का शोषण लगातार करना चाहते है जबकि आज उन गरीब को सहायता देने को जरूरत है। जो बच्चा ठीक पैदा होता है, उसकी माता–पिता को परवाह नहीं होती किन्तु जो बच्चा लूल्ला, लंगडा या अंधा होता है, उसका मां बाप ज्यादा ध्यान रखते है। जब चौधरी देवी लाल, वी० पी० सिंह और चन्द्रशेखर ने 1977 में भारतीय जनता पार्टी (जनसंघ)का साथ दिया था, तब भी उनके 16 से ज्यादा आदमी जीतका नही आग। जब 1989 का चुनाव हुआ था तो ये 86 आदमियों को लेकर आए थे। पंजाब के अंदर पहली बार अकालियों ने जनता पार्टी की

मदद मे बी० जे० पी० का साथ दिया था। आज राजनीतिक आधार पर हम यह नही चाहते कि साम्प्रदायिफता उभरे लेकिन हम यह चाहते हैं कि हमारी मानसिक सोच और कार्य ऐसे हों जिससे भाई चारे के लिए बढ़ावा मिले। आज इस सोच की जरूरत है कि इस देश के मुसलमान इकट्ठा होकर यह कहें कि उन्हें इस बात के लिए दुख है। अगर हिन्दुओं को इस बात से तसल्ली होती है तो वे मन्दिर बनाने के लिए उस भूमि को देने को तैयार है। उसके बाद हिन्दू यह कहें कि तुमने दे दिया, हमने ले लिया तब धार्मिक सहिष्णुता की बात आएगी, तब इस देश का जो गरीब आदमी है, उसको कुछ०पर उठने का मौका मिलेगा। यह तो साफ हो चुका है कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ अपने वोट की राजनीति करने के लिए इस देश की धर्म–निरपेक्ष ताकतों को ललकारती है। मैं इस सदन के माध्यम से अपने भाईयों को कहना चाहता हूं। यहां हर पार्टी के लोग बैठे हैं, यह देश सिर्फ एक बात से बचा हुआ है कि इस देश का किसान अभी भी धर्मनिरपेक्ष है, इस देश का गरीब अभी भी धर्मनिरपेक्ष है। इसलिये जहां तक हरियाणा की बात है, हरियाणा में पहले कभी ऐसा विवाद नही हुआ। मेवात की घटनाओं का जिक्र किया गया। बारह साल से ऐक्सट्रीमिस्ट मूवमैन्ट पंजाब में चल रहा है। हरियाणा में भी वारदातें हुई हैं, लेकिन आज तक ऐसा माहौल पैदा नही हुआ जैसा पंजाब में हुआ है,। इसके लिये हमारे यहां के लोग बधाई के काबिल हैं। सिखों ने हिन्दुओं पर कभी चढ़ाई की हो या हिन्दुओं ने सिखों पर चढ़ाई की हो, ऐसी कमी बात नहीं हुई। इस हरियाणा की भूमि की ऐसी परम्परा रही

है। 1947 के अन्दर जब देश के टुकडे हुए तो हमारे यहां के गांवों के लोगों ने इकट्ठे होकर पंचायत के तौर पर अपने मुस्लिम भाइयों से यह कहा था कि हम यह चाहते हैं कि आप यहां पर ही बसो, यहां पर ही रहो। लेकिन अगर फिर भी यहां पर रहना नही चाहते तो आपको लाठियो से भालों से और अपने हथियारों से लैस होकर आपकी रक्षा करते हुए आपको छोड़ कर आयेंगे। हमारे यहां पर ऐसी प्रथा रही है। मुझे पता है कि मेवात के अमन–चौन को नष्ट करने के लिये कुछ राजनीतिक ताकतों ने ऐसा किया है। कुछ लोग अपनी वोट की राजनीति करने के लिये ऐसी बातें करते हें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से, अपने लीडर आफ दी हाउस से यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा में अभी भी अच्छी स्थिति है क्योंकि यहां पर पंचायती सिस्टम बै, उस वजह से लोगों में भाई–चारा है। इसकी अथाह और बेपनाह ताकत है। इसी ताकत का प्रदर्शन इस सदन में लीडर आफ दी हाउस ने, यह जो प्रस्ताव रखा है, उसके माध्यम से ऐसी भावना व्यक्त की है कि हरियाणा के लोग, हरियाणा में साम्प्रदायिकता की बात कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कहीं पर कोई बात होगी तो वहां पर लोगों को बचाने' के लिये हरियाणा की जनता दूसरे प्रान्तों में भी जाने का साहस करेगी। यही बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

चौधरी जाकिर हुसैन (ताउडू): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने 6 दिसम्बर को हुई घटना के बारे में निन्दा का प्रस्ताव

रखा है, मैं उसका समर्थन करता हू। इसके बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं। 6 तारीख के। बाबरी मस्जिद को गिराये जाने की एक दुर्घटना हुई, वह इस देश के लिये ही नहीं बल्कि सारी दुनिया के लिये बड़ी ही दुखदायी घटना थो जिसकी जितनी निन्दा भी की जाये, उतनी हो कम है। इस घटना ने सब धर्मों के लोगों को एक बार तो हिला कर रख दिया क्योंकि किसी को भी यह उम्मीद नहीं थी। ईस बारे में दिलाया गया आश्वासन झूठा साबित हो गया। सब को यह उम्मीद थी कि 6 तारीख बड़ी आराम से गुजर जायेगी और जो अदालत फैसला देगी, वह दोनों पक्षों को मान्य होगा, इस बात का तो सब को अफसोस है। मैं ज्यादा वक्त न लेते हुए केवल मेवात की घटना के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। इस बारे में ज्यादा विस्तृत रूप में तो सदन के नेता बतायेंगे। जो मेवात में घटनाएं हुई, उसके लिये हमारे मेवात के लोगों को, मुझे और हर जिम्मेवार आदमी को बड़ा अफसोस है। हमने अपना यह अफसोस कस्बों में जा–जाकर हर भाई से मिलकर प्रकट किया है। हमें इस बात का अफसोस. है कि जो कुछ मेवात में 7 तारीख को हुआ, वह नहीं होना चाहिये था। यह जो घटनाएं हुई, इनका सबसे बड़ा एक कारण जो मैं समझता हूं, वह यह है कि किसी को भी ऐसी घटना होने की उम्मीद नही थी, प्रशासनिक व्यवस्था की बोत तो अलग है। हमें भी इस बात की कोई उम्मीद नहीं थी कि मेवात में भी इस तरह की घटनाएं हो सकती हैं क्योंकि 6 तांरीख को बाबरी मस्जिद के टूटने के बाद कुछ समय तल ही नहीं बल्कि 7 तारीख को सुबह नौ–साढे नौ बजे तक हम नूह कस्वे में थे, हमने

देखा कि लोग आम तौर पर एक दूसरे से मिल रहे थे, बाजार में आ–जा रहै थे और ऐसी कोई बात किसी के दिमाग में नहीं थी। हालात खराब होने की हमें उम्मीद नहीं थी तो प्रशासन कैसे इस बारे में सोच सकता था? स्पीकर साहब, जो कुछ वहां हुआ, इसकी हमें बहुत अफसोस है। राम बिलास जी ने सारी मेवात का नाम लिया है। मैं नहीं समझता कि इसमें सारी मेवात का नाम घसीटा जाए। मेवात कोई हरियाणा का पलवल, फिरोजपुर झिरका या नुंह सब डिवीजन ही नहीं है। मैवात के अन्दर अलवर, भरतपुर और मथुरा का इलाका भी आता है। स्पीकर साहब, वहा पर कोई घटना नही हुई। स्पीकर साहब, वहां पर जो घटनाएं हुई, इनके पीछ वहां के कुछ राजनैतिक लोगों का हाथ है जो बाबरी मस्जिद के मुद्दे को भड़का कर फायदा उठाना चाहते थे। जिस तरह से कुछ लोग इस मस्जिद का मामला उठाकर सैन्टर की सरकार को हथियाना चाहते हुँ, उसी तरह सें मेवात में भी यही बात थी। मेवात के राजनैतिक लोग वहां के लोगों को भड़का कर सूबे को सरकार को हथियाना चाहते हैं। इन लोगों ने अपराधी और असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर लोगों की भावनाओं को भड़काया। वहां पर प्रशासन ने लोगों को बहुत समझाने की कोशिश की कि इस तरह की नुक्सान न करो, लेकिन फिर भी मन्दिरों को तोड़ा गया और पुनहाना के अन्दर मस्जिदों को नुक्सान पहुचाया गया लेकिन ला एण्ड आर्डर बिल्कुल खत्म नहीं हुआ था। जो राजनैतिक हताश लोग थे, उन्होंने ही स्थिति को काबू में नहीं आने दिया। मैं और चौधरी तैयब हुसैन वहां गए थे और हुमने लोगों को कांफी

समझाया था। अध्यक्ष महोदय, जब प्रशासन ने देख लिया कि कुछ हताश लोगों ने जनता को बरगला दिया है तो प्रशासन ने सख्त कदम उठाए और इससे एक आदमी जो नंगली का रहने वाला था जिसका नाम शमशेर था, मारा गया। स्पीकर साहब, ऐसी बात नही है कि प्रशासन सचेत नहीं था यहां से मुख्य मंत्री जी का फोन डी० सी० को गया, एस० डी० ओं० को फोन आया कि वहां पर कोई झगड़ा नहीं होना चाहिये। सात तारीख को आर्मी बुलाई गई ताकि वहां पर इस तरह की कोई घटना न होने पाए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को यह बताना चाहूंगा कि मेवात के अन्दर जो कुछ 1947 के अन्दर नहीं हुआ था, वही आज हुआ। जो कुछ भी हुआ, इसका बहुत अफसान है। कुछ लोगों ने जाकर जाटों के गांव मड़कौला में और होडल में, पंचायत की, लेकिन उन लोगों ने कहा कि हम एक हैं, चाहे हम जाट हैं या मेव हैं, हम तो सब से पहले किसान है। हमारा किसी के साथ कोई झगड़ा नहीं। स्पीकर साहब, आज वहां पर छत्तीस बिरादरी पूरी तरह से प्यार से रह रहे हैं। स्पीकर साहब, मैं सदन के हर सदस्य से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि इस मामले में ज्यादा जाने की जरूरत नहीं है। यह समय ऐसा है कि जिस पर मलहम लगाने की जरूरत है। मैंने खुद नगीना में जाकर कहा और पुनहाना में भी कहा कि अगर मन्दिर को नुक्सान पहुंचा है तो हम ईट लगाने के लिए तैयार हैं, चाहे मन्दिर का नुक्सान हुआ है, चाहे मस्जिद का नुक्सान हुआ है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि जिस किसी भाई का नुक्सान हुआ है,

उसकी क्षतिपूर्ति की जाए, चाहे वह मंन्दिर है, चाहे मस्जिद है। स्पीकर साहब, मैंने भादस में भी कहा था यह तो ईट चूने की बात है, हम तो आपको संगमरमर लगवा सकते हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय आधा घंटा और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी, आधा घंटा समय बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय आधा घंटा बढाया जाता है।

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

डा० ओम प्रकाश शर्मा (जगाधरी): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। स्पीकर साहब, इस समय सदन के अन्दर सरकार ने जो निन्दा प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। आज से 468 साल पहले शहनशाह बाबर के बारे में यी कहा जाता था कि उसने मन्दिर को गिरा कर मस्जिद का निर्माण करवाया था और आज उन्ही बातों के। लेकर बी० जे० पी० व सजपा व दूसरेरू साथी यहां पत्र बावेला मचा रहे हैं। यह कितनी शर्म की बात है। राम बिलास शर्मा मेरे छोटे भाई हैं, वे भी ब्राहाण है, मैं भी ब्राह्मण हूं। मै बताऊंगा कि इनका मेरे साथ क्या रवैया रहा है, यह रिकार्ड की बात है। जहां तक धर्म की बात का ताल्लुक है, मैं इन्हें बता दूं

कि मैं भी श्री राम का कट्टर अनुयायी हूं। शायद इनसे ज्यादा हो हूंगा। अध्यक्ष महोदय, आज हिन्दू समाज भी दो हिस्सों में बंट गया है। ये बी० जे० पी०, सजपा वाले तो राम पर विश्वास करते हैं लेकिन ये उस राम को मानते हैं जो केवल अयोध्या तक सीमित है, ये उस राम को नहीं मानते जो कण कण में विद्यमान है, व्यापक हैं। ये तो केवल राम लला को ही मानते हैं लेकिन मर्यादा परशोत्तम राम को नहीं मानते। मैं भी इनसे ज्यादा राम भक्त हूं, मगर मुझे तो मेरा धर्म ऐसा करने की इजाजत नहीं देता जो इन लोगों ने धर्म के नाम पर कर दिखाया है। राम के नाम से किसी दूसरे धर्म पर प्रहार करना, मस्जिद को बना कहां का धर्म है? आज से 468 साल पहले बाबा ने जो मन्दिर ढा कर मस्जिदें बनवाई थीं, वह कोई अच्छी बात तो नहीं कही जा सकती। उसको हम जालिम कहते हैं और आज हमने भी उसी बात को दोहराते हुए मसजिद को गिरा दिया। यह कोई अच्छी बात थी क्या? हम आज कह रहे हैं कि बाबर ने अच्छा नहीं किया था पर हमने आज ऐसा करके कौन सा अच्छा काम किया है? स्पीकर साहब, यह बात सारे संसार में मशहूर थी कि हिन्दुओं में सहनशीलता बहुत है, मगर आज यह सारी बातें गलत सिद्ध हुई हैं, जोकि इन लोगों ने कर दिखाया है। धर्म के नाम पर ऐसी बातें करना किसी को शोभा नहीं देता। स्पीकर साहब, मैं 1987 की, इन लोगों की सहनशीलता की मिसाल आपको सुनाता हूं। मेरे वहां पर इलैक्शन का परिणाम घोषित होने के पश्चात इन लोगों ने मेरे घर को लूटा, मेरे दफतर को लूटा और मेरे घर और दफतर के लाखों

रुपये के सामान को जलाकर राख कर दिया। कुछ लूट कर ले गए और कुछ आतिश आग की नजर कर दिया। उसकी एफ० आई० आर० मैंने नहीं लिखवाई बल्कि पुलिस ने खुद लिखी। आज भी रिकार्ड में मौजूद है कि किस तरह से ये लोग वहां पर घुसे। (विघ्न) अगर मुख्य मंत्री जी मुझे इजाजत दें तो वह एफ० आई० आर० आज भी जिन्दा है और उस पर आज भी कार्यवाही हो सकती है। उससे पता चल जाएगा कि इन लोगों की क्या सोच है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि 1987 के वक्त की जो एफ० आई० आर० थी, वह मेरी तरफ से या मेरे परिवार की तरफ से नही लिखवाई गई थी बल्कि डी० सी० और एस० पी० खुद मुझे कहने लगे कि डा० साहब आप अपनी रिपोर्ट लिखवाए।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य प्रस्ताव पर बोल रहे हैं या और किसी मामले पर बोल रहे हैं?

श्री अध्यक्ष: डा० साहब, आप प्रस्ताव पर ही बोलें।

डा० ओम प्रकाश शर्मा: स्पीकर साहब, मैं बता रहा था कि मैंने या मेरे परिवार ने को एफ० आई० आर० नही लिखवाई। मेरे घर को लूट लिया गया, हमारी औरतों की बेइज्जती की गई। मेरे आफिस के अन्दर आग लगा दी गई और लाखों रुपए का सामान लूट कर ले गए। मेरी लाइब्रेरी भी जला दी गई और सारी

दवाइयां भी ले गए। स्पीकर साहब, मैं यह बताना चाहता हूं कि जितना यह चालाक वर्ग है, उतनों ही शरारती भी है। इन्होंने धर्म की आड़ू के अन्दर गरीबों को लूटा। ये किसानों को लूटना चाहते हैं और उनका हमेशा शोषण करना चाहते हैं। अगर आपने इनका शोषण देखना है तो मेरी एफ० आई० आर० निकलवा लो। मुझे चौधरी भजन लाल पर पूरी यकीन है। (शोर)सम्पत सिंह जी उस वक्त आप होम मिनिस्टर थे, जब वह तबाही हुई थी। मुख्य मंत्री जी सारे मामले की इन्कवायरी करवा लें। धन्यवाद।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप बैठक का टाईम और बढ़ा ले। (शोर)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैंठें।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मुझे भी बोलने का समय दिया जाए। (शोर)

श्री अध्यक्षः लहरी सिंह जी, आप कृपा करके बैठ जाएं। (शोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के मैम्बर्ज को बोलने का समय नहीं दिया गया। आप कृपा करके बैठक का समय बढा लें। (शोर)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैठ जाएं।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, धीरपाल सिंह जी हमारी पार्टी के प्रधान हैं, इनको बोलने के लिए आप समय दे दें। आप बैठक का समय और बढ़ा लें। (शोर)

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि अगर आप प्लांड ढंग से बात करेंगे तो अलग बात है, लेकिन किसी विषय पर बहस करने के लिए टाईम की लिमिट होती ही है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, आपने चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को बोलने के लिये समय दिया, उसके लिए हमने कोई आपत्ति नहीं की।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी के मैम्बर को भी बोलने का समय दिया है। आपने उस समय यह कहा था कि आप हमारी पार्टी के मैम्बर को भी बोलने का समय दें, जब उनका मसाला ही खत्म हो गया और उनके पास बोलने के लिए कुछ नहीं रहा तो मैं क्या कर सकता हूं? मैंने तो उनको बोलने के लिए समय दिया था।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, धीरपाल जी हमारी पार्टी के प्रधान है। आप उनको बोलने के लिए मौका दें।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी के बोलने के बाद, will you be satisfied ?

प्रो० सम्पत सिंहः जी हां।

श्री अध्यक्षः ठीक है, धीरपाल जी आप 5 मिनट बोल लें।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): स्पीकर साहब, हाउस के नेता ने जो निन्दा प्रस्ताव रखा है, वह अर्धसत्य है। अयोध्या में जो भी घटना हुई, उससे इस देश की गरिमा और मान सम्मान को बहुत भारी धक्का लगा है। हर हिन्दुस्तानी उस घटना से चिन्तित है। इस महीने की 6 तारीख को जो अयोध्या में घटना घटी, उसकी हमारी पार्टी ने निन्दा की और वह घटना निन्दा करने के योग्य भी है। स्पीकर साहब, 6 तारीख के बाद इस देश में जिन बेगुनाह लोगों की हत्याएं की गई, वह भी राजनीति से प्रेरित थी और इससे कांग्रेस पार्टी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती। कांग्रेस पार्टी के केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने कहा था कि हम इस घटना का केवल बी० जे० पी० पर दोष लगाते रहै लेकिन वास्तव में देश और विदेश में हमारे सारे समाज को इससे बहुत भारी धक्का लगा है उसमें हम सब साझीदार हैं। सारी स्थिति को ध्यान में रखते हुए भिन्न भिन्न पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया था कि 6 तारीख को वहां पर लाखों लोग जा 'रहे हैं, इससे हमें शक हो रहा है कि वहां पर कहीं कुछ गड़बड़ हो जाये, इसलिए आप कुछ कदम उठायें। (विघ्न) इस पर प्रधान– मंत्री ने कहा कि मेरे साथ विश्वासघात हो गया। विश्वासघात का अर्थ यह होता है कि जब जो दो मित मिल कर एक फैसला कर लेते हैं तो उनमें कोई एक दूसरे को धोखा दे दे तो उसे विश्वासघात कहते

है। प्रधानमंत्री जी की बातों से ऐसा लगता है कि प्रधान मंत्री जी और बी० जे० पी० वाले आपस में अन्दर खाने मिले हुए थे। दोनों ने जानबूझ कर मस्जिद को गिराने का काम करवाया है। इन सारी बातों से तो यही नजर आता है कि प्रधान मंत्री जी, कांग्रेस पार्टी और बी० जे० पी० की मिली भगत की वजह से ही वह ढांचा गिराया गया है। (विघ्न) जो उत्तर प्रदेश की सरकार को बर्खास्त किया गया है, वह इस कांग्रेस पार्टी ने और देश के प्रधान मंत्री ने अपनी वोट राजनीति से प्रेरित होकर किया है। मैं एक बात स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जैसा भाई बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि विपक्ष के लोगों ने अपने समय में बी० जे० पी० वालों को सहयोग दिया था। और इन लोगों को विधान सभा और लोक सभा में लेकर आए थे। मैं भाई बीरेन्द्र सिंह जी. से पूछना चाहता हूं कि जब कांग्रेस पार्टी अल्प मत में थी, तो उस समय क्यों संसद में कांग्रेस पार्टी ने बी० जे० पी० का सहयोग मांगा था? अपनी सरकार बचाने के लिए ही ऐसा किया गया। क्या उस समय यह नही पता था कि बी० जे० पी० की नीतियां क्या हैं, इनका इरादा क्या है और ये कैसे लोग हैं? उस समय अपनी सरकार बचाने के लिए अपने मतलब के लिए तो उस समय बी० जे० पी० अच्छी लगी और आज कह रहे हैं कि उन्होंने गद्दारी की है, विश्वासघात किया है। अपनी राजनीति के लिए ही कांग्रेस पार्टी शुरू से अलग अलग खेल खेलती रही है। (विघ्न) यहां पर एक विधायक ने कहा कि दो मंत्रियों ने सविधान को उल्लंघना की है। (शोर)यहां पर वे संविधान की कसम उठाते हैं कि हम संविधान के

अनुसार काम करेगे लेकिन इन्होंने संविधान की उल्लंघना की और लोगों को भड़काया। (शोर एवं विघ्न)हमने अपने स्तर पर भी जांच की है और गांवों में काम करने वाले कर्मचारियों से जो पता लगवाया है, उससे साफ जाहिर हुआ है कि इन दो मंत्रियों ने लोगों को भड़काया है। जो अनपढ़ लोग थे, वे बहकावे में आ गए। लेकिन आम मेव लोग इनके बहकावे में नहीं आये। यदि सारे लोग इनके बहकावे में आ जाते तो पता नहीं वहां क्या हालात होते। डन लोगों ने अपनी दोबारा एम०एल० एर० शिप के लिए ऐसा नाटक किया है। वहां पर इन लोगों ने आग में धो डालने का काम किया है। मन्दिर इन लोगों ने गिरवाये और गऊएं भी जलाई गई। (विष्य)अध्यक्ष महोदय, मैं और मेरी पार्टी सरकार से इन दोनों की गिरफ्तारी की मांग करते हैं। स्पीकर साहब, मुहम्मद इलियास ने जो बात कही है, वह गल्त है। (व्यवधान एवं शोर)स्पीकर साहब. मेरे गांव में एक मुहम्मडन परिवार है, घटना का उस परिवार पर कोई असर नहीं पड़ा। मेवात में लोगों पर हमले हुए और हमारे गांव के रहने वाले जो कर्मचारी हैं उनसे मारपीट की गई। बिजली बोर्ड के एक एस० डी० ओ० को जैलियों से पीटा गया। सन् 1947 मे इस मुस्लिम परिवार को हम लोगों ने बड़े प्यार से रख लिया था। आप बादली में जा कर देखिये, किसी एक भी व्यक्ति ने इस मुस्लिम परिवार के प्रति किसी प्रकार की कोई छोटी से छोटी बात भी नहीं कही। आप चाहे तो इस बात की इन्कवायरी करवा सकते हैं। (घण्टी)अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान का हर नागरिक इस बात से चिन्तित था कि कहीं 6 तारीख को

अयोध्या में मस्जिद को न गिरा दिया जाये क्योंकि कांग्रेस पार्टी वोट की राजनीति करती रही है। मैं समाजवादी जनता पार्टी की ओर से ऐलान करता हूं कि कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी, दोनों वोट की राजनीति कर रही हैं। ये लोग हमारी लाशों के ढेर पर बैठ कर राजनीति कर रहे हैं। इस प्रकार कांग्रेस पार्टी ने वोट की राजनीति करके देश का बेड़ा गर्क कर दिया है। (विघ्न एवं शोर)स्पीकर साहब, इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात को खत्म करता हूं और आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

साथी लहरी सिंह (रादौर अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, इस मामले पर मैं तो सिर्फ एक ही बात कहना चाहता हू चाहे चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर गिरे, मौत तो. बेचारे खरबूजे की ही होती है। स्पीकर सर, हिन्दू धर्म के जितने भी ठेकेदार हैं, उन्होंने हजारों सालों से गरीब जनता पर अत्याचार किये हैं। डा० अम्बेदकर जैसा विद्वान उस समय पूरे हिन्दुस्तान में कोई नही था लेकिन इन धर्म के ठेकेदारों ने उन्हें भी नही बख्शा। डा० अम्बेदकर ने हमें संविधान दिया लेकिन इन हिन्दु धर्म के ठेकेदारों ने, उनकी फाईलों को हाथ लगाना बन्द कर दिया था। हिन्दू धर्म के ठेकेदारों ने उन पर इतने अत्याचार किये कि हारकर उन्होंने हिन्दू धर्म को छोड़कर बौद्ध धर्म अपना लिया। स्पीकर सर, जिस व्यक्ति ने हिन्दुस्तान का संविधान बनाया, उसके साथ इस प्रकार का अत्याचार हुआ, परिणामस्वरूप उनको हिन्दू

धर्म को छोड़ना पड़ा। ये लोग राम राज की बात करते हैं। स्पीकर सर, राम राज का मतलब यह है कि हर आदमी को समानता मिले लेकिन नहीं मिलती, क्योकि बाबू जगजीवन राम जब प्रधान मंत्री बनने वाले थे तो उनको प्रधानमंत्री नही बनने दिया गया। (विज)जब उन्होंने मन्दिर में जा कर मूर्ति का अनावरण करना चाहा तो उन को ऐसा नहीं करने दिया गया। स्पीकर साहब, मेरा निवेदन है कि आज धर्म के इन ठेकेदारों ने देश की हालत ऐसी कर दी है कि लोग आपस में मिल कर रह न सकें। इन्होंने लोगो को तोड़ने की कोशिश की है और एक ऐसी आग लगाई है जो काबू में न आए। स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं कि धर्म को सही रूप से अगर कोई मानने वाला है तो वह गरीब आदमी ही है। आप नाई के घर पर चले जाईये, वहां पर आपको राम की मूर्ति मिलेगी, आप किसी चमार के घर पर चले जाएं तो वहां पर आपको राम की मूर्ति मिलेगी। ये लोग तो केवल राजनीति कर रहे हैं धर्म के नाम पर, यह बहुत ही दुख की बात है। अडवानी जी को पटना से गिरफ्तार किया गया और जब उनको छोड़ा गया तो वे अयोध्या नहीं गए बल्कि सीधे दिल्ली पहुंचे। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, प्वायंट आफ आर्डर की बात कोई नही है, आप बैठिए।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, अडवानी जी को पटना से नही बल्कि समस्तीपुर से गिरफ्तार किया गया था।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, आज से 600 साल पहले हिन्दू धर्म की आखें खोलने को काम गुरू रविदास। गुरू नानक देव और भक्त कबीर ने किया था, मगर इन धर्म' के ठेकेदारों ने उनका अपमान किया। (शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, बाल्मीकि जी ने भगवान दिया और ये बाल्मीकि जी को अपने घर में घुसने नही देते हें। ये वे आदमी हैं जो हमारे गरीब आदमी की, मजदूर आदमी– की, किसान की भावनाओं को भड्का करके इस देश को गुलाम करना चाहते हैं। यही सोमनाथ मन्दिर की कहानी है। सोमनाथ का मन्दिर लुट गया और ये कहते रहे कि हमारा राम बचाएगा। मैं पूछता हूं ये कहा थे उस समय, जब नादिरशाह हिन्दुस्तान को लूट कर ले गया था, सिकन्दर लूट कर ले गया और ये कहते रहे हमारा राम, हमारा राम। अध्यक्ष महोदय, राम जिसके हम पुजारी हैं, वह तो कण–कण में रहता है। अध्यक्ष महोदय, हम सुबह उठकर राम–राम करते है और ये गुड मौरनिग कहते है। तो आज ये कैसे कह सकते हैं कि राम उनका है। राम जो दशरथ का पुत्र, वह मेरे मन का राम है, गुरु रविदास के मन का राम है, संत कबीर के मन का राम है और वह गुरु नानक के मन का राम है। वह हमारे महर्षि बाल्मीकि के मन का राम है जिसने रामायण लिख कर के यह बता दिया था कि राम तो मर्यादा– पुरुषोत्तम हैं। लेकिन पुरुषोत्तम राम आज इनके नही हैं,

इनकी तो है कुर्सी। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि चाहे वह कांग्रेस पार्टी है, चाहे वह बी० जे० पी० पार्टी है, अगर ये चढ़े तवे पर रोटी सेकने वाली बात मन से नही निकालेगें तो इतिहास इनको कभी माफ नहीं करेगा। कांग्रेस पार्टी भी उतनी ही जिम्मेवार है जितने ये हैं। जब हिन्दुस्तान के कोने–कोने में खम्भों पर यह लिखा हुओं है कि मस्जिद तोड़ेंगे और मन्दिर बनाएगे तो उस वक्त ये कहां गए थे? कांग्रेस पार्टी को तो एक एक मिनट की खबर थी और जब मस्जिद टूट गई तो बाद में कहते हैं कि यह गलत हो गया। (शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, जब गली–गली में खम्भी पर यह लिखा हुआ था कि मस्जिद तोड़ेंगे मन्दिर बनाएंगे तो क्या इस बात से देश में आग नहीं फैलती? (घण्टी)अध्यक्ष महोदय, 1984 में इन्दिरा गांधी जी का जब कत्ल हुआ था तो उस वक्त मैं दिल्ली से आ रहा था। उस वक्त मैंनै एक बुजुर्ग के, जो 80 साल का था और मेरे ही हल्के का था, मैं उनको बचा कर लाया था। मैंने यह कहा था कि ये मेरे गुरु हैं। अब आप ही बताएं, अगर हम आपस में मिलजुल करे हरियाणा में ऐसा अच्छा माहौल बनाए, और ये आग फैलाएं तो इस तरह से बात नहीं बनेगी।

अध्यक्ष महोदय मैं जमुनानगर के एस० पी० और डी० सी० को मुबारकबाद देना चाहता हूं। उनको जैसे ही पता चला कि वहां पर एक गाए को मारने की कोशिश की जा रही है तो इन्हेंने तुरन्त ही स्थिति पर काबू पा लिया। (घण्टी)इसी तरह से मेवात मे

भी बिगड़ती हुई स्थित्ति पर काबू पाया जा सकता था। वास्तव में यह सरकार की फेल्योर है और मैं चाहूंगा कि इस ईशू पर सरकार इस्तीफा दे और इन सारी घटनाओं की तहकीकात की जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः लहरी सिंह जी, लम्बी बात कहने की कोई जरूरत नहीं है, आप जल्दी से खत्म कीजिए।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम यहां पर कहते हैं कि हमारा देश धर्म निरपेक्ष हो लेकिन यह तभी हो सकता है जब हम हिन्दु और मुसलमान एक दूसरे को गले से लगाएंगे। उनकी गलती को हम अपनी गलती मानेगे औरे हमारी गलती को वे अपनी गलती मानेगे, तभी देश में शान्ति होगी। अन्त में मैं यहीं कहूंगा कि जो कुछ अयोध्या में हुआ है वह बहुत ही निन्दनीय है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर हाऊस की सहमति हो तो बैठक का समय आधा घन्टा और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय आधा घण्टा और बढ़ाया जाता है। (शोर)

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

19.00 बजे

चौधरी ओम प्रकाश बेरी (बेरी): अध्यक्ष महोदय, वैसे तो रूल के मुताबिक मुझे अपनी जगह से बोलना चाहिए था लेकिन मैं आपकी इजाजत से यहीं से बोल रहा हूं। सर, यह जो निन्दा प्रस्ताव रखा गया है कि 6 दिसम्बर, 1992 को तथा बाद में देश के अन्दर और विभिन्न प्रदेशों के अन्दर जो घटनाएं तथा दंगे हुए, उसकी जितनी भी निन्दा की जाए वह थोड़ी है। हमारा देश धर्म निरपेक्ष देश है और इसमें हिन्दू को, मुसलमान को, ईसाई को और सिक्स सभी को बराबर का हक है। यह देश किसी एक सम्प्रदाय की बपौती नहीं है। इस देश को हजारों लोगों ने, हमारे नेताओं ने बड़ी भारी कुर्बानियां देकर आजादी दिलायी थी और इस देश को धर्मनिरपेक्ष देश माना था। किसी एक पार्टी को या किसी एक व्यक्ति को इस देश को तोड़ने का अधिकार नहीं है। अगर हम यह समझें कि हम पार्टी मे बड़े हैं और पाटीं देश से बड़ी है तो इस तरह से यह देश टूट जाएगा और जब देश टूट जाएगा तो न यहां पर पार्टी रहेगी और न हम रहेंगे। इस नाते से हमें पार्टी लाइन से०पर उठकर यह सोचना समझना चाहिये कि इस देश को कैसे बचाया जाए। इसके साथ ही मैं एक बात और कहना चाहता हूं और यह बड़ी पुरानी कहावत भी है कि ''मजहब नही सिखाता आपस में बैर रखना'। यह तो कोई भी मजहब नहीं कहता है कि हम किसी दूसरे मजहब को मिटा देंगे। इसलिये जो लोग हिन्दु या मुसलमान की बात करते रह, धार्मिक कट्टरता की

बातें करते हैं और देश को तोड़ना चाहते है राम के नाम पर वोट की राजनीति करने हैं, वह इस देश में रहने के काबिल ही नही हैं। इन्होंने सारे देश को बहुत नाजुक दौर में पहुंचा दिया है। इसलिए मैं भाई राम बिलास शर्मा से एक बात कहूंगा कि उन्हें पार्टी लाइन मे उपर उठकर इस देश को बचाने की बात सोचनी चाहिए तथा मस्जिद तोड़ने जैसी बातें नही करनी चाहिए। यहां पर हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, सिक्स सभी को रहने का पूरा हक है। यहां पर जितने भी मन्दिर, मस्जिद गिरजाघर और गुरुद्वारे हैं, वे सब पूजा के स्थान हैं। कोई आदमी मस्जिद में जाता है, कोई मन्दिर में जाता है, कोई गिरजाघर में जाता है तो कोई गुरुद्वारे में जाता है। इसलिये इसमें राजनीति नही करनी चाहिये। लेकिन कई पार्टियां धर्म की आड़ लेकर, इस देश को तोड़ने का काम कर रही हैं, ऐसी पार्टियों पर पाबंदी लगानी चाहिये। सदन के नेता द्वारा यह जो निन्दा का प्रस्ताव लाया गया णै, यह प्रशंसनीय है। इसके साथ ही यह बात भी कहना चाहूंगा कि भारत सरकार ने साम्प्रदायिक संस्थाओं पर जो पाबंदी लगायी है, जो कि इस देश को सम्प्रदायों में बांट देना चाहती है, उसकी भी सराहना की जानी चाहिये। भारत सरकार ने यह बहुत ही प्रशंसनीय काम किया है। इसके साथ ही मैं यह भी कहूंगा कि जहा एक ओर बी० जे० पी० यह कहती है कि पंजाब के कुछ लोगों द्वारा फेथ को सबसे०पर माने जाने की बात नही माननी चाहिए और देश को कांस्टीच्यूशन के अनुसार, कानून के अनुसार ही चलना चाहिए, वहीं दूसरी ओर अयोध्या की बात आने पर वह कहती है कि हमारा इसमे फेथ है

और कानून की कोई बात नहीं चलेगी, फेथ की बात चलनी चाहिये तो यह दोहरी बात हो जाती है। इस देश में कानून की बात चलनी चाहिये। जहां तक– सरकारों को तोड़े जाने की बात है तो यू० पी० की सरकार ने भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया और देश के साथ भारी विश्वासघात किया। जो लोग केन्द्र सरकार को और प्रधानमंत्री जी को इस बात के लिए क्रिटीसाईज करते हैं कि पहले ही कठोर कदम उठाये जाने चाहियें थे, इनको यह पता होना चाहिये कि हमारे प्रधानमंत्री संविधान के अनुसार चलते हैं और कानून के अनुसार काम करते हैं। संविधान इस बात की इजाजत नहीं देता, जब तक कांस्टिच्यूशनल ब्रेक डाउन न हो जाए तब तक किसी सरकार को बर्खास्त नही किया जा सकता। अगर वह छह तारीख को या छह तारीख से पइले उत्तर प्रदेश की सरकार को बर्खास्त कर देते तो यही लोग आरोप लगाते किं सरकार ने अनकांन्स्टीच्यूशनल काम किया है और उसको ऐसा नहीं करना चाहिए था। अतः यह काम उस वक्त किया गय जब उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से कास्टीच्यूशनल बेक डाउन हो गया था और कानून की धज्जियां उड़ा दी गई थीं। यह स्टैप जो थी पी० वी० नरसिंहराव ने उठाया है, यह बिछल उपयुक्त समय पर उठाया। प्रजातांत्रिक प्रणाली के आधार पर यह सारा काम किया है। मैं एक बात साफ तौर से कइना चाहता हूं कि इससे पूरे देश का हित जुड़ा हुआ है, इससे देश की अखंडता जुड़ी हुई है और देश सबसे प्यारा है हमें पार्टी लाइन पर न बोलते हुए देश को बचाने की बात करना चाहिये। अतः आप सभी इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति

से पास होने देने में मदद करें क्योंकि यह देश के हित की बात है। हमें इंसानियत की बात करनी चाहिये। हर संप्रदाय के लोगों को इस देश मे रहने का अधिकार है। मैं बताना चाहता हूं कि अगर हमने किसी एक सम्प्रदाय की राजनीति करने की कोशिश की तो यह देश टूट जाएगा और इसका दोष उन लोगों पर होगा जिन्होंने इस देश को सम्प्रदायों के आधार पर बांट कर तोड़ने की कोशिश की है, इसलिये आप इस देश को बचाने की बात करें जिससे देश बच सके (घंटी)मन्दिर हो या मस्जिद, गुरुद्वारा हो या गिरिजाघर, ये सब व्यक्तिगत पूजा के स्थान हैं, कोई किसी में विश्वास करता है कोई किसी में कोई–कोई तो किसी में भी विश्वास नहीं करता असली धर्म तो वैदिक धर्म है, असली धर्म तो इंसानियत है असली धर्म वो है जो साइन्टीफिक तौर तरीके से सोच के देश को आगे ले जाने का काम करे, समाज को बचाने का काम करे। इसलिये आओ, हम सब मिलकर अपने देश को जाए अखंड भारत है, उसको। बचाने का काम करें और ऐसा काम करें कि हर सम्प्रदाय के लोग इस मारत देश मे इज्जत के साथ रह सकें। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि यह जो निन्दा प्रस्ताव आया है, इसका सर्वसम्मति से समर्थन किया जाना चाहिये। साथ–साथ सदन के नेता से मेरा अनुरोध है कि विभिन्न साम्प्रदायिक संस्थाओं परं जो पाबन्दी भारत सरकार ने लगाई है, अगर उसे भी डस प्रस्ताव में जोड़ दिया जाए तो मेरे ख्याल में ज्यादा अच्छा होगा। इन शब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हू।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिये खड़े हो गये)

नेमिंग आफ मैम्बर्ज

श्री अध्यक्षः मक्कड़ साहब आपको फिर टाइम देंगे आप बैठ जाइए। (शोर एवं व्यवधान) सतबीर सिंह जी आप भी बैठिए। पहले मुख्य मंत्री जी को सुन लें।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय ये बीच में क्यो बोलते है? पहले आप धीरपाल जी और सम्पत सिंह जी को बैठाइए।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, पहले आप इनको (दो मिनिस्टर्ज को)डिसमिस कीजिए (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः सम्पत सिंह जी, आपको कुछ सोचना चाहिये ऐसी बात कहते हुए।

प्रो० सम्पत सिंहः जब तक मुख्य मंत्री जी यह घोषणा नहीं करते (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह आपकी नर्मी का फायदा उठा रहे हैं, आप इन्हें बैठाइए।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप इस ढंग की कोई बात नहीं कह सकते। इसका मतलब यह है कि आप वाक–आउट करना चाहते हैं? आप बैठ जाइए अब मुख्य मंत्री जी बोलेंगे।

चौधरी भजन लालः अच्छा, हम क्यों कर दें उनकी डिस्मिसल? क्या इनका कोई कसूर है?.. (व्यवधान व शोर)इनका कोई कसूर नहीं है। आप पहले सुनो तो, इनका कोई कसूर नही है।

श्री धीरपाल सिंहः इन्होने वहां पर आग लगाई है। हमारे पास इस बात के सबूत हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप इनको बैठाइए।

श्री अध्यक्षः देखिये, इसका आपकी उस बात से कोई ताल्लुक नही है। आपके व्यवहार से तो यह जाहिर होता है कि जब भी सी० एम० साहब बोलने के लिए खड़े होंगे तो आप जरूर खड़े होंगे। अगर आपको वाक आउट करना ही है तो बात अलग है। अगर बापने यही मन बना रखा है कि हाउस को नहीं चलने देना है तो I shall have to name you, otherwise, there is no other wayout. आपने ऐसे ही करना है तो बता दें वरना बैठिये।

चौधरी भजन लालः आप इनको कह दें कि ये डिसिप्लन में रहें। मैं एक बात सारे सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि

हमने इनकी सारी बातों को सुना है। अव ये कह रहे हैं कि इनको डिसमिस करो, क्या यह बात इनको शोभा देती है?

(At this stage Ch. Dhir Pal Singh and Shri Sampat Singh continued speaking without permission of the Chair).

Mr. Speaker : If you disturb like this, I warn you. Please take you seat (Noise) Dismissal of Ministers is not the subject matter under discussion of the House. (Noise) Please take your seat.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह कोई तरीका नहीं है बात करने का। चौधरी सम्पत सिंह जी, मेरी बात सुनो। कुछ कायदे कानून की बात भी करो। आपको अपोजीशन का लीडर बनाकर, मेरे ख्याल में, स्पीकर साहब ने गलती कर रखी है। आप मेरी बात सुनो तो सही।

(At this stage Ch. Dhir Pal Singh continued speaking without permission of the Chair).

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बिना इजाजत के बोल रहे हो। I name you.

(Chaudhri Dhir Pal Singh withdrew from the House).

(At this stage Shri Sampat Singh continued speaking without permission of the Chair).

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, **I** also name you. You may please leave the House. (Prof. Sampat Singh withdrew from the House).

(At this stage Shri Satbir Singh Kadian continued speaking without permission of the Chair).

Mr. Speaker Shri Kadian Ji, I name you. You may please leave the House. (Sh. Satbir Singh Kadian withdrew from the House).

(At this stage Shri Krishan Lal continued speaking without permisslon of the Chair).

Mr.S peaker : I name Shri Krishan Lal. He may please leave the House. (Sh. Krishan Lal withdrew from the House).

(At this stage Shri Suraj Bhan Kajal continued speaking without permission of the Chair).

Mr. Speaker : I name Shri Suraj Bhan Kajal. He may please leave the House. (Shri Suraj Bhan Kajal withdrew from the House).

(At this stage Shri Ramesh Kumar continued speaking **without** permission of the Speaker.)

Mr. Speaker : I name Shri Ramesh Kumar. He may please leave the House. (Sh. Ramesh Kumar withdrew from the House.)

(At this stage, Shri Balwant Singh and Shri Zile Singh continued speaking without permission of the Speaker.)

Mr. Speaker : I name Shri Balwant Singh and Shri Zile Singh. They may please leave the House. (Sh. Balwant Singh and Sh. Zile Singh withdrew from the House).

(At this stage Shri Ram Kumar Katwal continued speaking without permission of the Speaker):

Mr. Speaker : I name Shri Ram Kumar Katwal. He may please leave the House. (Sh. Ram Kumar Katwal withdrew from the House.)

(At this stage Shri Bharath Singh and Shri Daryao Singh continued speaking without permission of the Hon'ble Speaker).

Mr. Speaker : I name Shri Bharath Singh and Shri Daryao Singh. They may please leave the House.

(Sh. Bharath Singh and Sh. Daryao Singh withdrew from the House).

प्रो० राम बिलास शर्माः आप कौन सा सबूत चाहते हैं इनको डिसमिस करने के लिये?

चौधरी भजन लालः श्री राम विलास जी, क्या आपने भी बाहर जाना है?

प्रो० राम बिलास शर्माः आप इनको डिसमिस करने के लिए हमसे कौन सा सकूल चाहते हैं?

चौधरी भजन लालः राम बिलास जी, आप तो बैठिए। (व्यवधान)

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, ऐसे काम नहीं चलेगा (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप मेहरबानी करके बैठ जाएं, नहीं तो, मुझे आपको भी नेम करना पड़ेगा (व्यवधान)

प्रो० राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था.. . (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आप बिना इजाजत से बोल रहे हैं, यह ठीक नहीं है। मैं आपको भी नेम करना हूं।

(Prof. Ram Bilas Sharma did not withdrew from the House.)

श्री अध्यक्षः मार्शल, इनको बाहर ले जाएं।

(At this stage, the sergeant-at-Arms took the hon. member out of the House).

चौधरी फूल चन्द मुलानाः सीकर साहब, इससे यह साबित होता है कि ये लोग भी बी० जे० पी० से मिले हुए और इस प्रस्ताव का समर्थन नही करना चाहते।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आपने देखा है कि एस० जे० पी० के भाई किस तरह से ब्लैकमेल करते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, ऐसा कोई नियम नहीं है कि चुने हुए नुमा इंदों को बाहर निकाल दिया जाए। स्पीकर साहब, हाउस में कट्राडिक्टरी स्टेटमैंट आ रही हैं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः यह कौन सो नियम है कि मैम्बर साहब अपनी बात तो कह दें और हमारी बात को ये लोग सुने नही और शोर मचाते रहें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठिए और अगर आपको जाना हो तो जाओ। (शोर एवं व्यवधान)

(At this stage, hon. member continued speaking without permission of the Hon. Speaker).

श्री अध्यक्षः कर्ण सिह जी, मैं आपको नेम करता हूं। आप हाउस से चले आए।

(The hon. member withdrew from the House).

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, एक बात हाउस मे आई है और इस बात को माना गया है कि मेवात में गडबड हुई है। सजपा के सदस्यों ने कहा है कि हाउस के मैंबरान की एक कमेटी बना दी जाए और बहु इंक्वायरी कर लें, सारी बात साफ डो जाएगी (शोर एवं व्यवधान)स्पीकर साहब, आप दलाल साहब को वापस बुला लीजिए।

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): आप लोग बात तो सुन लें। हम कर्ण सिंह जी को बुला लेते हैं। आप शांति से सारी बात सुनें। स्पीकर साहब, आप कर्ण सिंह को बुला लें। स्पीकर साहब, मुझे बड़े द्ख के साथ कहना पड़ता है कि किस तरह का

वातावरण इन लोगों ने बना दिया है। ये लोग अपनी बात तो कह लेते हैं जो हाउस में नहीं कहनी चाहिए और जब हाउस में जवाब देने का मौका आता है तो हाउस से ये लोग वाक आउट करने की सोचते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, आप दलाल साहब को वापस बुला लीजिए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, बुलवा लीजिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने देखा कि भाई सम्पत सिंह जब बोल रहे थे तो किस तरह से गोल बात कर रहे थे। कभी बी० जे० पी० के बारे में ऐसा कहते थे ताकि वे उन से नाराज न हो जाएं। साथ में थोड़ी सी बात ऐसी भी कर जाते थे ताकि थोड़ा सा वे सेकुलर भी बन जाएं लेकिन स्पीकर साहब, सच्चाई सच्चाई ही होती है। वह कभी छुप नहीं सकती बनावट के अम्लों से और खुशबू आ नही सकती कभी कागज के फूलों से। आप अच्छी तरह जानते हैं कि किस तरह का इन लोगों ने आज यहां पर वातावरण बना रखा कुए और किस तरह से मगरमच्छ के आंसू ये लोग बहा रहे है। क्या आपके सामने यहां हाउस मे उनका ऐसा रोल होना चाहिए था? क्या उनका किरदार था? उन की इन बातों को सारा देश जानता है। सबसे पहले तो मैं उनके ऐक्शन को कंडम करता हूं, उनके रोल को कंडम करता हूं क्योंकि इनको नेम करने के लिये बापको इन्होंने मजबूर कियी। अध्यक्ष महोदय,

इनको यह चाहिये था कि वे बैठ कर आपस में बात करते। सम्पत सिंह जी कहते हैं कि सव से पहले तो ताला कांग्रेस ने ही मन्दिर का खुलवाया। हम कोई मन्दिर के खिलाफ नही हैं। हम इनमे ज्यादा राम के भक्त हैं, ईश्वर की पूजा करते हें। दोनों टाईम वर पर हवन यज्ञ करके ईश्वर का नाम लेते हैं। ये कोई राम के ठेकेदार नही है। क्या हमारा राम नही है? क्या लगते हैं राम के ये लोग?

अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब जब देश के अन्दर गौ हत्या का आन्दोलन भड़का तो लोगों ने, इनके बड़े लीडरों से पूछा कि बताओ वाजपेयी साहब, आपके पास कितनी गाए हैं? कहने लगे कि मेरे पास तो एक भी गाय नही है और फिर ये लोग दुहाई देते है कि गौ रक्षा होनी चाहिये। गाय पाल कर तो ये लोग दिखाएं, फिर इन्हें पता चले। दसरे भाई ने पूछा कि बताओ गाय के थन कितने होते हैं तो कहने लगे कि मैंने अभी तक थन भी नही देखे। फिर भी ये लोग गौ हत्या व गौ रक्षा की बात पता नही किस मुंह से करते थे ? अध्यक्ष महोदय, राम के नाम से इन्होंने समूचे देश को गुमराह करने की कोशिश की है। आज ये जो सब भाई इस तरह की बीत करते हैं, ये., चौधरी देवी लाल जी जब उप–प्रधानमन्त्री होते थे और श्री चन्द्रशेखर जी प्रधानमन्त्री हाते थे, उन के साथ मिले हुए थे। तब ये मिलकर गुजरात से सोमनाथ के मन्दिर से चले थे। ये कहने लगे कि काग्रेस ने उस वक्त इन्हें क्यों नही रोका? आप ही अध्यक्ष

महोदय, बताएं कि क्या किसी को पूजा के नाम से रोका जा सकता है? क्या आप किसी को धर्म के नाम. से रोक सकते हैं? इस मन्दिर को बनवाने के लिये हमने अपने देश के भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री राजीव गांधी जी के समय आधारशिला रखी थी लेकिन कुछ मुसलमान भाईयों ने इसक लिये ऐतराज किया। बाबरी मस्जिद कमेटी ने भी कुछ ऐतराज किया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि इस देश में कांग्रेस पार्टी ही एक महान संस्था है जिसने इस मुल्क को इतना०ंचा बनाया। कांग्रेस ही एक सैकुलर पार्टी है। हमने यह सोचा कि किसी भी धर्म के मानने वाले के दिल को ऐसा करने से ठेस नही पहुंचनी चाहिये और कांग्रेस पार्टी ने यह फैसला लिया कि हम इस सारे मसले को बातचीत के जरिये हल करेंगे। प्रधान– मन्त्री राजीव गांधी जी ने इस मसले को बातचीत के जरिये हल करने की कोशिश की थी कि इस मसले को केवल बातचीत से ही हल किया जाए और जब बातचीत से हल न निकले तो फिर फैसला लिया गया कि देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट के जिम्मे यह काम लगाया जाये और उसका जो फैसला होगा वह हम सब को मान्य हो ना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, कितने शानदार तरीके से हम इस मसले को हल करने की कोशिश में लगे हुए थे। अगर किसी की आत्मा को ठेस पहुंचा कर मन्दिर का निर्माण करवाना होता तो हम कभी का मन्दिर बना देते या इन जैसी वोट की राज– नीति अगर हम करते तो हम मन्दिर बना देते लकिन हमने वोट की राजनीति नही की। हमने ऐसा न करके दुनियां के सामने यह दिखा दिया कि भारत में

कांग्रेस पार्टी ही एक ऐसी महान संस्था है जिसने मुल्क को उंचा उठाया है, जिसका 107 साल पुराना इतिहास है, जिसमें सभी धर्मो के लोग बसते हैं। यह वही महान् संस्था है, जि सने अपने खून से इसे सींचा है और अब कांग्रेस पार्टी इस मुल्क को बरबाद होता देख नहीं सकती। राजीव जी के बाद इस देश के प्रधान मस्ती श्री नरसिम्हा राव जी ने भी देश के संतों, महात्माओं के पैर पकड़े, पैरों को हाथ लगाकर यह कहा कि परमात्मा के वास्ते इस मुल्क को बचाओ। इस देश की मान मर्यादा बडी०ंची है, उस मान मर्यादा को कामय रखो। उन्होंने उनके पैरों को हाथ लगाया और उनसे दो महीने का समय मांगा। उन्होंने कह दिया कि नहीं, कोई समय नहीं देंगे। बी० जे० पी० ने उनको पूरी तरह बहूका दिया था कि अगर समय दे दिया तो कोई रास्ता निकल आएगा। प्रधान मन्त्री चाहते थे कि कोई रास्ता निकले और वहां पर मन्दिर भी बनाया जाए और मस्जिद भी बनाई जाए। प्रधान मन्त्री जी के दिमाग में एक और बात थी। वे चाहते थे कि चूंकि हिन्दुस्तान एक सैकुलर मुल्क है इसलिए वहां एक मन्दिर भी बने, मस्जिद भी वहां बने, गुरुद्वारा भी बने और ईसा मसीह का स्थान चर्च अथवा गिरजाघर भी बने। वे यह बात चाहते थे ताकि दुनिया को हम दिखा दें कि हिन्दुस्तान कैसा सैकुलर मुल्क है। राम किसी एक का नही था, इतके नाम अनेक हो सकते हैं। इसको खुदा भी कहते हैं, वाहेगुरु भी कहते हैं, ईसा मसीह भी कहते हैं, ईश्वर भी कहते हैं और राम भी कहते हैं। तो यह चीज एक है और नाम अनेक हैं। इसलिए वे चाहते थे कि एक ही स्थान पर चारों धाम बनें और

दुनिया के लोग आकर देखें कि कितनी शानदार हिन्दुस्तान की परम्परा है। इस ने सभी धमों को एक जगह इकट्ठा किया है और सभी धर्मों के लोग भाई की तरह रह रहे हैं। जब इनको पता लगा कि प्रधान मन्त्री कोई ऐसा फैसला करने जा रहे हैं और भारत सरकार इन सारी चीजों को बना–एगी तो इन्होंने एक मिनट में कह दिया कि हम बनाएंगे। इन्हेंने बाकायदा अपने वर्करों को कह दिया कि अयोध्या पहुंचो। आप जानते हैं कि अयोध्या में लाखों आदमी पहुंच गए। बड़ी भारी साजिश के तहत इन्होंने यह काम किया। इन्होंने पहले विश्वास दिया था कि हम कुछ नहीं करेंगे। इन्होंने असैम्बली में, पार्लियामैंट में, राज्य सभा में, हाई कोर्ट और सुप्रिम कोर्ट में यह विश्वास दिलाया था। हुमारे से एक गलती हो गई और हम मानेंगे कि ऐसे ..... का एतबार नहीं करना चाहिए। आज जाहिर होता है कि इन लोगों ने हमारे साथ कितना विश्वासघात किया है। ऐसे विश्वासघातियों का हमें भरोसा नहीं करना चाहिए। लेकिन प्रधान मन्त्री के सामने और क्या रास्ता था? अगर सरकार पहले तोड देते तो ये कहते कि सरकार तोड़नी असंवैधानिक है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने जो ..... शब्द इस्तेमाल कियां है उसको रिकार्ड से निकलवा दें।

श्री अध्यक्षः यह शब्द अन–पार्लियामैंटरी हैं, इसको रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी भजन लालः निकाल दें मुझे कोई एतराज नही है। साजिश का कोई अच्छा सा शब्द जोड़ दो। हम इन्हें विश्वासघाती तो कह सकते हैं। ये लोग विश्वास करने के लायक नहीं हैं और इन पर विश्वास नहीं करना चाहिए था। लेकिन आप जानते हैं कि प्रधान मन्त्री के पास सिवाए इसके और क्या रास्ता था? इन्होंने इतना भारी विश्वास दिलाया, फिर लोक सभा में कांग्रेस के बाद सब से बड़ी पार्टी वही है, उसका विश्वास तो करना ही था। जब इनसे पूछा गया कि दो लाख आदमी वहां पर पहुंच कर क्या करेगे तो इन्होने कहा कि सब पूजा पाठ करेगे, हवन करेंगे कीर्तन करेंगे और भजन करेंगे। वे वहां पर कोई झगडा या गलत काम नहीं करेंगे। ये सारी बातें हाउस के रिकार्ड पर हैं। पधान मन्त्री न उनकी बात पर विश्वास किया लेकिन इन लोगों ने विश्वासघात किया। आप जानते है कि किस तरह के हालात इन लोगों ने मुल्क में बनाए। अध्यक्ष महोदय, विश्वास के बारे में कुछ भाई यहां बोले और उन्हेंने कहा कि इतना ही कसूर कांग्रेस पार्टी का है या प्रधान मन्त्री श्री राव का है। प्रधान मन्त्री जी ने बड़े शानदार तरीके से सारे मामले का कन्ट्रोल किया है। इतनी जल्दी कन्ट्रोल करना बहुत मुश्किल था। इन्होंने इस देश को तोड़ने के लिए बड़ी भारी आग लगाई थी।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 15 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए?

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: बैठक का समय 15 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है।

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष. महोदय, हमारे प्रधान मन्त्री जी ने इस देश की एकता और अखंडता को कायम रखने की कोशिश की है। इस बात के लिए हम उनको मुबारिकबाद देना चाहते हैं। इन्होंने कहा कि हमारी तीन सरकारें और गिरा दी हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने खुद मानो पै कि हम आर० एस० एस० के मैंबर है। तो जब मुल्क में आर० एस० एस० के०पर बैन लग गया हो तो वे सरकारें कैसे रह सकती हैं? फिर इतने वर्करों को इन्होंने अपनी स्टेटों से तैयार करके भिजवाया और कहा कि जाओ, और वहां जाकर मस्जिद तोड़ो। इसके बाद सरकार के पास और क्या रास्ता था। दूसरे इन्होंने कहा कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोतम हैं, सैकुलर हैं। आप सब जानते हैं कि सैकुलर का मतलब धर्म निर्पेक्षता है। आप ही देखें कि किस तरह से धर्म के नाम पर इन लोगों ने राजनीति की। आप कहा करते थे कि पंजाब में अकाली गुरूद्वारों मे बैठ कर राजनीति करते हैं। वाहे गुरू के पवित्र स्थान में बैठ कर राजनीति करते हैं। मैं बी० जे० पी० के भाईयों से पूछना चाहता हूं कि आप क्या करते हें? आपने वोट की राजनीति के लिए देश के अन्दर ऐसा

वातावरण पैदा किया है। भगवान राम मर्यादा पुरूषोतम थे। वे चाहते थे कि सारी दुनिया मान–सम्मान और शांति से रहे। सब लोग एक समान है और सबका खून एक जैसा है। जो भाई इस संसार में पैदा हुआ है, उसमें इन्सानियत होनी चाहिए। जो भडि पैदा हुआ है, रभसमें इन्सानियत का मादा होना चाहिए। लेकिन बी० जे० पी० के लोगों ने सारा मर्यादाओं को ताक पर रख कर सारे टेल के महौल को खराब कर दिया। इससे बड़ी दुखदायी बात और क्या हो सकती है? अध्यक्ष महोदय, मेरे पास कहने को तो बहुत बातें हैं लेकिन मैं ज्यादा नही कहूंगा। इन्होंने एक बात– कही कि भजन लाल ने कहा था कि मंदिर बनना चाहिए। मैं तो आज भी कहता हू कि मंदिर बनना चाहिए लेकिन दो दिलों को तोड़ कर नही बनना चाहिए। राम हम सबका है। राम सिखों का भी है। राम मुसलमानों का भी है लेकिन बी० जे० पी० वालों का राम नहीं है। वे किसी के भी नहीं हैं। न उनका कोई मान है और न ही उनका कोई गुरू है। मेरे कहने का मतलब यह है कि वे किसी के नहीं हैं। उन्होंने जो कुछ किया है, वह केवल वोट की राजनीति की है। जहां तक हरियाणा प्रदेश का ताल्लुक है, हरियाणा प्रदेश में भी वाका हुआ, मैं इस बात से इन्कार नही करता। मुझे उस बात का बड़ा भारी दु:ख है। हमने उसी समय फौरन एक्शन लिया। जो कुछ पुनहाना में हुआ या नूह में हुआ, मुझे उस बात का बड़ा दुख है, लेकिन वहां पर कोई ऐतिहासिक मंदिर नहीं टूटा।

प्रो० छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मैं जानना चाहता हूं कि ऐतिहासिक मंदिर और साधारण मंदिर में क्या फर्क है?

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायट आफ, आर्डर नही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस को बताना चाहूंगा कि ऐतिहासिक मंदिर उसको कहते हैं जहां पर गुरू नानक आए हों, जहां पर कबीर जी आए हो और जहां पर भगवान जम्बेश्वर जी महाराज आए हों। जहां पर तीर्थ स्थान हो। जिस मंदिर के साथ कोई इतिहास जुड़ा हो उसको ऐतिहासिक मंदिर कहते हैं। ऐतिहासिक मंदिर के पीछे कोई न कोई –इतिहास जुड़ा होता है। फिरोजपुर झिरका में शिव का मंदिर है। वह। पर शिव लिंग जमीन से निकला था। मैं आपको बताना चाहूंगा कि नूह में, गली मौहल्लों में, छोटे–छोटे मंदिर हैं। उन मंदिरों का कुछ नुक्सान जरूर हुआ है। उन मंदिरों में कुछ मूर्तियों को खण्डित किया गया है और कुछ मंदिरों को तोड़ा गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है, और मैं इस बात से इन्कार भी नहीं करता। मैं कहता हूं कि वहा पर कुछ मंदिरों को जरूर नुक्सान पहुंचाया गया है, लेकिन उसके बदले में दो जगहों पर–एक फरीदाबाद जिले में और एक भिवानी जिले में, मस्जिदों को भी खण्डित किया गया है। आपको याद है कि पुनहाना में एक जगह कुछ लोगों ने भावनाओं मे वह करके कुछ नुक्सान किया। आप जानते हैं कि जब माहौल बिगड़ता है तो दुकानों को भी नुक्सान होता है और

फैक्ट्रियों को भी नुक्सान होता है। वहां पर एक फैक्ट्री को आग भी लगाई गई, इस में कोई दो राय नहीं हैं। एक जगह गऊशाला में भी आग लगाई गई और उसमें एक गऊ जो बीमार थी, वह जल गई। बाकी गऊओं को वहां के मेवों ने बाहर निकाल लिया था। उस गऊशाला के अन्दर पडे हुए चारे के अन्दर जब आग लगी तो बहु गऊ उठ नही स.की और जल गई, इसमें कोई दो राय नहीं है। जो सच्ची बात हो उसको कहने में कोई पाप नहीं है। यह बात आपके सामने सदन के अन्दर भी लिखी हुई है किं या तो सभा में प्रबेश न किया जाए और अगर प्रवेश किया जाए तो सच्च बोला जाए। यदि झूठ बोलोगे नो पाप के भागी बनोगे। हम सच्च बोलते हैं। फिर उस गाय को बाकायदा हिन् रीति रिवाज के मुताबिक जमीन में दबाया गया। वहां के एडमिनिस्ट्रेशन ने पूरा कन्ट्रोल किया। शुरु शुरु में कुछ गलती कुछ अधिकारियों से हुई थी। चार घण्टे तक जितनी सस्ती के साथ उन्हें कदम उठाने चाहिए थे, नही उठाये, उन सबके खिलाफ हमने कार्य वाही की। अगर शुरु में ही तेजी के साथ प्रशासन कदम उठा लेता तो जो गड़बड़ हुई है, वह भी न होती। इसके फौरन बाद बाकायदा पूरी फोर्स वहां पर भेजी गई और स्थिति को कन्ट्रोल किया। मैं विश्वास दिलाता हूं कि चाहे मन्दिर गिरा हो, चाहे मस्जिद गिरी हो, उसको मेवात के लोग आपस में मिल कर ही बनाएंगे। मैं यह बात कहना चाहता हुं कि जितना देशभक्त मेवात है, उसकी जितनी प्रशंसा इस बारे में की जाये, कम है। मैंने वहां से चुनाव लड़ा हुआ है। वहां की स्थिति का मुझे ज्ञान है। मेवात में काफी लोगों

के नाम आपको आज भी राम के नाम पर ही मिलेगे। कितनी कुर्बानी इन्होंने इस देश के लिए दी है, यह मेवों का इतिहास ही बताता है। चाहे 1857 की जंग रही हो या और रही हो, पता नहीं कितने ही मेवों को फांसी पर लटकाया गया था। मेवात के मुस्लिम भाइयों ने न कभी बाबर का साथ दिया और न अकबर का साथ दिया। अंग्रेजों का भी डटकर मुकाबला किया। देश की आजादी के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी इन लोगों ने दी है। मेवात के मेव पूरे देशभक्त हैं। हर समुदाय में, हर वर्ग में कुछ प्रेसे लोग होते हैं जो देश को तोड़ने की बात करते हैं, लूट खसूट की बात करते हैं। ऐसे लोग आपको हर समाज में मिल सकते है। हमने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की है और करीब 400 लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने अपनी तरफ से पूरी चौकसी की है। ये लोग कह रहे हैं कि इन दो मत्रियों को डिसमिस कर दिया जाये। उस दिन 7 तारीख को कैबिनेट की मीटिंग चल रही थी। मैंने इनको कहा कि आप फौरन वहां पर जाईए। 1.00 बजे के आस पास मीटिंग के समाप्त होने पर ये दोनों मंडी वहां पर पहुंचे। आपको पता है, पुन्हाना जाने के लिए, फिरोजपुर झिरका जाने के लिए या नूह जाने के लिए कम से कम 7–8 घंटे का समय लगता है। ये बेचारे वहां पर रात को 8–9 बजे पहुंचे, साथ ही साथ दोनों एम० एल० एज० भी पहुंचे।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के नेता श्री कर्ण सिंह दलाल ने केवल एक बात कही थी and thereafter he

has left the House. उन्होंने यह बात कही थी कि कन्ट्राडिक्टरी स्टेटमेंट दी है। इसलिए हाउस की एक कमेटी बना दी जाये। इस बात पर आपने उनको नेम कर दिया। आप उनको हाउस में आने की इजाजत दें, नहीं तो हम भी वाक आऊट करते हैं।

श्री अध्यक्षः आप बुला लें। मैंने पहले ही बुलाने के लिए इजाजत दे रखी है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब ने कह दिया है आप उन को बुला लें ताकि डिबेट में हिस्सा ले सकें। मैं यह कह रहा था कि मेवात में चाहे मन्दिर गिरा है चाहे मस्जिद गिरी है उसको वहां के दोनों समुदाय के लोग आपस में मिलकर बनाएंगे। मस्जिद हिन्दू भाई बना रहे हैं और मन्दिर मुस्लिम भाई।

श्री अध्यक्षः 1984 मे भी जो घटना हुई थी उस बारे में भी स्थिति कलियर कर दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय 1984 के अन्दर कुछ लोग मारे गए थे वह भी कोई अच्छी बात नही थी। बेबुनियाद जो बातें होती हैं, उनको कैडंम किया जाना चाहिए, खासकर उन बातों को जिनका कोई आधार नही होता। इसलिए मैं सारे हाउस से प्रार्थना करता हूं कि इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास किया जाये।

Mr. Speaker Question is-

यह सदन 6 दिसम्बर, 1992 को अयोध्या में विश्व हिन्दु परिषद, भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और बजरंग दल जैसी साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा बाबरी मस्जिद के गिराने की घटना की भर्त्सना करता है। इस दुःखद घटना के कारण देश में साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं भड़क उठी। बाबरी मस्जिद को गिराने की कार्यवाही न केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करके की गई, बल्कि इससे देश के धर्म–निरपेक्ष स्वरूप को भी एक– गहरा आघात लगा है।

यह सदन भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश में तत्कालीन सरकार द्वारा देश की जनता के साथ किए गए विश्वासघात और देश की सर्वोच्च अदालत को दिए गए आश्वासनों की खुलेआम उल्लंघना पर गहरी चिन्ता और शोक प्रकट करता है। यह सदन इस समूचे घटनाक्रम में भारतीय जनता पार्टी की दोहरी भूमिका की भी निन्दा करता है जिसके कारण देश की भावनात्मक एकता को धक्का लगा। अयोध्या की दुःखद घटना के पश्चात् देश के विभिन्न भागों में घटी साम्प्रदायिक हिंसक घटनाओं के शिकार हुए सभी लोगों के प्रति यह गरिमापूर्ण सदन अपनी हार्दिक सहानुभूति एवं मृतको के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करता है और हिंसक घटनाओं में मरने वाले व्यक्तियों के परिवारों को अपनी संवेदना भेजता है। यह सदन हरियाणा की जनता से यह अपील करता है कि इस संवेदनशील घड़ी में अपनी गौरवशाली

परम्पराओं के अनुसार प्रदेश में शांति और साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखें और संयम मे काम लें।

The motion was carried.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now I report the time table fixed by the Business Advisory Committee in regard to various business

"The Committee met at 11.30 A.M. on Monday, the 21st December, 1992, in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in Session, shall meet on Monday, the 21st December, 1992 at 2.00P.M. and adjourn at 6.30 P.M., and on Tuesday, the 22nd December, 1992, Wednesday, the 23rd December, 1992 and Thursday, the 24th December, 1992 at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M.

The Commrttee, after some discussion, further recommends that the business from 21st to 24th December. 1992 be transacted by the Sabha as follows :—

Monday, the 21st December,		Obituary Reference s.
1992 (2.00 P.M.)		Questions Hour.
		Presentation and adoption of the First Report of the

		Business Advisory Committee.
		Papers to be relaid/laid on the Table of the House.
		Presentation of excess demands over grants and appropriations for the year 1986-87.
Tuesday, the 22nd December,		Questions Hour.
1992 (9.30 A.M.)		Discussion and Voting on the excess demand s over grants and appropriations for the year 1986-87.
Wednesday, the 23rd December,		Questions Hour.
1992 (9.30 A.M.)		Appropriation Bill, 1992 in respect of excess demands over grants and appropriations for the year 198 6-87.

		Legislative Business.
		Any other Business.
Thursday, the 24th December,		Questions Hour.
1992 (9.30 A.M.)		Motion under Rule 16 re- garding adjournment of Sabha Sine-die.
		Non-offioial Business."

Mr. Speaker : Now the Parliamentary Affairs Minister will move that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Sir, **I** beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Motion moved—

That this House agrees with the recommendations contained it the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Question is—

That this House agrees with the recommendations contained in the

First Report of the Business Advisory Committoe.

The motion was carried.

स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

सरकार की किसान विरोधी नीति के कारण हरियाणा में कृषि अर्थव्यवस्था में गिरावट होने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon. Members, I have received an adjournment not motion from Prof. Sampat Singh and 14 other M.L.As. regarding Anti-farmers policies. The Parliamentary practice is that the matter which has been continuing for some time, cannot be raised through an adjournment motion. Similarly a matter which can be raised under any other procedural device, viz., Calling Attention Motion, Questions etc. etc. cannot be raised through an adjournment motion. However, **I** have converted this adjournment motion into a Calling Attention Motion and Have admitted it for 22nd December, 1992.

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमने जो एडजर्नमैंट मोशन दी थी आपने उसकी अहमियत को समझते हुए उसको काल अटैंशन मोशन में कन्वर्ट कर के स्वीकार किया, इसके लिए तो मैं आपको धन्यवाद करता हूं, लेकिन अभी भी मेरी आपसे गुजारिश है कि आप इस को ऐडजर्नमैट मोशन ही ऐडमिट करें क्योंकि यह मामला बहुत ही महत्वपूर्ण है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप मेरी रूलिंग आने के बाद इस पर डिस्कशन नही कर सकते।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ यही कह रहा हूं कि फार्मर्ज के खाद, सीडज, पैसटीसाइडज और डीजल के रेट जो बढ़े हैं...

श्री अध्यक्षः ये रेट्स तो सैन्टर द्वारा बढ़ाये गये है।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पर जवाब तो यही गवर्नमैंट ही देगी। ये जो फर्टीलाइजर, सीडज, पैस्टीसाड्डज, फार्मर्ज की मशीनरी है, सबके रेट्स 40 से 100 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। अध्यक्ष महोदय, जीरी और काटने को मार्किट में कोई नहीं मूछ रहा है। इसलिए गवर्नमैंट का फर्ज बनता है कि गवर्नमैंट इसका जवाब दे।

श्री अध्यक्षः आप तो पूरा भाषण दे रहे हैं, इस बारे में आप कल पूछ लेना। (शोर एवं व्यवधान)सम्पत सिंह जी, क्या आप दोबारा वाक आउट करना चाहते

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम तो आपसे सबमिशन कर रहे है।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी के सदस्यों ने और दूसरे 14 एम० एल० ऐज० ने लिखकर दिया है इसके बारे में कल पूछ लेना। (शोर एवं व्यवधान)

सदन की मेज पर रखे गये पुनः रखे गये कागज–पत्र

Mr. Speaker : Now a Minister will lay/re-lay paper on the table of the House.

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra) : Sir, I beg to lay on the Table-

The Haryana General Sales Tax (Amendment) Ordinance, 1992 (Haryana Ordinance No. 1 of 1992).

Sir, I beg to re-lay on the Table-

The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 77/H.A. 20/73/S. 64/91, dated the 26th December, 1991 regarding the Haryana General Sales Tax (Sixth Amendment) Rules, 1991 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The General Administration Department Notification No. G.S.R. 3/Const./Art. 320/92, dated the 10th January, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) (First Amendment) Regulation, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G. S. R. 5/Const./Art. 320/92, dated the 13th January, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions), 2nd Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 6/Const./Art. 320/92, dated

the 13th January, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions), 3rd Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 7 /Const./Art. 320/92, dated the 13th January, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions), 4th Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 8 /Const./Art. 320/92, dated the 13th January, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions), 5th Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 28 /Const./Art. 320/92, dated the 10th April, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions), Sixth Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 33/Const./Art. 320/Amd. (9)/92, dated the 10th June, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions), Ninth Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

Sir, I beg to lay on the Table :—

The General Administration Department Notification No. G. S. R. 40/Const./Art. 320/Amd.(7)/92, dated the 30th June, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Seventh Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department Notification No. G. S. R. 43/Const./Art.320/Amd. (8)92, dated the 15th July, 1992 regarding the Haryana Public Service Commis-sion(Limitation of Functions) Eighth Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constition of India.

The General Adminisration Department (General Services) Notification No. G. S. R. 44/Const./Art. 320/Amd.(10)/92 dated the 24th July, 1992 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation of Functions) Tenth Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notif i cat on No. G. S. R. 46/Cost./Art.320/Amd. (11)/92, dated the 12th August, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Eleventh Amendment Regulat ons, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G. S. R. 66/Const./Art.320/Amd.(12)/92. dated the 24th September,

1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limrtation of Functions) Twelvth Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G. S. R. 75/Const./Art.320/C (3)/92. dated the 2nd November, 1992, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Thirteenth Amendment Regulations, 1992, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G. S. R. 7 6/Const./Art.320/Amd.(14)/92, dated the 13th November, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation, of Functions) Fourteenth Amendment Regulations. 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G. S. R.8 1/Const./Art.320/Amd. (15)/92, dated the 3rd December, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitaion of Functions) Fifteenth Amendment Regulations, 1992 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Service s) Notification No. G. S. R. 82/Const./Art.320/Amd.(16),92 dated the 4th December, 1992 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Sixteenth Amendment Regulations, 1992 as

required under Aricle 320(5) of the Constitution of India.

The Excise and Taxation Department Notification. G.S.R. 64/H.A.20/73/S. 64/92, dated the 18th Septemer 1992,

regarding the Haryana General Sales Tax First Amendment Rules 1992 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 71/H. A. 20/73/S. 64/92, dated the 1st, October, 1992 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1992 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Annual Report of the Haryana Agricultural University, Hisar for the Year 1987-88 as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Report of the Haryana Agricultural University Hisar for the year 1988-89 as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Report of the Haryana Agricultural University, Hisar for the year 1989-90 as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The 15th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the year 1988-89 as required under Section 619—A(3) of the Companies

Act, 1956 .

The Annual Report on the working of the Haryana Public Service Commission for the year 198 9-90 as required under

Article 323(2) of the Constitution of India.

The Annual Financial statement of the Haryana state Electricity Board for the year 1992-93 and revised Estimates for the year 1991-92 as required under Section 61(3) of the Electricity **(S** upply) Act. 1948.

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will lay papers on the Table of the House.

Finance Minister (Shri Mange Ram Gupta): Sir, I beg to lay on the Table-

1. The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 1990-91 in pursuance of the provisions of Clause(2) of Article 151 of the Constitution of India.

2 . The Appropriation Accounts of the Government of Haryana for the year 1990-91 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

3. The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1991 No. (3) (Civil) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

वर्ष 1986– 87 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों सं अधिक मांगें प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now the Finance Minister willpresentthe excess demahds over grants and appropriations for the year 1986-87.

Finance Minister (Shri Mange Ram Gupta): Sir, **I** also present the excess demands over grantsand appropriations forthe year 1986-87

Mr. Speaker : Now, the House is adjourned till 9.30 a. m. tomorrow, the 22hd December, 1992.

***19.50 P.M.**

(The Sabha the n*adjourned till 9.30 a. m. on Tuesday the 22nd December, 1992).